हरियाणा विधान सभा
की
कार्यवाही

1 सितम्बर, 2008

खण्ड 2, अंक 1

अधिकृत विवरण

विषय सूची

सोमवार, 1 सितम्बर, 2008

	पृष्ठ संख्या
शोक प्रस्ताव	(2) 1
मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया संक्षिप्त वक्तव्य	(2) 18
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(2) 20
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(2) 38
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(2) 46
वाक-आऊट	(2) 48
मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा	(2) 49
सरकारी संकल्प -	(2) 50
हरियाणा सरकार द्वारा ओलम्पिक विजेताओं को सम्मान देने बारे	(2) 50
वाक-आउट	(2) 66

150

सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)	(2)	66
हरियाणा सरकार द्वारा ओलम्पिक विजेताओं को सम्मान देने बारे	(2)	66
घोषणाएं -		
(क) अध्यक्ष द्वारा	(2)	74
(i) चेयरपर्सन्ज के नामों की सूची	(2)	74
(ii) अनुपस्थिति सम्बन्धी सूचना	(2)	74
(iii) यमुना समझौते पर समिति की रिपोर्ट के बारे में	(2)	74
(ख) सचिव द्वारा	(2)	75
बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट	(2)	76
वाक-आउट	(2)	80
सदन की मेज पर रखे गए कागज-पत्र	(2)	80
विशेषाधिकार मामलों के सम्बन्ध में विशेषाधिकार समिति का प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना	(2)	82
विशेषाधिकार कमेटी की विशेष रिपोर्ट प्रस्तुत करना	(2)	83
वर्ष 1999-2000 से 2004-2005 तक की अवधि के दौरान सार्वजनिक सम्पत्तियों के हस्तांतरण/नीलामी/आबंटन की विस्तृत जांच करने के लिए समिति का प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना	(2)	87
वर्ष 2008-09 के लिए अनुपूरक अनुमान (प्रथम किस्त) प्रस्तुत करना	(2)	88
प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना	(2)	88

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 1 सितम्बर, 2008

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में बाद दोपहर 02.00 बजे हुई। अध्यक्ष (डा० रघुवीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की।

शोक प्रस्ताव

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now the Chief Minister will make the obituary references.

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, पिछले सत्र और इस सत्र के बीच में स्वतंत्रता सेनानी, शहीद और बहुत सारे हमारे साथी हमारे को छोड़कर चले गए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से यह शोक प्रस्ताव सदन के समक्ष रख रहा हूं—

बाबू परमानन्द, हरियाणा के भूतपूर्व राज्यपाल

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व राज्यपाल बाबू परमानन्द के 24 अप्रैल, 2008 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 10 अगस्त, 1932 को हुआ। वह 1962-1990 के दौरान छः बार जम्मू एवं कश्मीर विधान सभा के लिए चुने गए। वह 1967, 1972 तथा 1982 में मंत्री बने। वह 1980 में जम्मू एवं कश्मीर विधान सभा के अध्यक्ष चुने गए। वह 1991-95 के दौरान जम्मू एवं कश्मीर के राज्यपाल की सलाहकार समिति के सदस्य रहे। वह 2000-2004 के दौरान हरियाणा के राज्यपाल रहे। उन्होंने हमेशा गरीबों एवं समाज के कमज़ोर वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया।

उनके निधन से देश एक कुशल प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

कामरेड हरकिशन सिंह सुरजीत, भूतपूर्व संसद सदस्य

यह सदन भूतपूर्व संसद सदस्य कामरेड हरकिशन सिंह सुरजीत के 1 अगस्त, 2008 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 23 मार्च, 1916 को हुआ। उन्होंने देश की आज़ादी के संघर्ष में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। वह 1931 में सरदार भगत सिंह की नौजवान भारत सभा में शामिल हुए। उन्हें 1932 में होशियारपुर जिला अदालत के कार्यालय पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने पर जेल हुई। वह 1935 में कम्यूनिस्ट पार्टी में शामिल हुए। वह 1953 व 1967 में पंजाब विधान सभा के लिए चुने गए। वह 1978 में राज्य सभा के लिए चुने गए। वह भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के संस्थापकों में से एक थे। वह 1992-2005 के दौरान भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के महासचिव रहे। उन्होंने सदैव गरीबों के उत्थान के लिए कार्य किया।

उनके निधन से देश एक सुप्रसिद्ध मार्क्सवादी, एक सच्चे देशभक्त, अनुभवी सांसद एवं प्रमुख नेता की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]

श्री विनोद कुमार मडिया, हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री श्री विनोद कुमार मड़िया के 3 जुलाई, 2008 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 5 मई, 1950 को हुआ। वह 1996 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये। वह 1997-1999 के दौरान राज्य मंत्री रहे। वह एक निष्ठावान सामाजिक कार्यकर्ता थे।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री अमर सिंह ढांडे, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरिधाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री अमर सिंह ढांडे के 1 मई, 2008 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 22 सितम्बर, 1948 को हुआ। वह 1991 तथा 2000 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री सूरज मल, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री सूरज मल के 9 अगस्त, 2008 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 11 नवम्बर, 1935 को हुआ। वह 1996 तथा 2000 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री कृष्ण कुमार बिड़ला, भूतपूर्व संसद सदस्य

यह सदन भूतपूर्व संसद सदस्य श्री कृष्ण कुमार बिड़ला के 30 अगस्त, 2008 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 12 अक्तूबर, 1918 को हुआ। वह 1946-47 के दौरान भारतीय चीनी मिल्ज़ संघ तथा 1974-75 के दौरान इंडियन चैम्बर्स ऑफ कामर्स एण्ड इन्डस्ट्री के अध्यक्ष रहे। वह बिड़ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, दि हिन्दुस्तान टाईम्स तथा बिड़ला समूह की कई कम्पनियों के अध्यक्ष थे।

बिड़ला औद्योगिक समूह का न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में नाम है। उनकी यह सोच थी कि भारत, उद्योग के हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने। वह एक सफल उद्योगपति होने के साथ-साथ कुशल राजनीतिज्ञ भी थे। वह 1984 से 2002 तक तीन बार राज्य सभा के सदस्य रहे। वह अनेक शैक्षणिक एवं धार्मिक संस्थाओं से जुड़े रहे।

उनके निधन से देश एक अनुभवी सांसद, एक सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

हरियाणा के स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन उन श्रद्धेय स्वतन्त्रता सेनानियों के निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है, जिन्होंने देश की आज़ादी के संघर्ष में अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

इन महान् स्वतन्त्रता सेनानियों के नाम इस प्रकार हैं :

1. श्री कंवल सिंह, गांव ढाकला, जिला झज्जर।
2. श्री चन्दन सिंह, गांव बैंयापुर, जिला सोनीपत।
3. श्री रतन प्रकाश केसरी, फरीदाबाद।
4. श्री राम चन्द्र कस्वां, गांव भतानी, जिला भिवानी।
5. श्री प्रभु दयाल, गांव आसिय की गौरावास, जिला रेवाड़ी।
6. श्री हरद्वारी लाल, गांव छारा, जिला झज्जर।
7. श्री गुरचरण सिंह, गांव प्योंत, जिला करनाल।
8. श्री मुरलीधर यादव, गांव पालड़ी, जिला भिवानी।
9. श्री आसोदा राम, गांव दिनोद, जिला भिवानी।
10. श्री अमर सिंह, गांव लुखी, जिला रेवाड़ी।
11. श्री हरि सिंह खोखर, गांव कन्साला जिला रोहतक।
12. श्री सरूप लाल, गांव रिठाल, जिला रोहतक।
13. श्री रामजस, गांव बारडा, जिला महेन्द्रगढ़।
14. श्री अर्जुन सिंह, गांव झोझूकलां, जिला भिवानी।
15. श्री किशन लाल, गांव देबावास, जिला भिवानी।
16. श्री शेर सिंह, गांव भापड़ौदा, जिला झज्जर।
17. श्री हजार सिंह, पानीपत।
18. श्री चतर सिंह, नारनौल, जिला महेन्द्रगढ़।

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]

19 श्री अमीलाल, गांव कुड़ल, जिला भिवानी।

20. श्री छोटू राम, गांव हड़ोदा, जिला भिवानी।

21. श्री जयमल सिंह, गांव फीदेड़ी, जिला रेवाड़ी।

22. श्री चमन लाल आहूजा, पानीपत।

23. श्री खिरसा सिंह, गांव तलहेड़ी, जिला कुरुक्षेत्र।

24. श्री देवेन्द्र सिंह, रोहतक।

25. श्री भागीरथ, गांव कैमरी, जिला हिसार।

यह सदन इन महान् स्वतन्त्रता सेनानियों को शत-शत नमन करता है और इनके शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

हरियाणा के शहीद

यह सदन उन वीर सैनिकों को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता है, जिन्होंने मातृभूमि की एकता एवं अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया।

इन महान् वीर सैनिकों के नाम इस प्रकार हैं :

1. ब्रिगेडियर रविदत्त मेहता, गुड़गांव।
2. लैफ्टिनैंट अरुण कुमार, गांव रावलधी, जिला भिवानी।
3. सूबेदार राम कुमार, गांव बिड़ोला, जिला भिवानी।
4. सूबेदार रणबीर सिंह, गांव गुंदियाना, जिला यमुनानगर।
5. सूबेदार रामफल, गांव छाजपुर खुर्द, जिला पानीपत।
6. नायब सूबेदार कृष्ण कुमार, गांव मोखरा, जिला रोहतक।
7. नायब सूबेदार जगदीश चन्द्र, गांव हबाना, जिला कुरुक्षेत्र।
8. नायब सूबेदार सतपाल सिंह, गांव देवराला, जिला भिवानी।
9. उप-अधीक्षक फतेह सिंह, गांव फरैनखुर्द, जिला जीन्द।
10. निरीक्षक योगेन्द्र सिंह, गांव डोहकी, जिला भिवानी।
11. उप-निरीक्षक राम सिंह, गांव शीशवाला, जिला भिवानी।
12. हवलदार भूप सिंह, गांव बलाह कलां, जिला महेन्द्रगढ़।
13. हवलदार पदम सिंह, गांव नूना माजरा, जिला झज्जर।
14. हवलदार ओम प्रकाश, गांव छपार, जिला भिवानी।

15. हवलदार पवन कुमार, गांव हिंडौल, जिला भिवानी।
16. हवलदार हरपाल सिंह, गांव सिहोर, जिला महेन्द्रगढ़।
17. हवलदार लखी राम, गांव ढोरका, जिला गुड़गांव।
18. हवलदार बिजेन्द्र, गांव खिड़िया, जिला भिवानी।
19. हवलदार कर्मबीर, गांव ललहेड़ी, जिला सोनीपत।
20. नायक राजकरण, गांव कनीना, जिला महेन्द्रगढ़।
21. नायक पवन कुमार, गांव देवरड, जिला जीन्द।
22. लांस नायक कश्मीर सिंह, गांव बिलोचपुरा, जिला कुरुक्षेत्र।
23. सिपाही राजेश कुमार, गांव रमड़ा, जिला सोनीपत।
24. सिपाही जगदीश सिंह, गांव ईगराह, जिला जीन्द।
25. सिपाही मुखत्यार सिंह, गांव धनाना, जिला भिवानी।
26. सिपाही धर्मपाल, गांव ढाणी शोभा, जिला रेवाड़ी।
27. सिपाही देव कुमार, गांव मोहम्मदपुर अहीर, जिला गुड़गांव।
28. सिपाही विजय सिंह, गांव सुरहेली, जिला रेवाड़ी।
29. सिपाही महेश कुमार, गांव आसलवास, जिला रेवाड़ी।
30. सिपाही बिजेंद्र, गांव कटेसरा, जिला रोहतक।
31. सिपाही राजेश, गांव मोतला कलां, जिला रेवाड़ी।
32. सिपाही महीपाल, गांव बूढवाल, जिला महेन्द्रगढ़।
33. सिपाही रण सिंह, गांव मूलोदी, जिला महेन्द्रगढ़।
34. सिपाही प्रदीप यादव, गांव बिठवाना, जिला रेवाड़ी।
35. सिपाही कर्ण सिंह, गांव देवास, जिला महेन्द्रगढ़।
36. सिपाही बिजेन्द्र, गांव नैनसुखपुरा, जिला रेवाड़ी।
37. सिपाही नवीन कुमार, गांव कतोपुरी, जिला रेवाड़ी।

यह सदन इन महान् वीरों की शहादत पर उन्हें शत-शत नमन करता है और इनके शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, यह सदन हमारे फील्ड मार्शल माणेक शाह के निधन पर भी गहरा शोक प्रकट करता है तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]

जयपुर, बेंगलूर तथा अहमदाबाद में बम विस्फोट

यह सदन 13 मई, 2008 को राजस्थान के जयपुर, 25 जुलाई, 2008 को कर्नाटक के बेंगलूर एवं 26 जुलाई, 2008 को गुजरात के अहमदाबाद में क्रमिक बम धमाकों में मारे गए निर्दोष लोगों के दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है। यह एक शर्मनाक एवं घोर अपराध एवं मानवता पर हमला था।

यह सदन आतंकवादियों के इन जघन्य कृत्यों की कड़ी निन्दा करता है और शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

नैना देवी मंदिर दुर्घटना

यह सदन 3 अगस्त, 2008 को हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में स्थित नैना देवी मंदिर की भगदड़ में मरने वाले श्रद्धालुओं के दुःखद व असामयिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

प्राकृतिक आपदाएं

यह सदन अगस्त, 2008 में पंजाब और बिहार में आई भारी बाढ़ से मरने वाले लोगों के दुःखद व असामयिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन

मेरी भाभी **श्रीमती दान कौर;**

हरियाणा विधान सभा के उपाध्यक्ष श्री आज़ाद मोहम्मद के चाचा **श्री धन सिंह;**

सांसद श्री जय प्रकाश एवं विधायक श्री रणधीर के पिता **श्री हरकेश सहारण;**

श्रम मंत्री श्री ए.सी. चौधरी की भाभी **श्रीमती लता;**

विधायक श्री विनोद शर्मा की माता **श्रीमती राज रानी शर्मा;**

विधायक श्री नरेश मलिक के चाचा **श्री राम कुमार;**

विधायक श्री निर्मल सिंह के ससुर **श्री राम गोपाल सिंह;**

विधायक श्री अमीर चन्द मक्कड़ की पत्नी **श्रीमती कैलाशवती;** तथा

विधायक श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान की बहन **श्रीमती कौशल्या महाराज सिंह;** के दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

पूर्व मंत्री चौधरी लहरी सिंह के सुपुत्र श्री सुखबीर सिंह मलिक, पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा के पिता श्री जयराम शर्मा और भूतपूर्व मंत्री श्री मनीराम गोदारा के पोत्र श्री सुनील गोदारा के

निधन पर भी यह सदन गहरा शोक प्रकट करता है तथा शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला (रोड़ी) : अध्यक्ष महोदय, पिछले सत्र और इस सत्र के दौरान कुछ भूतपूर्व शख्सियतें इस संसार से चली गई हैं। विशेष रूप से हरियाणा प्रदेश से उनका सम्बन्ध रहा है। मैं हरियाणा के भूतपूर्व राज्यपाल बाबू परमानन्द के 24 अप्रैल, 2008 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं। उनका जन्म 10 अगस्त, 1932 को हुआ। वह 1962-1990 के दौरान छः बार जम्मू एवं कश्मीर विधान सभा के लिए चुने गए। वह 1967, 1972 तथा 1982 में मंत्री बने। वह 1980 में जम्मू एवं कश्मीर विधान सभा के अध्यक्ष चुने गए। वह 1991-95 के दौरान जम्मू एवं कश्मीर के राज्यपाल की सलाहकार समिति के सदस्य रहे। वह 2000-2004 के दौरान हरियाणा के राज्यपाल रहे। उन्होंने हमेशा गरीबों एवं समाज के कमज़ोर वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया।

उनके निधन से देश एक कुशल प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से भूतपूर्व संसद सदस्य कामरेड हरकिशन सिंह सुरजीत के 1 अगस्त, 2008 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं। वे एक अच्छे नेता और अच्छे एडमिनिस्ट्रेटर थे। वे 1953 व 1967 में पंजाब विधान सभा के लिए चुने गए। वे 1978 में राज्यसभा के लिए चुने गए। वे भारतीय कम्युनिस्ट (मार्क्सवादी) के संस्थापकों में से एक थे। वह 1992-2005 के दौरान भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव रहे। उन्होंने सदैव गरीबों के उत्थान के लिए कार्य किया। कामरेड हरकिशन सिंह सुरजीत जी की मेरे पिता स्वर्गीय श्री चौधरी देवी लाल जी से घनिष्ठ मित्रता थी। उनकी मित्रता न सिर्फ विधान सभा तक थी बल्कि राजनैतिक तौर पर भी उनके अच्छे संबंध रहे हैं। कामरेड हरकिशन सिंह सुरजीत जी ने चाहे कोई भी सरकार रही हो उनमें अहम् भूमिका निभाया करते थे। उनके निधन से देश एक सुप्रसिद्ध मार्क्सवादी, एक सच्चे देशभक्त, अनुभवी सांसद एवं प्रमुख नेता की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री विनोद कुमार मड़िया, हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री के निधन पर भी मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से गहरा शोक प्रकट करता हूं। श्री विनोद कुमार मड़िया जी हरियाणा विधान सभा के सदस्य रहे और उन्हें मंत्री पद पर भी सुशोभित होने का अवसर मिला। उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री अमर सिंह ढांडे, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य के 1 मई, 2008 को हुए दुःखद निधन पर मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से गहरा शोक प्रकट करता हूं। उनका जन्म

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

22 सितम्बर, 1948 को हुआ। वह 1991 तथा 2000 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये। उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री सूरज मल, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य के 9 अगस्त, 2008 को हुए दुःखद निधन पर मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से गहरा शोक प्रकट करता हूं। उनका जन्म 11 नवम्बर, 1935 को हुआ। वह 1996 तथा 2000 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये। वे अच्छे समाजसेवी थे और पंचायती आदमी थे जिनके अनुभव का प्रदेश के लोगों ने बहुत लाभ उठाया। उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति पर मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

मैं भूतपूर्व संसद सदस्य श्री कृष्ण कुमार बिड़ला के 30 अगस्त, 2008 को हुए दुःखद निधन पर भी अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से गहरा शोक प्रकट करता हूं। उनका जन्म 12 अक्तूबर, 1918 को हुआ। वह 1946-47 के दौरान भारतीय चीनी मिल्ज प्रसंघ तथा 1974-75 के दौरान इंडियन चैम्बर्स ऑफ कामर्स एण्ड इन्डस्ट्री के अध्यक्ष रहे। वे बहुत बड़े उद्योगपति थे। एक सफल उद्योगपति होने के साथ-साथ उनका राजनैतिक अनुभव भी अच्छा रहा। वे अच्छे समाजसेवी भी थे। उनके निधन से देश एक अनुभवी सांसद, एक सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

मैं महान स्वतंत्रता सेनानियों के निधन पर भी अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से गहरा शोक प्रकट करता हूं। स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान की वजह से ही आज हम आजादी में जी रहे हैं। इन महान स्वतंत्रता सेनानियों के नाम इस प्रकार हैं:-

1. श्री कंवल सिंह, गांव ढाकला, जिला झज्जर।
2. श्री चन्दन सिंह, गांव बैंयापुर, जिला सोनीपत।
3. श्री रतन प्रकाश केसरी, फरीदाबाद।
4. श्री राम चन्द्र कस्वां, गांव मतानी, जिला भिवानी।
5. श्री प्रभु दयाल, गांव आसिय की गौरावास, रेवाड़ी।
6. श्री हरद्वारी लाल, गांव छारा, जिला झज्जर।
7. श्री गुरचरण सिंह, गांव प्योंत, करनाल।
8. श्री मुरलीधर यादव, गांव पालड़ी, भिवानी।
9. श्री आसोदा राम, गांव दिनोंद, भिवानी।

10. श्री अमर सिंह, गांव लुखी, रेवाड़ी।
11. श्री हरि सिंह खोखर, गांव कन्साला, रोहतक।
12. श्री सरूप लाल, गांव रिठाल, रोहतक।
13. श्री रामजस, गांव बारडा, महेन्द्रगढ़।
14. श्री अर्जुन सिंह, गांव झोझूकलां, भिवानी।
15. श्री किशन लाल, गांव देवावास, भिवानी।
16. श्री शेर सिंह, गांव भापड़ौदा, झज्जर।
17. श्री हजार सिंह, पानीपत।
18. श्री चतर सिंह, नारनौल, महेन्द्रगढ़।
19. श्री अमीलाल, गांव कुड़ल, भिवानी।
20. श्री छोटू राम, गांव हड़ोदा, भिवानी।
21. श्री जयमल सिंह, गांव फीदेड़ी, रेवाड़ी।
22. श्री चमन लाल आहूजा, पानीपत।
23. श्री विरसा सिंह, गांव तलहेड़ी, कुरुक्षेत्र।
24. श्री देवेन्द्र सिंह, रोहतक।
25. श्री भागीरथ, गांव कैमरी, हिसार।

मैं इन महान् स्वतन्त्रता सेनानियों को शत्-शत् नमन करता हूं और इनके शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

मैं हरियाणा के वीर सैनिकों को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता हूं। आज हरियाणा के शहीदों पर समूचे देश के लोगों को नाज़ है जिन्होंने मातृभूमि की एकता एवं अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया है। इन महान वीर सैनिकों के नाम इस प्रकार हैं :—

1. ब्रिगेडियर रविदत्त मेहता, गुड़गांव।
2. लैफ्टिनैंट अरुण कुमार, गांव रावलधी, जिला भिवानी।
3. सूबेदार राम कुमार, गांव बिड़ोला, जिला भिवानी।
4. सूबेदार रणबीर सिंह, गांव गुंदियाना, जिला यमुनानगर।
5. सूबेदार रामफल, गांव छाजपुर खुर्द, जिला पानीपत।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

6. नायब सूबेदार कृष्ण कुमार, गांव मोखरा, जिला रोहतक।
7. नायब सूबेदार जगदीश चन्द्र, गांव हबाना, जिला कुरुक्षेत्र।
8. नायब सूबेदार सतपाल सिंह, गांव देवराला, जिला भिवानी।
9. उप-अधीक्षक फतेह सिंह, गांव फरैनखुर्द, जिला जीन्द।
10. निरीक्षक योगेन्द्र सिंह, गांव डोहकी, जिला भिवानी।
11. उप-निरीक्षक राम सिंह, गांव शीशवाला, जिला भिवानी।
12. हवलदार भूप सिंह, गांव बलाह कलां, जिला महेन्द्रगढ़।
13. हवलदार पदम सिंह, गांव नूंगा माजरा, जिला झज्जर।
14. हवलदार ओम प्रकाश, गांव छपार, जिला भिवानी।
15. हवलदार पवन कुमार, गांव हिंडौल, जिला भिवानी।
16. हवलदार हरपाल सिंह, गांव सिहोर, जिला महेन्द्रगढ़।
17. हवलदार लखी राम, गांव ढोरका, जिला गुड़गांव।
18. हवलदार बिजेन्द्र, गांव बिड़िया, जिला भिवानी।
19. हवलदार कर्मबीर, गांव ललहेड़ी, जिला सोनीपत।
20. नायक राजकरण, गांव कनीना, जिला महेन्द्रगढ़।
21. नायक पवन कुमार, गांव देवरड, जिला जीन्द।
22. लांस नायक कश्मीर सिंह, गांव बिलोचपुरा, जिला कुरुक्षेत्र।
23. सिपाही राजेश कुमार, गांव रमड़ा, जिला सोनीपत।
24. सिपाही जगदीश सिंह, गांव ईंगराह, जिला जीन्द।
25. सिपाही मुखत्यार सिंह, गांव धनाना, जिला भिवानी।
26. सिपाही धर्मपाल, गांव ढाणी शोभा, जिला रेवाड़ी।
27. सिपाही देव कुमार, गांव मोहम्मदपुर अहीर, जिला गुड़गांव।
28. सिपाही विजय सिंह, गांव सुरहेली, जिला रेवाड़ी।
29. सिपाही महेश कुमार, गांव आसलबास, जिला रेवाड़ी।
30. सिपाही बिजेंद्र, गांव कटेसरा, जिला रोहतक।
31. सिपाही राजेश, गांव मोतला कलां, जिला रेवाड़ी।

32. सिपाही महीपाल, गांव बूढवाल, जिला महेन्द्रगढ़।

33. सिपाही रण सिंह, गांव मूलोदी, जिला महेन्द्रगढ़।

34. सिपाही प्रदीप यादव, गांव बिठवाना, जिला रेवाड़ी।

35. सिपाही कर्ण सिंह, गांव देवास, जिला महेन्द्रगढ़।

36. सिपाही बिजेन्द्र, गांव नैनसुखपुरा, जिला रेवाड़ी।

37. सिपाही नवीन कुमार, गांव कतौपुरी, जिला रेवाड़ी।

मैं इन महान वीरों की शहादत पर उन्हें शत्-शत् नमन करता हूं और इनके शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

इनके अलावा मैं 03 अगस्त, 2008 को हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में स्थित नैना देवी मंदिर की भगदड़ में मरने वाले श्रद्धालुओं के दुःखद व असामयिक निधन पर भी गहरा शोक प्रकट करता हूं। इनके साथ ही मैं दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। इसके अतिरिक्त मैं अगस्त, 2008 में पंजाब और बिहार में आई भारी बाढ़ से मरने वाले लोगों के दुःखद व असामयिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं। मैं इन दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति भी अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। इसके साथ-साथ मैं मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की मामी श्रीमती दान कौर, हरियाणा विधान सभा के उपाध्यक्ष श्री आजाद मोहम्मद के चाचा श्री धन सिंह, सांसद श्री जय प्रकाश एवं विधायक श्री रणधीर सिंह के पिता श्री हरकेश सहारण, श्रम मंत्री श्री ए०सी० चौधरी की भाभी श्रीमती लता, विधायक श्री विनोद शर्मा की माता श्रीमती राज रानी शर्मा, विधायक श्री नरेश मलिक के चाचा श्री राम कुमार, विधायक श्री निर्मल सिंह के ससुर श्री राम गोपाल सिंह, विधायक श्री अमीर चन्द मक्कड़ की पत्नी श्रीमती कैलाशवती तथा विधायक श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान की बहन श्रीमती कौशल्या महाराज सिंह के दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं। इसके साथ-साथ मैं दिवंगतों के शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। इसके साथ मैं 13 मई, 2008 को राजस्थान के जयपुर, 25 जुलाई, 2008 को कर्नाटक के बैंगलोर एवं 26 जुलाई, 2008 को गुजरात के अहमदाबाद में क्रमिक बम धमाकों में मारे गए निर्दोष लोगों के दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं। यह एक शर्मनाक एवं घोर अपराध एवं मानवता पर हमला था। मैं आतंकवादियों के इन जघन्य कृत्यों की कड़ी निन्दा करता हूं और शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा भी जो नाम विशेष रूप से लीडर ऑफ दी हाऊस ने लिए हैं मैं भी अपने को उनके साथ जोड़ते हुए अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता हूं। इसी प्रकार से आतंकवादियों ने अपने कुकृत्यों की वजह से समूचे राष्ट्र के हरेक नागरिक को सोचने पर मजबूर किया है। मैं आतंकवाद से पीड़ित परिवारों के प्रति भी गहरी संवेदना प्रकट करता हूं। इसके अलावा हरियाणा प्रदेश में असामाजिक तत्वों के द्वारा फिरौती के नाम पर और फिरौती न वसूल होने पर कितने ही व्यापारियों का कत्ल कर दिया गया है। इसके अलावा गाजियाबाद में किसानों की जो दुःखद हत्या की गई है, उन सबको भी मैं इनमें शामिल करता हूं। मैं अपनी तरफ से एवं अपनी पार्टी की तरफ से समस्त शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री रामकुमार गौतम (नारनौंद) : स्पीकर सर, मैं सदन के नेता चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने जो शोक प्रस्ताव रखा है उसमें शरीक होता हूं और सबसे पहले बाबू परमानन्द जी, जो कि हरियाणा प्रदेश के भूतपूर्व राज्यपाल थे, उनका 24 अप्रैल, 2008 को जो दुःखद निधन हुआ है उनके शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। बाबू परमानन्द जी सारा जीवन गरीबों के लिए जिए। वे मजलूमों के बहुत बड़े रहबर थे। उनके निधन पर मुझे बड़ा भारी दुःख है। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवदेना प्रकट करता हूं।

कामरेड हरकिशन सिंह सुरजीत, भूतपूर्व संसद सदस्य पंजाब के रहने वाले थे लेकिन मॉर्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी पर उनकी बहुत भारी पकड़ थी। हालांकि पंजाब में उनकी कोई खास पहचान नहीं थी लेकिन उनमें एक ऐसी खूबी थी कि सारा जीवन मॉर्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के वे चेहरे बने रहे। जो अनपढ़ आदमी थे उनको वे टी०वी० पर देख कर यह कहते थे कि यह कुछ उल्टा सीधा कहेंगे लेकिन वे बहुत अच्छी शख्सियत के आदमी थे और उनकी सारे देश में बहुत बड़ी पहचान थी। मैं दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं और मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनको इस सदमे को बर्दाश्त करने की शक्ति दे।

श्री विनोद कुमार मड़िया, हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री थे। वे बहुत जोड़-तोड़ वाले व्यक्ति थे। वे सारा जीवन मेरी तरह एम०एल०ए० बनने के लिए कोशिश करते रहे। मैं दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं और मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनको इस सदमे को बर्दाश्त करने की शक्ति दे।

Mr. Speaker : Gautam Ji, kindly make the obituary references seriously.

श्री रामकुमार गौतम : श्री अमर सिंह ढांडे, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य के निधन से यह सदन एक अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपने आप को सदन के नेता के साथ जोड़ते हुए दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं और मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनको इस सदमे को बर्दाश्त करने की शक्ति दे।

श्री सूरजमल जी, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य थे उनके निधन पर मैं गहरा शोक प्रकट करता हूं और मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत के परिवार के सदस्यों को इस सदमे को बर्दाश्त करने की शक्ति दे।

श्री के०के० बिरला जी, इस देश के बहुत बड़े उद्योगपति थे और वे सारी दुनिया में जाने जाते थे। मैं दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं और मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनको इस सदमे को बर्दाश्त करने की शक्ति दे।

हरियाणा के स्वतंत्रता सेनानियों जिन सभी के नाम सदन के नेता अभी पढ़ चुके हैं, मैं उन सभी श्रद्धेय स्वतंत्रता सेनानियों के निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं, जिन्होंने देश की आजादी

के संघर्ष में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। अध्यक्ष महोदय, यह देश अगर कर्जदार है तो हमारे देश के जो स्वतंत्रता सेनानी हैं जिन्होंने इस देश को आजाद कराया और कुर्बानियां दी, उनका कर्जदार है। शहीदे आजम भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद जैसे कितने ही स्वतंत्रता सेनानी हैं जिन्होंने अपनी जिन्दगी की आहूति दी और आहुति देकर देश को आजाद कराया और देश की आजादी के संघर्ष में अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

देश के गद्दारों, अंग्रेजों के पिट्ठुओं और जिन्होंने देश की आजादी में अपना सहयोग नहीं दिया और जो आजादी की लड़ाई को कमजोर करने में लगे हुए थे, चाहे वे माने हुए और बड़े-बड़े खब्बी खान लोग थे, आजादी की लड़ाई में उनका कोई योगदान नहीं था, यह देश उनका कर्जदार नहीं है, बल्कि यह देश उन स्वतंत्रता सेनानियों का कर्जदार है जिन्होंने इस देश को आजाद करवाया। उन महान स्वतंत्रता सेनानियों की वजह से ही आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। यह देश उन लोगों का भी कर्जदार नहीं है जिन्होंने जाति-पाति का नारा लगा कर इस देश और हरियाणा प्रदेश के लोगों को लूटा। अध्यक्ष महोदय, मैं उन स्वतंत्रता सेनानियों को शत्-शत् नमन करता हूं जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनके शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति मैं अपनी दिली संवेदना प्रकट करता हूं। माननीय हुड्डा साहब ने इनकी पैंशन बढ़ा कर उनको बड़ा भारी सम्मान दिया है जिसके लिए मैं इनकी तारीफ करता हूं। अध्यक्ष महोदय, सही मायने में अगर कोई इज्जत का हकदार है तो यही लोग हैं। हरियाणा के शहीद वीर सैनिकों को मैं अश्रुपूर्ण नमन करता हूं जिन्होंने अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए और देश की एकता और अखण्डता के लिए अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया है। उनके नाम माननीय मुख्य मन्त्री जी ने अभी सदन में पढ़े हैं और ये नाम रिपीट भी हो चुके हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं इन महान वीरों की शहादत पर उनको शत्-शत् नमन करता हूं और इनके शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। अध्यक्ष महोदय, जनरल माणेक शॉ इस देश के बहुत बड़े जनरल हुए हैं और वे फील्ड मार्शल थे। मैं तो यहां तक भी कहूंगा कि वे सारी दुनिया के बहुत बड़े जनरल थे। उनके निधन पर मैं गहरा शोक प्रकट करता हूं। उनके शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति मैं अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं तथा परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि उनके परिवार के सदस्यों को यह बहुत बड़ा सदमा और चोट बर्दाश्त करने की क्षमता प्रदान करने की कृपा करें। अध्यक्ष महोदय, जयपुर, बैंगलौर और अहमदाबाद के बम विस्फोटों में जो भी भाई मारे गए हैं उनके परिवार के सदस्यों के प्रति मैं अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। 13 मार्च, 2006 को जयपुर राजस्थान में, 25 जुलाई को कर्नाटक के बैंगलौर में और 26 जुलाई, 2008 को गुजरात के अहमदाबाद के बम धमाकों में मारे गए लोगों के दुःखद निधन पर मैं गहरा शोक प्रकट करता हूं। ये बम धमाके बहुत ही शर्मनाक और मानवता पर हमला थे। यह सदन इन जघन्य हत्याओं और आतंकवादी कृत्यों की कड़ी निन्दा करता है। मैं अपनी पार्टी और अपनी तरफ से शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं और इस मौके पर सरकार से यह गुजारिश करूंगा कि सरकार ऐसे प्रबन्ध करने की कृपा करे कि भविष्य में कहीं हरियाणा में इस प्रकार की कोई घटना न हो जाए। अध्यक्ष महोदय, तीन अगस्त, 2008 को हिमाचल प्रदेश में माता नैना देवी मन्दिर में भगदड़ में मची अफरा-तफरी के कारण मरने वाले श्रद्धालुओं के दुःखद एवं असामयिक निधन पर मैं गहरा शोक प्रकट करता हूं और दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति

[श्री रामकुमार गौतम]

अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। स्पीकर सर, वर्ष 2008 में पंजाब और बिहार में आई भयंकर बाढ़ में मरने वाले लोगों के दुःखद एवं असामयिक निधन पर मैं गहरा शोक प्रकट करता हूं और दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संदेवना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की मामी श्रीमती दान कौर, हरियाणा विधान सभा के उपाध्यक्ष श्री आजाद महोम्मद के चाचा श्री धन सिंह, सांसद श्री जय प्रकाश एवं विधायक श्री रणधीर सिंह के पिता श्री हरकेश सहारण, श्रम मंत्री श्री ए.सी. चौधरी की भाभी श्रीमती लता, विधायक श्री विनोद शर्मा की माता श्रीमती राज रानी शर्मा, विधायक श्रीनरेश मलिक के चाचा श्री राम कुमार तथा इनकी ताई श्रीमती शान्ति देवी का नाम भी शोक प्रस्ताव में शामिल किया जाए। अध्यक्ष महोदय, श्री निर्मल सिंह के ससुर श्री राम गोपाल सिंह, विधायक श्री अमीर चन्द मक्कड़ की पत्नी श्रीमती कैलाशवती का दुःखद निधन हुआ है और इनकी राजनीति तो वही चलाती थीं। अध्यक्ष महोदय, विधायक श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान की बहन श्रीमती कौशल्या महाराज सिंह के दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं। अध्यक्ष महोदय, श्री राम बिलास शर्मा के पिता श्री जयराम शर्मा जी हमारे जिले के बहुत बड़े नेता थे जिनके साथ मेरा बचपन से ही सम्पर्क रहा है। हमारे पिता जी भी उनके बहुत बड़े स्पोर्टर रहे हैं। उनका पहले बड़ा बेटा और अब उनका जो यह पोता गुजरा है मैं इन सबके निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं और दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं दोबारा से प्रार्थना करता हूं कि यह जो बहुत बड़े झटके और बहुत बड़ी-बड़ी घटनाएं हुईं इन सबको सहने की ताकत भगवान उनके परिवार के सदस्यों को दे।

श्री एस०एस० सुरजेवाला (कैथल) : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो यह शोक प्रस्ताव पेश किया है उसमें दर्शाए गए सभी दिवंगतों के प्रति मैं अपनी तरफ से शोक प्रकट करता हूं। विशेषकर हमारे सभी जो माननीय सदस्य हैं जैसे विनोद शर्मा जी की माता श्रीमती राज रानी शर्मा, अमीर चन्द मक्कड़ जी की पत्नी और किसी सदस्य की माता, ससुर और दूसरे जो आदरणीय सदस्य हैं उनके प्रति श्रद्धांजलि प्रकट करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं विशेष तौर पर कामरेड हरकिशन सिंह सुरजीत जिनका नाम इस देश के बहुत बड़े सियासतदारों में आता है उनके साथ बहुत लम्बा समय बिताया है। मैं 1955-57 में जालन्धर में लॉ-कालेज में पढ़ता था और हरकिशन सिंह सुरजीत पंजाब के तकसीम होने से पहले जो कम्युनिस्ट पार्टी होती थी उसके जनरल सैक्रेटरी होते थे और दोबारा से जब पंजाब में कम्युनिस्ट पार्टी के चुनाव हुए थे उस समय भी वे जनरल सैक्रेटरी चुने गए थे। अध्यक्ष महोदय, उस समय मैं भी कम्युनिस्ट पार्टी में डैलीगेट था।

उस दिन से लेकर और उनकी मृत्यु तक बहुत बार मुझे उनसे मुलाकात करने का, परामर्श करने का मौका मिला 1959 में जब पंजाब और हिमाचल एक ही समूचा प्रान्त था, उस वक्त पंजाब की सरकार ने किसानों की जमीनों पर, जिन पर भाखड़ा का पानी लगता था, यह कहकर कि इससे किसानों की हैसियत अच्छी हो गई है, भाखड़ा टैक्स के नाम से 125 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से एक टैक्स लगाया था लेकिन उसके बाद हरकिशन सिंह सुरजीत ने जो उस वक्त तमाम

हिन्दुस्तान के किसानों के जनरल सैक्रेटरी थे, उनके नेतृत्व में हरियाणा-पंजाब के एक लाख के करीब किसानों ने गिरफ्तारियाँ दी थी। मैं भी उस मूवमैंट में दो महीने तक जेल में रहा था। इसके बाद ही सरदार प्रताप सिंह कैरो ने एक कमेटी बनायी थी और किसानों को उनको छोड़ना पड़ा था। अध्यक्ष महोदय, पार्लियामैंट की तरफ से जो उनको मकान मिला था मैं वहां पर उनसे मिलने उनके पास जाता था और उनकी मृत्यु से एक साल पहले भी मैं पंजाब में उनके गांव में भी जाकर उनसे मिलकर आया था। उनका इस देश की राजनीति में बड़ा भारी योगदान रहा था। विशेष रूप से उनको किसानों और गरीब लोगों की बहुत बड़ी आवाज के तौर पर जाना जाता था। राजनीति में एक पंचायती नेता के तौर पर उनका नाम शुमार होता था। उन्होंने कई कोएलेशन सरकारों का गठन करवाने में बहुत अग्रणी रोल अदा किया था। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा श्री के०के० बिड़ला जी जो देश के बहुत बड़े पूंजीपतियों में शामिल थे उनसे मेरा व्यक्तिगत तौर से संबंध रहा था। जब मैं पार्लियामैंट का मैम्बर था तो उस वक्त मैं और के०के० बिड़ला जी दोनों एक ही सीट पर बैठते थे। मैंने उनको बहुत नजदीक से देखा था। वे मुझे बहुत दफा अपने घर भी ले जाते थे। वे निहायत शरीफ, बहुत ही हम्बल तथा सादा जीवन गुजारने वाले बहुत बड़े इंड्रस्टियलिस्ट थे। वे एक बेहतरीन इंसान के तौर पर जाने जाते थे। पिछले दिनों उन्होंने अपना सारा कारोबार अपने परिवार के लोगों को दे दिया था। उनके कोई लड़का नहीं था। उनकी लड़की जो हिन्दुस्तान टाईम्स को देखती है, वह उनकी सम्पत्ति की मालिक है। बिड़ला जी से मेरा व्यक्तिगत तौर से भी संबंध रहा है। जब इसूज इंजन वाली फ्लोर गेयर की अम्बेसडर गाड़ी का नया माडल आया था तो उस गाड़ी को लेने में उस वक्त 6 महीने से लेकर एक साल तक लग जाता था, लेकिन उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या आपको यह गाड़ी चाहिए। मैंने कहा कि खरीदना चाहता तो हूं लेकिन मुझे मिल नहीं रही है। उसके बाद उन्होंने मुझे चिट्ठी लिखी कि मुझे यह गाड़ी अलॉट हुई है इसलिए मैं पैसे देकर वह गाड़ी उनसे ले सकता हूं। इस तरह से मेरा उनसे बहुत नजदीक का संबंध रहा था। मैं उनको भी और जिनके इस शोक प्रस्ताव में नाम मैंशन हैं, उन सभी को अपनी तरफ से श्रद्धांजलि पेश करता हूं।

श्री फूलचन्द मुलाना (एस०सी० मुलाना) : माननीय अध्यक्ष महोदय, हरियाणा विधान सभा के पिछले सत्र और इस सत्र के बीच में बहुत सी हस्तियाँ हमसे जुदा हो गई हैं। प्रकृति का नियम है कि सबको इस संसार से जाना ही है। अध्यक्ष महोदय, यह हरियाणा की सबसे बड़ी पंचायत है। सदन के नेता ने जो शोक प्रस्ताव हाउस में रखा है, मैं उसका अपनी ओर से और हरियाणा प्रदेश कांग्रेस पार्टी की ओर से समर्थन करता हूं। श्री परमानन्द, भूतपूर्व राज्यपाल जो 24 अप्रैल, 2008 को इस संसार को छोड़कर चले गए। उनकी सेवाओं को इस देश का दलित हमेशा याद रखेगा। वे गरीब प्रवर थे। कामरेड हरकिशन सिंह सुरजीत भी गरीबों के हमदर्द थे। वे हमारी पार्टी के भी कई बार हमदर्द रहे। यू०पी०ए० के गठन में भी उनका बहुत योगदान रहा, किन्तु जैसा मैंने कहा कि यह प्रकृति का नियम है कि जो आया है सो जाएगा, वे भी हमें छोड़कर चले गए। श्री के०के० बिरला बहुत बड़े उद्योगपति थे लेकिन बड़े उद्योगपति होने के साथ-साथ उनके दिल में इंसानियत के प्रति एक दर्द था। वे भी हमसे जुदा हो गए। श्री विनोद कुमार मड़िया, भूतपूर्व मंत्री और श्री अमर सिंह ढांडे भी विधान सभा के सदस्य रहे। मेरे साथ भी ढांडे साहब विधायक रहे। सूरजमल जी भी इस सदन के विधायक रहे। उनके निधन पर भी गहरा दुःख है। हरियाणा के स्वतंत्रता सेनानी और हरियाणा के शहीद जिनकी चर्चा सदन के नेता ने की व फील्ड मार्शल मानेकशा जो

[श्री फूलचन्द मुलाना]

इस देश के एक महान जनरल हुए हैं, इन सबको हम श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं। स्वतंत्रता सेनानी हमसे धीरे-धीरे जुदा हो रहे हैं। यह उनकी ही कुर्बानी का फल है कि हम आजादी की फसल को काट रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, जयपुर, बैंगलोर और अहमदाबाद में असामाजिक तत्वों द्वारा बम विस्फोट किए गए और मानवता की हत्या हुई। जहां हम इसकी निंदा करते हैं, इसके साथ ही उन दिवंगत साथियों को श्रद्धा सुमन भी अर्पित करते हैं जो देश के लिए कुर्बान हुए। नैना देवी मंदिर दुर्घटना में बहुत सारे निहत्थे लोग मारे गए। मैं यह चर्चा जरूर करना चाहूंगा कि यह बात नोटिस में आई है कि कुछ कोताही हुई है, समुचित प्रबंध नहीं हुए। समुचित प्रबंध किए जाने चाहिए थे ताकि निहत्थे लोग ऐसी दुर्घटनाओं से बचें। बिहार में भारी बाढ़ और पंजाब में भारी बाढ़ आई और उसमें बहुत सारे लोगों का असामयिक निधन हो गया। हम उनके प्रति भी शोक व्यक्त करते हैं। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में भी बाढ़ आई, खासतौर पर भिवानी में और रोहतक में बाढ़ आई, परन्तु उसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी और अपनी सरकार की सराहना करता हूं कि उचित समय पर समुचित प्रबंध करके बाढ़ पर काबू पा लिया गया। जो व्यक्ति बाढ़ में शहीद हुए हैं उनके प्रति भी मैं श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। इसके साथ ही आदरणीय मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की मामी दान कौर, हरियाणा विधान सभा के उपाध्यक्ष महोदय के चाचा श्री धन सिंह, सांसद श्री जय प्रकाश व विधायक श्री रणधीर सिंह के पिता श्री हरकेश सहारण, श्रममंत्री श्री ए०सी० चौधरी की भाभी श्रीमती लता, विधायक श्री विनोद कुमार शर्मा की माता श्रीमती राजरानी शर्मा और विधायक श्री नरेश मलिक के चाचा श्री राम कुमार, विधायक श्री निर्मल सिंह के ससुर श्री राम गोपाल सिंह तथा विधायक श्री अमीर चंद मक्कड़ की पत्नी श्रीमती कैलाशवती तथा विधायक श्री तेजेन्द्र पाल मान की बहन श्रीमती कौशल्या महाराज सिंह, इन सबके दुःखद निधन पर भी मैं गहरा शोक प्रकट करता हूं। श्री निर्मल सिंह जी के ससुर श्री राम गोपाल सिंह जी बहुत अच्छे हॉकी के खिलाड़ी थे। हमने उनको खेलते हुए देखा है। श्रीमती कौशल्या देवी श्री महाराज सिंह जी की पत्नी थी और श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान जी की बहन थी। हमारे उनके साथ घरेलू संबंध थे और उनके घर आना-जाना था उनका बहुत अच्छा स्वभाव था। उनके पुत्र चौ० नवाब सिंह हाईकोर्ट में जज हैं। लेकिन मौत का हथौड़ा कब किस पर आन पड़े यह कोई नहीं जानता। हमें उनकी मौत से बहुत दुःख है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में आज आरगेनाईज्ड क्राईम नहीं है। जहां कहीं पर क्राईम होता है उस पर काबू पा लिया जाता है। आज व्यापारियों के निधन की चर्चा हुई और उनके फिरौती मांगने की बात कही गई। यह तो जग-जाहिर है कि कौन फिरौती मांगता था। आज जहां पर भी क्राईम होते हैं उनको रोक लिया जाता है। आप सभी जानते हैं कि ब्राहम्ण और बनियों के वोट काटने का काम किया गया। यह कहा गया कि पंजाबी कहां से आये इनको बाहर निकालो। आज के दिन ऐसी चर्चा नहीं आनी चाहिए। आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं शोक-संतप्त परिवारों को अपनी तरफ से अपनी पार्टी की तरफ से सद्भावना व्यक्त करता हूं।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, सदन के नेता चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने जो शोक प्रस्ताव हाउस में रखा है और दिवंगत आत्माओं के प्रति विभिन्न पार्टियों के नेताओं ने जो विचार प्रकट किए हैं, मैं भी अपने आप को उनकी भावनाओं के साथ जोड़ता हूं। पिछले सैशन और इस

सैशन के बीच में हमें बहुत सी महान विभूतियां छोड़कर चली गई हैं। सबसे पहले मैं बाबू परमानंद के हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं। उन्होंने हमारे प्रदेश की सेवा राज्यपाल के पद पर रहते हुए की। उनका समाज के गरीब वर्गों से काफी लगाव था और वह उनके उत्थान के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। वह जम्मू-कश्मीर विधान सभा के अध्यक्ष पद पर भी रहे। उनके निधन से हमने एक अच्छा प्रशासक खो दिया है।

कामरेड श्री हरकिशन सुरजीत, भूतपर्व संसद सदस्य के निधन पर मुझे बहुत दुःख है। वह छोटी ही आयु में देश की सेवा में लग गये थे और देश की आजादी के लिए उन्होंने जेल भी काटी। कम्युनिस्ट पार्टी के उत्थान में उन्होंने अपना काफी योगदान दिया और वह अपनी पार्टी में सक्रिय नेता थे। वह पंजाब विधान सभा के सदस्य भी रहे और उनके निधन से देश ने एक देश भक्त और अनुभवी सांसद खो दिया है।

मुझे डॉ० के०के० बिड़ला, भूतपूर्व राज्य सभा सदस्य के निधन पर गहरा दुःख है। जिन्होंने हमारे देश के औद्योगिक विकास की नींव रखी और अपने प्रयत्नों से एक औद्योगिक एम्पायर खड़ी की। पत्रकारिता के क्षेत्र में भी वह खूब जाने जाते थे, उनके अनथक प्रयासों को हम भुला नहीं सकते। वह एक दूरदर्शी विचारशील उद्यमी उद्योगपति थे।

मैं, श्री विनोद कुमार मड़िया, भूतपूर्व राज्य मंत्री के निधन पर अपना शोक प्रकट करता हूं। वह विधान सभा के सदस्य रहे और प्रदेश के राज्य मंत्री के रूप में सेवा की। उनके निधन से प्रदेश ने एक सामाजिक कार्यकर्ता खो दिया है।

मुझे इस विधान सभा के भूतपूर्व सदस्यों श्री अमर सिंह ढांडे तथा श्री सूरजमल के निधन पर भी गहरा दुःख है। दोनों ही विधायक अपने क्षेत्र में सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। उनके निधन से हमने अनुभवी विधायकों को खो दिया है।

मुख्यमंत्री महोदय ने जिन सभी स्वतंत्रता सेनानियों तथा शहीदों के नाम अपने शोक प्रस्ताव में लिये हैं, इन सभी महान विभूतियों के निधन पर मुझे भी गहरा शोक है। कोई भी देश तथा समाज ऐसे महान व्यक्तियों के बलिदान को भुला नहीं सकता और देश तथा समाज को कायम रखने में भी महान विभूतियों का योगदान अमूल्य है। हर व्यक्ति को ऐसे महान व्यक्तियों से प्रेरणा लेनी चाहिए। इन सभी देश भक्तों के आगे हम सभी नत मस्तक हैं। स्वतंत्रता सेनानी तथा शहीद व्यक्ति किसी भी देश तथा समाज के लिये एक अमूल्य पूंजी होते हैं, इनके खोने से हर देश भक्त को दुःख होता है।

जयपुर, बेंगलूर तथा अहमदाबाद में बम विस्फोटों की दुर्घटनाओं में मारे गये निर्दोष लोगों के दुःखद निधन पर मुझे गहरा शोक है। इन घटनाओं में संलिप्त आतंकवादियों की जितनी भी निंदा की जाए वह कम है।

नैना देवी मंदिर की भगदड़ में मरने वाले श्रद्धालुओं के दुःखद व असामयिक निधन पर मैं गहरा शोक प्रकट करता हूँ।

[श्री अध्यक्ष]

प्राकृतिक आपदाओं के कारण पंजाब व बिहार में मरे लोगों के दुखद निधन पर मुझे गहरा शोक है। बिहार में तो 26 लाख से ऊपर लोग बाढ़ में घिर गए हैं और उनका सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

मैं, मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की मामी श्रीमती दान कौर, उपाध्यक्ष श्री आजाद मोहम्मद के चाचा श्री धन सिंह, सांसद श्री जय प्रकाश एवं विधायक श्री रणधीर सिंह के पिता श्री हरकेश सहारण, श्रम मंत्री श्री ए०सी० चौधरी की भाभी श्रीमती लता, विधायक श्री विनोद शर्मा की माता श्रीमती राज रानी शर्मा, विधायक श्री नरेश मलिक के चाचा श्री राम कुमार, विधायक श्री निर्मल सिंह के ससुर श्री राम गोपाल सिंह, विधायक श्री अमीर चन्द मक्कड़ की पत्नी श्रीमती कैलाशवती, विधायक श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान की बहन श्रीमती कौशल्या महाराज सिंह, भूतपूर्व मंत्री श्री राम बिलास शर्मा के पिता श्री जय राम शर्मा, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री श्री मनी राम गोदारा के पौत्र श्री सुनील गोदारा तथा संयुक्त पंजाब के पूर्व मंत्री स्वर्गीय श्री लहरी सिंह के सुपुत्र श्री सुखबीर सिंह मलिक के दुखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ।

मैं परमपिता परमात्मा से इन सभी दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने के लिये प्रार्थना करता हूँ और इन शोक संतप्त परिवारों तक इस सदन की संवदेना पहुंचा दी जायेगी। अब मैं दिवंगत आत्माओं के सम्मान में उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन धारण करने के लिए इस सदन के सभी सदस्यों को खड़ा होने के लिए अनुरोध करता हूँ।

(इस समय सदन द्वारा दिवंगत आत्माओं के सम्मान के लिये दो मिनट का मौन धारण किया गया।)

मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया संक्षिप्त वक्तव्य

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, मुझे आपको और हाउस को एक जानकारी देते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है। हरियाणा का किसान जिसने पूसा 1121 बोई थी उसका एक्सपोर्ट बन्द कर दिया गया था। इस बारे में कल ही मेरी प्रधानमंत्री जी से, कृषि मंत्री जी से, कांग्रेस अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी जी से और कामर्स मिनिस्टर जी से बात हुई है और आप सबको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि वह एक्सपोर्ट अब खोल दिया गया है।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने जो बात कही है मैं उसके संदर्भ में कुछ पूछना चाहता हूं। *********

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा जी, मुख्यमंत्री जी ने एक अनाउंसमैंट की है, आप अपनी बात जीरो आवर में रख लेना। इन्दौरा जी की कोई बात रिकार्ड न की जाए।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : इन्दौरा जी, क्या आपको यह बात सुनकर खुशी नहीं हुई? आपको तो इस बात की प्रशंसा करनी चाहिए और इस बात के लिए सरकार का धन्यवाद करना चाहिए।

(शोर एवं व्यवधान)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, *********

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा जी, आप जीरो आवर में बोल लेना, आपको इस पर बोलने के लिए समय दिया जाएगा।

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री जी से, कांग्रेस अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी जी से और कामर्स मिनिस्टर से बात की और यह सुनिश्चित करवाया कि पूसा 1121 का एक्सपोर्ट खोल दिया जाएगा, इससे हरियाणा के किसानों को हजारों करोड़ों रुपये का लाभ होगा।

15.00 बजे **डॉ० सुशील इन्दौरा :** अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री महोदय ने सदन में जो स्टेटमैंट दी है उसकी क्लैरीफिकेशन होनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) कब से किसानों की धान की फसल बेकार पड़ी है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री आनंद सिंह दांगी : अध्यक्ष महोदय, ये मुख्यमंत्री जी की स्टेटमैंट पर कौन सी क्लैरीफिकेशन चाहते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, हर चीज की क्लैरिफिकेशन होनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा जी, प्लीज आप बैठें। आपकी कोई बात रिकार्ड नहीं की जाएगी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, इनको तकलीफ यह है कि सैंटर की सरकार और हरियाणा की सरकार किसानों और मजदूरों की भलाई के लिए एक के बाद एक कार्य कर रही है जो कि इनके पेट में पच नहीं रही। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, *** (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : इंदौरा जी, प्लीज आप बैठें। आपकी कोई बात रिकार्ड नहीं की जा रही। (शोर एवं व्यवधान) क्या आप एक्सपोर्ट के खुलने से खुश नहीं है? अभी प्रश्नकाल चल रहा है उसके बाद आपको अलाऊ किया जायेगा, आप अपनी बात कह लेना। आप जीरो आवर में अपनी बात कह लेना। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, *** (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा जी की कोई बात रिकार्ड न की जाय। Indora Ji, Please take your seat. इन्दौरा जी, आप सीनियर पार्लियामैंटेरियन हैं, आप जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग सदन में कर रहे हैं, वह ठीक नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब सवाल जवाब होंगे।

Pitiable Condition of Ateli Bus-Stand

***1000. Sh. Naresh Yadav :** Will the Transport Minister be pleased to state–

(a) whether it is a fact that the Bus-Stand of Ateli Mandi is in a pitiable condition and passengers are not getting the proper facilities; if so, the reasons thereof; and

(b) the reasons for which the plying of Haryana Roadways buses have been stopped on the routes from Ateli to Mahendergarh via Dogara and from Ateli to Bahror togetherwith the time by which the plying of Haryana Roadways buses are likely to be started on the said routes?

परिवहन मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता) : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री नरेश यादव जी ने अटेली मण्डी के बस स्टैण्ड के बारे में प्रश्न पूछा है कि अटेली मण्डी के बस स्टैण्ड की दयनीय हालत है और यात्रियों के लिए वहां उचित सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि अटेली बस स्टैण्ड की स्थिति बेहतर है, ठीक है और यात्रियों को सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। वहां पर महिलाओं और पुरूषों के लिए शौचालय का प्रबंध है और यात्रियों के लिए पीने के पानी तथा बैठने के लिए भी उचित प्रबंध है। इस प्रकार से वहां पर किसी भी प्रकार से व्यवस्था में कमी नहीं है। माननीय सदस्य ने प्रश्न के 'ख' भाग में पूछा है कि अटेली से महेन्द्रगढ़ वाया दौंगड़ा तथा अटेली से बहरोड़ मार्गों पर हरियाणा रोडवेज की बसों के चलाने को बंद करने के क्या कारण हैं तथा उक्त मार्गों पर हरियाणा रोड़वेज की बसें चलाना कब तक आरम्भ किए जाने की संभावना है। इस बारे में मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि अटेली से महेन्द्रगढ़ वाया दौंगड़ा बसें चल रही हैं। इस रूट पर सरकार की पॉलिसी के मुताबिक प्राईवेट सैक्टर की बसें चल रही हैं जो कि सोसायटीज की बसें हैं। इसलिए इस रूट पर हरियाणा रोड़वेज की बसें नहीं चलाई जा सकती। फिर भी जरूरत के मुताबिक क्योंकि छात्रों को प्राईवेट बसें नहीं बिठाती हैं इस बात को ध्यान में रखते हुए इस रूट पर रोड़वेज की बस चलाने का प्रबंध किया जायेगा ताकि छात्रों को किसी प्रकार की दिक्कत न आये। जहां तक अटेली से बहरोड़ रूट पर हरियाणा रोडवेज की बसें चलाने की बात है, इस बारे में मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि स्टेट पॉलिसी के मुताबिक हरियाणा एवं राजस्थान के परिवहन प्राधिकरणों के मध्य हुए संयुक्त परिवहन समझौते के अनुसार इस रूट पर राजस्थान सरकार ने 12 परमिट प्राईवेट सैक्टर की बसों को दे रखें हैं और 24 ट्रीप डेली चल रहे हैं। इस रूट पर यात्रियों को किसी प्रकार की आने जाने की दिक्कत नहीं है।

श्री नरेश यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने मेरे सवाल के जवाब में बताया कि अटेली बस स्टैण्ड पर सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। अध्यक्ष महोदय, अभी तीन दिन में वहां मंत्री जी ने सुविधाएं उपलब्ध करवा दी हों तो पता नहीं क्योंकि तीन दिन पहले मैं वहां गया था उस समय अटेली बस स्टैण्ड की बहुत बुरी हालत थी। वहां पर कोई भी बस बस-स्टैण्ड के अंदर नहीं

जाती। मैं मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि वहां पर चाहे दिल्ली की तरफ बसें जायें या राजस्थान की तरफ बसें जायें वे सभी अटेली बस स्टैण्ड के अंदर होकर जायें। अब तो सारी बसें बस स्टैण्ड के बाहर से ही चली जाती हैं। जहां तक मंत्री जी ने बताया कि प्राईवेट बसें चल रही हैं। मैं मंत्री जी की जानकारी में लाना चाहूंगा कि उन बसों को 10-15 साल पहले दूसरी सरकारों ने परमिट दिए थे। अब उन बसों की हालत टूटी-फूटी है। अटेली मंडी में एक सरकारी कालेज के अलावा भी कई प्राइवेट कालेज खुल गये हैं जिससे स्टूडैंट्स की संख्या बहुत हो जाने के कारण उनको आने-जाने में काफी परेशानी होती है। इसलिए अटेली-बहरोड़ रोड पर, अटेली से महेन्द्रगढ़ रोड पर और नारनौल से जो रेवाड़ी रोड है उस रूट पर भी नई बसें लगाई जायें। अभी सरकार द्वारा बस ड्राईवरों और कंडक्टरों की भर्ती भी कर ली गई है। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि 4-5 बसें यहां लगाई जायें। पिछले सैशन में भी मैंने इस बारे में एक क्वैश्चन डाला था कि नांगल चौधरी, अटेली हल्के का एक हिस्सा है जहां पर अभी तक भी बस स्टैण्ड नहीं बना है। इसको कब तक बनवाया जा रहा है माननीय मंत्री जी इस बारे में भी बताने की कृपा करें?

श्री मांगे राम गुप्ता : स्पीकर सर, माननीय साथी ने जो तीन दिन पहले की बात कही है ऐसी तो बात नहीं है। माननीय सदस्य तीन-साढ़े तीन साल से विधायक हैं। ये हमेशा यहां जाते होंगे। इन्होंने बसों से सम्बन्धित जब भी कोई समस्या मेरे ध्यान में लाई मैंने उसको तुरन्त दूर करने का प्रयास किया है। जहां तक बसों के अन्दर जाने की बात है, तो ऐसा हो सकता है कि जो लम्बे रूट की बसें हैं वे पीछे से ओवरलोडिड होने के कारण बाहर से ही चली जाती हों लेकिन जो लोकल बसें हैं वे सारी की सारी लोकल बस स्टैण्ड में ही खड़ी होती हैं और वहीं से सवारियां लेकर चलती हैं। फिर भी अगर माननीय सदस्य की कोई स्पैशल प्रॉब्लम है, वे उसे हमारे ध्यान में ला दें, हम उसको दूर करने का हर सम्भव प्रयास करेंगे। स्पीकर सर, पहले तो हमारे पास बस ड्राईवरों और कंडक्टरों की कमी होने के कारण हम सभी रूट्स पर पूरी बसें नहीं चला पा रहे थे लेकिन अब हमारी सरकार ने ड्राईवरों और कंडक्टरों की भर्ती कर ली है। इसलिए अब हमारी सारी बसें चल रही हैं। फिर भी हम समझते हैं कि प्रदेश की जनता की जरूरत के मुताबिक बसें कम हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार ने हरियाणा राज्य परिवहन के बेड़े में 800 और नई बसें शामिल करने का निर्णय लिया है और जिस रूट के लिए भी माननीय साथी बस चलाने की मांग करेंगे हम वहां पर नई बस चलायेंगे। मैं इस बात का इन्हें विश्वास दिलाता हूं।

श्रीमती अनीता यादव : माननीय स्पीकर सर, हमारी सरकार ने परिवहन विभाग में ड्राईवरों और कंडक्टरों की बड़े पैमाने पर भर्ती की है जिसका पूरे प्रदेश की जनता को काफी फायदा हुआ है और लगभग हरेक रूट पर बसें चली हैं। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय जी के ध्यान में लाना चाहूंगी कि हमारे यहां नाहड़ में एक सरकारी कॉलेज है, जिसमें को-ऐजुकेशन है। नाहड़ और रेवाड़ी के बीच में जो बस चलती हैं वह विसौवा, बहूआ और बहू होकर चलती हैं। मैं आपके माध्यम से माननीय परिवहन मंत्री जी से यह निवेदन करना चाहती हूं कि एक बस ऐसी चलाई जाये जो रेवाड़ी से वाया नाहड़-कोहाड़ भड़ंगी और घड़ी होते हुए बहू जाये। इससे स्टूडैंट्स विशेषकर लड़कियों को काफी फायदा होगा जिन्हें अभी जीपों में लटककर जाना पड़ता है। जैसा कि सभी जानते हैं कि हमारे माननीय मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी छात्राओं

[श्रीमती अनीता यादव]

और महिलाओं का बहुत ध्यान रखते हैं और कभी बालिका-वर्ष के नाम पर तो कभी रक्षा-बंधन के नाम पर हमारी बहनों को विशेष तोहफे माननीय मुख्यमंत्री जी की तरफ से समय-समय पर मिलते ही रहते हैं। मेरे द्वारा बताये गये मार्ग पर वांछित बस सर्विस अगर सरकार की तरफ से प्रदान कर दी जाये तो इससे सभी छात्राओं को बहुत फायदा हो जायेगा और उन्हें अपनी जान जोखिम में डाल कर प्राईवेट वाहनों में यात्रा नहीं करनी पड़ेगी।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, हमारी कोशिश यही रहती है कि बच्चों विशेषकर छात्राओं की पढ़ाई के लिए जितना ज्यादा सम्भव हो उतनी ज्यादा से ज्यादा सुविधायें दी जायें। अध्यक्ष महोदय, विशेषकर लड़कियों की शिक्षा का जहां तक ताल्लुक है इस सरकार ने उनको सुविधायें देने में कोई कमी नहीं रखी हैं। जहां-जहां लड़कियां गांवों से शहरों में स्कूलों और कालेजों में जाती हैं या कहीं भी किसी भी कालेज या स्कूल में पढ़ने के लिए जाती हैं वहां पर जब भी हमारे सामने कोई मांग आई और जब भी इस प्रकार की कोई समस्या हमारे सामने उठाई गई, हमने वहां पर स्पैशल बस चलाकर उस समस्या का समाधान किया।

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : स्पीकर सर, जिस प्रकार से माननीय बहन जी ने भी और माननीय विधायक श्री यादव जी ने भी एक प्रश्न लड़कियों की सुविधाओं के सम्बन्ध में उठाया था, मैं भी आपकी अनुमति से उसी सम्बन्ध में सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि जो हमारी बहनें हैं, जो हमारी बेटियां हैं उनकी शिक्षा के लिए किस प्रकार से माननीय मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ने ज्यादा से ज्यादा सुविधायें देने की पहल की है। पहली बार जो बस-पास लड़कियों के लिए बनाये जाते थे उनके लिए पहले जो राशि छात्राओं से ली जाती थी उसमें कम से कम 50 प्रतिशत कटौती की है। सरकार की इस योजना से लगभग तीन लाख लड़कियां लाभान्वित हुई हैं। सरकार की इस महत्वपूर्ण योजना का उद्देश्य यही था कि लड़कियां ज्यादा से ज्यादा और अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकें। मैं यह भी याद कराना चाहूंगा कि सरकार ने जितने ड्राईवर्स और कंडक्टर्स लगाये हैं वे काफी लगाये हैं। मैं परिवहन मंत्री और माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि शायद इतने ही ड्राईवर्स और कंडक्टर्स और लगाने पड़ सकते हैं क्योंकि हमने अभी बहुत सी बसें और खरीदी हैं। कई प्रकार की बसिज खरीदी हैं, इसलिए मैं उम्मीद करता हूं कि हमें और भर्ती करनी पड़ेगी।

श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री से पूछना चाहती हूं कि बावल में 15-20 साल पहले से एक बस स्टैंड बना हुआ था वह बिल्कुल टूट चुका है। जयपुर जाते हुए लोगों को बहुत परेशानी होती है। यह शहर के बीच में आ गया है इसलिए लोगों को आने जाने में बहुत परेशानी होती है।

श्री अध्यक्ष : आपका सवाल क्या है?

श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया : अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल यह है कि यह बस स्टैंड कब तक बन जायेगा?

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, जो बस स्टैंड हमारे पहले से बने हुए हैं और जो आबादी के या शहर के बीच में आ गये हैं या जो बहुत खस्ता हालत में हैं वहां पर नये बस स्टैंड बनाने के लिए हमारी एक प्रोपोजल चली हुई है। बहुत सी जगह हमने जमीन एक्वायर कर ली है और जो पंचायतें हमें बस स्टैंड के लिए जमीन देने के लिए तैयार हैं वहाँ पर बस स्टैंड बनाने का प्रावधान हम कर रहे हैं।

श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया : अध्यक्ष महोदय, वहाँ पर तो सारी जमीन एक्वायर हो चुकी है और वहाँ पर कोई भी पंचायत ऐसी नहीं पड़ती जिसकी नैशनल हाईवे पर जगीन खाली पड़ी हो। इसलिए जमीन एक्वायर करने का काम भी सरकार को ही करना पड़ेगा।

श्री मांगे राम गुप्ता : ठीक है, बहन जी हम बना देंगे।

श्री विनोद कुमार शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि अम्बाला शहर में जो पुराना बस स्टैंड था उसको बन्द करके नया बस स्टैंड बनाने का प्रावधान था और उसके लिए पिछले अढ़ाई तीन साल से चर्चा चल रही है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि यह बस स्टैण्ड किन कारणों से नहीं बन पा रहा है?

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, श्री विनोद शर्मा जी ने अम्बाला शहर के बस स्टैंड की चर्चा की है। यह ठीक है कि वह बस स्टैंड डिमोलिश कर दिया गया है लेकिन यह भी ठीक है कि वहाँ पर नया बस स्टैंड अण्डर प्रोसैस है। जगह के लिए कई साईट भी देखी हैं लेकिन किन्हीं कारणों से अभी फाइनल नहीं हो पा रहा है। मैं शर्मा जी से गुजारिश करूँगा, वे हमारे सीनियर साथी हैं, बड़े तजुर्बेकार हैं कि अपनी कंस्टीच्यून्सी में कहीं पर जमीन का फैसला करवा दें। हमारे पास फंड की कोई कमी नहीं है और हम वह बस स्टैंड बनवा देंगे।

श्री विनोद कुमार शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि यह जमीन एक्वायर करने का काम उनका ही है और उनको ही करना चाहिए। जो पुराना बस सटैंड डिमोलिश किया है वहाँ पर बसें खड़ी होने की जगह नहीं है। मेरा प्रश्न यह है कि नया बस स्टैंड कब तक बन जायेगा?

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, इनकी माँग वाजिब है कि पुराना बस-स्टैंड डिमोलिश हो चुका है। एक-दो जमीन सलैक्ट की गई थी लेकिन मुझे उस बात का इल्म नहीं है कि किन कारणों से वह प्रपोजल सिरे नहीं चढ़ पाई। माननीय साथी सरकार को जमीन सलैक्ट करके दे दें तो हम बस-स्टैंड बनवा देंगे।

श्री अध्यक्ष : इन्होंने कहा है कि जमीन एक्वायर करना सरकार का ही काम है।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, यह मामला अण्डर प्रोसैस है जैसे ही हमें जमीन मिल जायेगी हम वहाँ पर बस-स्टैंड बना देंगे।

श्री विनोद कुमार शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री महोदय से निवेदन करना चाहता हूं कि इसको टालने की कोशिश न करें। अगर इसके कोई और कारण हैं तो वे इनको पता होने चाहिएं और यदि इनको वे कारण पता नहीं है तो इनको पता करवा लेना

[श्री विनोद कुमार शर्मा]

चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मेरा सिम्पल सा सवाल है कि जमीन सरकार ने लेनी है उसमें एल०एल०ए० का क्या रोल है। एम०एल०ए० जमीन कहां से देगा, जमीन का प्रबन्ध तो सरकार को ही करना है। माननीय मन्त्री महोदय जमीन का प्रबन्ध करके बताने की कृपा करें कि वे इस बस-स्टैंड को कब तक बना सकते हैं? अध्यक्ष महोदय, मेरा दूसरा सवाल यह है कि पहले जो जमीन ली गई थी किन कारणों से हम उस जमीन का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं क्या माननीय मन्त्री महोदय उन कारणों को भी बताने की कृपा करेंगे?

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने माननीय साथी को यह बताना चाहूंगा कि यदि वे इसके कारणों का जवाब चाहते हैं तो इसके लिए वे सैपरेट नोटिस देने की कृपा करें, कारण इनको बता दिये जाएंगे।

मुख्य मन्त्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, जहां तक अम्बाला सिटी के बस-स्टैंड का सवाल है, हमारे मन्त्री जी ने उसका जवाब दिया है। जहां पहले बस-स्टैंड बनाने की प्रपोजल थी मन्त्री जी उस जगह को दिखवा लें। स्पीकर सर, उस जगह को दिखवा कर वहां पर जल्दी ही बस-स्टैंड बनाने का प्रयास करेंगे।

श्री राधे श्याम शर्मा अमर : अध्यक्ष महोदय, नारनौल से वाया निजामपुर-नांगल चौधरी प्राईवेट जीपें ऊपर से नीचे तक भरी हुई चलती हैं और परिवहन महकमें की तरफ से सुबह छः बजे एक बस चलाई जाती है और वही बस शाम को छः बजे वापिस आती है। यह टाईम ठीक नहीं है। इस टाईम के बीच में और कोई भी सरकारी बस नहीं चलाई जाती। इस बारे में कल ही मुझे चिट्ठी भेज कर जी०एम० ने बताया है। हमारे गांव मूसलौधा तक बस चलती थी जो कि बन्द कर दी गई। (विघ्न) स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि नांगल चौधरी मूसलौधा तक सरकारी बस कब तक चलाएंगे?

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मैं पहले भी बता चुका हूं कि जब-जब भी किसी माननीय एम०एल०ए० ने हमें बताया है और विशेषकर शर्मा जी ने इस बारे में जब भी मुझे बताया है उसी समय हमने उनके सामने ही बस चलवाने के आर्डर करवाए हैं कि इनकी बस चलवा दी जाए। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि सभी की सारी इच्छाएं तो पूरी करवा पाना बहुत मुश्किल है। एक-एक घण्टे के अन्दर हर रूट पर बस चलाई जाए इतनी बसें चलाना बहुत मुश्किल है। (विघ्न)

श्री राम किशन फौजी : अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां सिवानी मण्डी और बवानी खेड़ा के बस स्टैंड बहुत दिन पहले बने थे और अब वे जर्जर हालत में है। इनके बारे में मैं कई बार इनसे मिल भी चुका हूं। मैं माननीय मन्त्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या वे इन बस स्टैंडज़ को ठीक करवा कर चालू करवाने का कष्ट करेंगे?

श्री मांगे राम गुप्ता : स्पीकर सर, जितने भी बस-स्टैंड खस्ता हालत में हैं हमने उनका सारा डाटा कलैक्ट कर लिया है कि कहां-कहां पर क्या कमियां हैं। इन बस स्टैंडज़ के ऐस्टिमेट्स तैयार करवाएं गए हैं और हम उनको बजट भी एलॉट कर रहे हैं। जल्दी ही बन बस स्टैंडस को चालू कर दिया जाएगा।

डॉ० शिव शंकर भारद्वाज : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से कहना चाहता हूं कि भिवानी कांस्टीच्यूएंसी में कुछ गांव ऐसे हैं जहां निजी संचालकों को बसों के रूट्स दिए हुए हैं लेकिन वे लोग ठीक प्रकार से बसों को नहीं चला पा रहे हैं। पिछले दिनों जब माननीय मन्त्री जी भिवानी आए थे तो ग्रामीणों की तरफ से उनको एक पत्र भी दिया गया था। क्या सरकार वहां पर सरकारी बसें चलवाने के बारे में विचार करेगी?

श्री मांगे राम गुप्ता : स्पीकर सर, यह पोसिबल नहीं है कि एम०एल०ए० या पब्लिक हमें कहे कि वहां पर इतनी बसें चलवा दी जाएं तो उतनी बसें चलवा दी जाएं। जितने भी हमारे रूटस हैं उनको हमने एग्ज़ामिन किया हुआ है और उन रूटस पर जरूरत के मुताबिक हम अपनी तरफ से बसें चलवाने का प्रयास करते हैं। स्पीकर सर, जहां तक प्राईवेट और सोसाईटीज़ की बसिज का सवाल है, उसमें वाकई ही कुछ प्रॉबलम आई हुई हैं। सोसाईटीज़ डिफाल्टर भी हुई हैं क्योंकि वहां पर बसें चलाना वायबल नहीं हो पा रहा है और वे बसें चला नहीं पा रहे हैं। वहां पर बसे चलवाने का हमने प्रयास किया है उनकी बसों को बाउंड किया है और वायलेशन होने पर उनकी बसों को इम्पाउंड भी किया है लेकिन डैमोक्रेटिक वे में हमारे लिए काफी दिक्कत है और उन बसों को बन्द करने से सरकार के लिए बहुत मुश्किल पैदा हो जाती हैं। स्पीकर सर, हम कुछ ऐसी पॉलिसी बना रहे हैं कि वे रूट्स वॉयबल हो जाएं और वहां पर वे लोग अपनी बसें चला सकें। हम जल्दी ही उनका ऐसा कुछ इलाज करने जा रहे हैं।

श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया : अध्यक्ष महोदय, तावडू हल्के में पूर्व मुख्य मन्त्री चौधरी भजन लाल जी के वक्त 1994 का पत्थर लगा हुआ है लेकिन वहां पर बस-स्टैंड नाम की कोई चीज नहीं है। मैं माननीय मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि वहां पर इतने पुराने समय से पत्थर लगा हुआ है क्या वहां पर बस स्टैंड बनवाने की कृपा करेंगे?

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मुझे यह समझ में नहीं आया है कि वह पत्थर वहां पर क्यों लगा रह गया है उस को तोड़ देना चाहिए था उस पत्थर की वहां पर क्या जरूरत है ?

डा० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, *** *** ***

श्री अध्यक्ष : डा० साहब, यह कोई तरीका नहीं है। आप अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न) इनकी कोई भी बात रिकार्ड न की जाए। (विघ्न)

श्री अरजन सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से पूछना चाहता हूं कि आदरणीय रणदीप सिंह सुरजेवाला जी ने हमारे छछरौली में बस-स्टैंड मंजूर किया था, क्या उस पर मन्त्री जी जल्दी से काम शुरू करवाएंगे ?

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को यह बतना चाहूंगा कि हम बहुत जल्दी ही छछरौली का बस-स्टैंड बनाने जा रहे हैं।

श्री ईश्वर सिंह पलाका : अध्यक्ष महोदय, मेरा रादौर विधान सभा क्षेत्र है। वहां पर बहुत पुराने बस शैड्स हैं। वहां पर यमुनानगर जाने के लिए भी अलग शैड बना हुआ है। वहां पर जो

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री ईश्वर सिंह पलाका]

शैडस बने हुए हैं वे बहुत पुराने हो चुके हैं। उनके नीचे यात्री खड़े होने से डरते हैं कि कहीं वे शैड्स गिर न जाएं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या रादौर में बस शैड बनाने की प्रपोजल है ? अगर नहीं है तो क्या मन्त्री जी नया प्रपोजल बनाएंगे ताकि वहां पर यात्रियों को सुविधा दी जा सकें ?

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, ऐसी कोई प्रपोजल नहीं है और न ही कोई हमारे पास मांग आई है। माननीय सदस्य ने अभी मांग रखी है और हम इस बारे में सर्वे करवाएंगे। अगर वहां पर जरूरत होगी तो जरूर बनवाएंगे।

श्री ईश्वर सिंह पलाका : सर, वहां पर सर्वे की जरूरत नहीं है वहां बस शैडस की जरूरत है। वहां पर यात्री बस पकड़ने के लिए दौड़ कर जाते हैं और कई बार गिर भी जाते हैं। मन्त्री जी को तो यह कहना चाहिए कि हम सर्वे नहीं बल्कि वहां पर बस शैड्स बनवाएंगे।

बिजली मन्त्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य से यह जानना चाहता हूं कि यात्रियों को वहां पर डर क्यों लगता है ? कहीं वहां पर या इधर उधर चौटाला जी की कोई फोटो तो नहीं लगी हुई है।

डा० सुशील इन्दौरा : * * * *।

श्री ईश्वर सिंह पलाका : * * * *।

श्री अध्यक्ष : इनका कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए। (शोर एवं व्यवधान) आप बैठें। मन्त्री जी ने कह दिया है कि सर्वे करवाएंगे।

श्री साहिदा खान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि 9 जुलाई को गवर्नर हाऊस में मीटिंग हुई थी और उस वक्त माननीय मुख्यमंत्री जी और गवर्नर साहब बैठे हुए थे मैंने तब भी मुख्यमंत्री जी से कहा था कि तावडू में 1996 में पत्थर लगा था। माननीय साथी को यह कहना चाहूंगा कि यह 1994 में नहीं लगा था। अध्यक्ष महोदय, यह नैशनल हाई-वे की जगह है, मार्केटिंग बोर्ड की जगह थी और उसके लिए सरकार ने जमीन अलॉट कर दी थी लेकिन पैसे जमा नहीं करवाए गए थे। लोग 3-4 किलोमीटर इधर उधर आते जाते हैं क्योंकि वहां पर बस के खड़े होने की कोई परमानैंट जगह नहीं है। अध्यक्ष महोदय, हमारा डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर नूंह है और तावडू से नूंह 16 किलोमीटर पड़ता है और इसके बीच में कोई बस नहीं चलती है। वहां पर सड़क पर डेढ़-डेढ़ फिट के गढ्ढे पड़े हुए हैं। अगर कोई बस वहां पर लगी भी हुई है तो वह भी सड़क की खस्ता हालत की वजह से वहां पर जाती ही नहीं है। मेरा मन्त्री जी से यह कहना है कि क्या वहां पर कोई बस स्टैंड बनवाने की कृपा करेंगे ?

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने कहा है कि 1996 में कोई फाऊंडेशन स्टोन रखा गया था। मेरे हिसाब से वर्ष 1996 कांग्रेस गवर्नमैंट का लास्ट ईयर था। उसके बाद तो हरियाणा में दो सरकारें आई थी और इनकी सरकार तो 6 साल तक राज करके

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

गई है। इनका जो सवाल है इन्होंने उस वक्त क्यों नहीं उठाया था। उस वक्त ये आते थे और उठकर चले जाते थे। उस समय आपने इस पर काम क्यों नहीं करवाया था, आज जो आप इस बारे में सवाल कर रहे हैं। उस समय तो आपके ही मुख्यमंत्री थे। आपको यह सवाल उस समय क्यों याद नहीं आया ? अध्यक्ष महोदय, आज पहली बार इनकी यह डिमाण्ड हमारे सामने आई हैं। अगर जरूरत होगी तो हम इस बारे में एग्जामिन करवा लेंगे।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि मेवात के अन्दर दो बस-स्टैण्डज़ के लिए जमीन एक्वायर की जा रही है। एक तावडू में और दूसरी बड़खली चौक पर पुनहाना में है। इन बस-स्टैण्डज़ को बनाने की बात है। स्पीकर सर, पहले जो काम नहीं हुए हैं उनको यह सरकार कर रही है।

श्रीमती सुमिता सिंह : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से पूछना चाहती हूं कि करनाल में जो एक नया बस स्टैंड बनाने का प्रपोजल था उसका क्या हुआ? करनाल में इसके लिए जगह भी फाईनल हो गयी है और काफी देर से इसको बनाने की चर्चा भी चल रही है। पिछले साल भी बात चली थी कि कंसलटैंटस के टैंडर होने है। मेरे ख्याल से कंसलटैंटस के टैंडर हो गये होंगे तो करनाल में बस स्टैंड बनाने का काम कब शुरू होने की उम्मीद है?

श्री मांगे राम गुप्ता : स्पीकर साहब, करनाल के बस स्टैंड को एक बहुत ही आधुनिक बस स्टैंड बनाने की नीयत सरकार की है। ऐसा आधुनिक बस स्टैंड न तो हरियाणा में और न किसी दूसरी स्टेट में होगा। यह हरियाणा का पहला बहुत अच्छा आधुनिक बस स्टैंड होगा इसलिए ही इस बस स्टैंड को बनाने के लिए बहुत बड़े बजट का प्रावधान किया गया और बहुत बड़े बड़े कंसलटैंटस तैयार किये गये, बहुत सारी स्कीम्ज इसके लिए बनायी गयी। स्पीकर साहब, अब इसको बनाने का काम फाईनल हो गया है। बी०ओ०टी० के माध्यम से यह बस स्टैंड हम बनाकर देंगे। बहन जी, आपको यह जानकर खुशी होगी कि आपके टाईम में ही यह बस स्टैंड बनकर तैयार हो जाएगा और इसका क्रेडिट भी आपको ही मिलेगा।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या जी की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि करनाल में इनकी यह हमेशा से मांग रही थी कि वहां पर बस स्टैंड के लिए जमीन ही उपलब्ध नहीं है। हरियाणा के मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने इनके अनुरोध पर ही इस बारे में एक बैठक की। स्पीकर साहब, जहां तक मुझे याद है कि सैक्टर 12 में दस एकड़ से अधिक जमीन इसके लिए उपलब्ध करवायी गयी है। इसकी बाजारी कीमत 100 करोड़ रुपये के करीब है। हुडा को इसका एतराज था परन्तु इनके अनुरोध पर ही माननीय मुख्यमंत्री जी ने और परिवहन मन्त्री जी ने आइ०एल०एफ०एस० और फीड बैक वैंचर से बाकायदा इसके लिए एक सर्वे करवाया। अध्यक्ष महोदय, एक बस स्टैंड गुड़गांव में और एक बस स्टैंड करनाल में बी०ओ०टी० टैक्नोलॉजी के बेसिज पर विद मोर्डन अमेनिटीज बनाने के लिए टैंडर इवाइट किए हैं। स्पीकर साहब, इस बेशकीमती जमीन पर इनके और करनाल के लोगों के अनुरोध पर कांग्रेस की इस सरकार ने वर्षों पुरानी उनकी मांग पूरी की है। इस तरह से ही गुड़गांव में भी और फरीदाबाद में भी बस स्टैंड बनाने के लिए जमीन दी गई है इसलिए ये तीनों बस स्टैंड जल्दी ही बनाए जाएंगे।

आई०जी० शेर सिंह : स्पीकर साहब, इसमें कोई शक की बात नहीं है कि हमारी मोटर ट्रांसपोर्ट व्यवस्था काफी ठीक हुई है। मेरे हल्के जुलाना में जुलाना से जींद जाने के लिए बड़े बड़े गांवों जैसे अनूपगढ़, शमौला खुर्द, खेमाखेड़ी, शमौला कलां और रामकली में पहले बसिज चला करती थी लेकिन अब वहां पर इररैगुलर बसिज चलती हैं। वहां से स्कूल और विशेष रूप में कालेज आने जाने के लिए जींद और जुलाना में बसिज की कोई व्यवस्था नहीं है। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या वहां पर रैगुलर बसिज चलायी जाएंगी?

श्री मांगेराम गुप्ता : स्पीकर साहब, आई०जी० शेर सिंह मेरे पड़ौसी और छोटे भाई हैं। इन्होंने आज दुख जाहिर किया है कि वहां पर बसिज की कमी रह गयी है। मैं इनको बताना चाहूंगा कि जींद में कालेज आने के लिए जितने रूटस आते हैं उनमें मैंने स्पैशली लड़कियों की बसिज चालू करवा रखी हैं। एक एक गांव की लड़की लाने की बात तो मैं नहीं कह सकता लेकिन फिर भी ये मुझे बता दें, हम देख लेंगे।

श्रीमती गीता भुक्कल : स्पीकर साहब, कलायत सबसे पुराना ब्लाक है। 26 अक्तूबर, 2006 को माननीय मुख्यमंत्री जी ने वहां पर एक बस स्टैंड बनाने के लिए शिलान्यास भी किया है लेकिन आज तक उस बस स्टैंड को बनाने का प्रपोजल पैंडिंग हैं। मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से जानना चाहूंगी कि कब तक कलायत बस स्टैंड का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा?

श्री मांगेराम गुप्ता : स्पीकर साहब, कलायत के बस स्टैंड बनाने का मामला बहुत दिन से उलझा हुआ था लेकिन अब यह सुलझा दिया गया है हालांकि इसको सुलझाना बहुत मुश्किल था। बहन जी से इस बारे में परामर्श आया था इसलिए इस बारे में बहुत प्रयास किए गए। पहले यह मामला कोर्ट में था लेकिन कोर्ट से इस बारे में समझौता करवाया गया है। जिस मालिक से इस बारे में झगड़ा था उसको मनाकर प्लाट उससे ले लिया गया है इसलिए अब जल्दी ही यह काम शुरू करवा देंगे।

श्री हरी राम : स्पीकर साहब, झज्जर के बस स्टैंड को बनते बनते चार साल हो गये थे लेकिन अभी तक वह पूरा नहीं हो पाया है। थोड़ी सी बारिश अगर हो जाए तो वहां पर दो दो इंजन लगवाकर पानी निकलवाना पड़ता है। मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि कब तक यह बस स्टैंड बन जाएगा? हमारे यहां पर तो इसके लिए जमीन भी बहुत पड़ी है।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि ये जो बस स्टैंड में पानी भर जाने की बात बता रहे हैं तो यह बस स्टैंड चार साल पहले बना था उस समय मैं मन्त्री नही था। उस जमीन की चुवाइस इन्होंने ही की होगी। ऐसे निचले ऐरिया में बस स्टैंड बना लिया गया कि थोड़ी सी बरसात होते ही वहां 2-2 फुट पानी भर जाता है। अब इस बारे में सरकार ने आपके कहने पर यह महसूस किया है कि वहां पर वाकई में ही दिक्कत है। अब वहां पर बाहर जगह ले ली गई है और बहुत जल्द नया बस स्टैंड बनाएंगे।

Number of Model Schools in the State

* 1015. **Sh. Radhey Shyam Sharma :** Will the Education Minister be pleased to state—

(a) the number of Model Schools opened in the State during the year 2007-08;

(b) the details of the facilities to be provided in the said Model Schools; and

(c) the name of the schools in which these facilities have been provided so far?

शिक्षा मन्त्री (श्री मांगे राम गुप्ता) : सर, इस सवाल के बारे में मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि इसमें या तो कवैशचन मिसप्रिंट हो गया है या माननीय सदस्य से पूछने में कुछ गलती हो गई है। इन्होंने अपने सवाल में पूछा है कि मॉडल स्कूल वर्ष 2007-2008 में कितने खोले गए। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि मॉडल स्कूल वर्ष 2007-08 में नहीं खोले गए बल्कि वर्ष 2006-07 में इनके बारे में स्कीम बनी थी, उस स्कीम के मुताबिक हमने स्टेट में हर जिले में एक मॉडल स्कूल यानी टोटल 20 स्कूल खोलने थे। सारे इंग्लिश मीडियम स्कूल थे लेकिन उनको खोलने में हमारे सामने दो दिक्कतें आ गई। एक दिक्कत तो यह थी कि हर सब्जैक्ट इंग्लिश मीडियम में पढ़ाने वाले अध्यापक उपलब्ध नहीं हुए और दूसरे जिन स्कीमों में मॉडल स्कूल चलाये जाने थे उसके जो दूसरे स्टूडैंट्स थे उनका एतराज था कि उनको दूसरे स्कूलों में मिड सैशन में शिफ्ट न किया जाए। दूसरे स्कूल की नयी बिल्डिंग बनाकर उनमें उनको बैठाना उस समय पौसिबल नहीं था इसलिए सारे डिपार्टमैंट ने मिलकर विचार किया कि यह एक बहुत बड़ी मुश्किल हो जाएगी और बच्चों की पढ़ाई का बहुत नुकसान हो जाएगा। इसलिए विभाग ने उससे भी बेहतर एक स्कीम तैयार की। एक कंसैप्ट तैयार किया गया और 20 स्कूलों के स्थान पर 213 स्कूल नयी स्कीम में खोलने का प्रावधान किया गया। नयी स्कीम में मुताबिक एक-एक जिले में दस-दस स्कूल इस तरह के खोले हैं जिनमें हर प्रकार की साइंस टैक्नोलॉजी की, लैब सिस्टम की, कम्प्यूटराइज्ड शिक्षा की सुविधा हो और ऐसे स्कूल जिनमें स्टाफ की कोई कमी न हो, फंड्ज की कोई कमी न हो। ऐसे हर जिले में दस-दस स्कूल खोले जाएंगे जिनसे प्रदेश का शिक्षा का स्तर बहुत ऊंचा उठ सकेगा और बच्चे काबिल बनेंगे और अच्छी-अच्छी जगहों पर पहुंच सकेंगे और सफल होंगे, ऐसा हमने इस स्कीम के माध्यम से प्रावधान किया है।

श्री राधे श्याम शर्मा अमर : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने बहुत ही अच्छी स्कीम बताई है। मैं इस स्कीम के लिए माननीय मन्त्री जो को बहुत बधाई देता हूं। साथ ही यह भी जानना चाहता हूं कि नारनौल विधानसभा क्षेत्र में कौन-कौन से स्कूल खोले हैं और उनमें क्या-क्या सुविधायें दी हैं?

श्री अध्यक्ष : वह तो सैन्ट्रल यूनिवर्सिटी बन गई है?

श्री राधे श्याम शर्मा अमर : अध्यक्ष महोदय, उसके लिए तो मैं आपको, मुख्यमंत्री जी को और मंत्री महोदय को बहुत बहुत बधाई देता हूं।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, जैसा मैंने पहले भी बताया है कि हर जिले में 10 स्कूल खोले हैं अगर माननीय सदस्य नाम पूछना चाहते हैं तो मेरे पास हैं। सुविधाओं के बारे में मैंने पहले ही बता दिया है।

श्री अध्यक्ष : कई इम्पोर्टेंट सवाल अभी पूछने के लिए रह रहे हैं इसलिए नाम आप अभी रहने दीजिए।

प्रो० छत्र पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं।

Mr. Speaker : Prof. Chhattar Pal Singh, ध्यान नहीं, ask specific question.

Prof. Chhattar Pal Singh : Sir, I will ask specific question, अध्यक्ष महोदय, माननीय मन्त्री जी ने 10+2 स्कूलों को मॉडल स्कूलों में परिवर्तित किया था और 10+2 स्कूलों की जो स्ट्रैंथ थी और जो मॉडल स्कूलों की श्रेणी में नहीं आ सके, उनके लिए सरकार ने या आपके मंत्रालय ने, डिस्टैंट विलेजेज के स्कूलों में जाकर जो बच्चे पढ़ते हैं, उनके बारे में कोई विचार किया है। मेरी कांस्टीच्यूएंसी के गांव सिसाय के स्कूल के बारे में पिछले दो साल से मेरी गुजारिश आपके मंत्रालय के पास लगातार विचाराधीन है। क्या उस पर विचार किया है? वहां बिल्डिंग उपलब्ध है और सभी ग्राउंड्स भी उपलब्ध हैं। उसके बारे में मन्त्री जी से जानना चाहता हूं।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, जैसा मैंने पहले बताया कि उस स्कीम को आगे नहीं बढ़ा सके क्योंकि ये दिक्कत हमारे सामने थी कि स्टूडैंट्स को दूसरे स्कूलों में भेजेंगे तो उनकी पढ़ाई डिस्टर्ब होगी। इसके अलावा जो स्टूडैंट्स आलरेडी पढ़ रहे थे उनको दूसरे स्कूलों में शिफ्ट करने पर उन स्टूडैंट्स को भी ऐतराज था और माननीय सदस्य श्री छत्र पाल सिंह जी की भी मांग आई थी और इन्होंने कहा था कि हम दूसरी बिल्डिंग सिसाय गांव में दे सकते हैं। हमने उसके लिए आदेश जारी कर दिए हैं और वे लड़के जो इससे डिस्टर्ब हुए हैं, जो स्कूल के लिए आप नई बिल्डिंग दे देंगे तो उसमें उन बच्चों की पढ़ाई चालू करवायेंगे।

To set right the Lining/Level of Panihari Minor

*1009 **Sh. Ram Kumar Gautam :** Will the Irrigation Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set right the lining/level of Panihari Minor so that water can reach to Masudpur village in Narnaund Constituency; if so, the time by which it is likely to be set right?

Irrigation Minister (Capt. Ajay Singh Yadav) : Yes Sir. The work is expected to be completed by31st March, 2009.

श्री राम कुमार गौतम : स्पीकर सर, क्या मन्त्री जी यह बतायेंगे कि जब तक 31 मार्च, 2009 तक इस माईनर की लेवलिंग पूरी नहीं होती क्या तब तक दूसरे जरिये से, जहां से पहले पानी आता था यानि डब्ल्यू०जे०सी० से पानी देने के बारे में विचार करेंगे?

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर सर, मसुदपुर गांव को पहले डब्ल्यू०जे०सी० से पानी दिया जाता था। मसुदपुर गांव 101470 आर०डी० पर था। इसलिए इसमें दिक्कत रहा करती थी। उस बात को देखते हुए वर्ष 1994 में इनके हल्के के अन्दर एक दूसरा पनिहारी-मसूदपुर लिंक बनाया गया था। वर्ष 1994-1995 में इसे बढ़ाकर 25000 से 40000 आर०डी० तक बढ़ाया

गया। उसके बाद काफी सरकारें आई जिसमें लोकदल पार्टी की सरकार आई और भारतीय जनता पार्टी की भी सरकार आई। इस माईनर की इतनी हालत खस्ता हो गई कि इस माईनर की लाईनिंग टूट गई और 16000 से 21020 आर०डी० तक लाईनिंग ले जाने में काफी दिक्कत आई। इसके लिए बाकायदा हमने एमरजैंट टैण्डर बुलाये जिनको 4.08.2008 को खोलना था लेकिन कुछ कान्ट्रैक्टर्ज ने इसके लिए बॉयकाट किया। जिसकी वजह से अब दोबारा से दिनांक 5.9.2008 को इन टैण्डर्ज को खोला जायेगा। हमारी पूरी कोशिश होगी कि इस काम को 31.03.2009 तक पूरा कर दिया जाएगा। इसमें दिक्कत यह है कि लाईनिंग का मामला काफी खराब हो गया है। चूंकि बरवाला ब्रान्च से पानी की अवेलेब्लिटी ज्यादा है इसलिए पनिहारी डिस्ट्रिब्यूटरी से दोबारा से लिंक बढ़ाया था। सरकार की कोशिश होगी कि जब तक पनिहारी डिस्ट्रिब्यूटरी की लाईनिंग का कार्य नहीं हो जाता तब तक हम इनके एरिया को डब्ल्यू०जे०सी० से पानी पहुंचाने की कोशिश करेंगे। वैसे इसमें काफी दिक्कत होती है क्योंकि इसकी लम्बाई बहुत ज्यादा है। सरकार की कोशिश होगी कि इस माईनर का काम 31.3.2009 तक पूरा कर दिया जाये।

श्री रामकुमार गौतम : स्पीकर सर, जैसा कि मन्त्री जी ने मसूदपुर के बारे में बताया। जब से हम इस असैम्बली में एम०एल०ए० बनकर आये हैं तब से मेरी मांग थी और बताया था कि डाटा और मसूदपुर गांवों में पीने के पानी की बहुत दिक्कत है। दोनों गांव पानी से बिल्कुल महरूम हैं। डाटा गांव में तो पीने का पानी छः महीने से पूरी तरह से नहीं दिया गया है। हमारा पानी घटाकर 356 क्यूसिक कर दिया गया है। वह पानी दोबारा से डब्ल्यू०जे०सी० से शुरू करवाया जाए क्योंकि भाखड़ा की तरफ से भी पानी लिया जा रहा है जिससे पूरे हांसी सब-डिविजन में नुक्सान हुआ है और वहां पर पानी की बड़ी भारी कमी है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर सर, जहां तक डाटा-मसूदपुर गांवों के बारे में जिक्र किया है उसको हम एग्जामिन करवा लेंगे। जो माननीय सदस्य डब्ल्यू०जे०सी० का पानी देने की बात कर रहे हैं। बरवाला ब्रान्च से कुछ पानी सिवानी क्षेत्र को पीने के लिए दिया गया है क्योंकि वहां पर भी पीने के पानी की बड़ी भारी दिक्कत थी। यह तो संभव नहीं है कि दोनों सोर्सिज से पानी दिया जाए। केवल एक सोर्स से ही पानी दे सकते हैं लेकिन फिर भी हम मसूदपुर गांव को डब्ल्यू०जे०सी० से पानी देने की कोशिश करेंगे, जब तक इस की लाईनिंग पूरी नहीं हो जाती।

श्रीमती अनिता यादव : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मैं मन्त्री जी का आभार प्रकट करती हूं कि इन्होंने खुशपुरा माईनर को चालू कर दिया है और उसमें 15 दिन पहले पानी आ गया है। दूसरा जखाला माईनर के लिए हमने आपको कई बार अर्ज किया है और लिखकर भी आपके कार्यालय में दिया है। उस पर एक घोड़ा पुल बनाया जाये ताकि वहां की हमारी महिलाओं और किसनों को जिनको इससे 4-5 किलोमीटर की ओवल पड़ती है, वह इससे ठीक हो जायेगी और जो छोटे-मोटे किसानों की मांग है, वह भी पूरी हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ-साथ हमारी जो खानपुर माईनर है इसके लिए मैंने सबसे पहले यहां आवाज उठाई थी कि उसको चालू किया जाए। खानपुर कलां, खानपुर खुर्द और सासोली गांवों का पानी कड़वा है और पीने के लायक नहीं है वहां की महिलाओं को दूर-दूर से कुंओं से पानी घड़ों में भरकर लाना पड़ता है। इसलिए

[श्रीमती अनिता यादव]

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से गुजारिश करना चाहती हूं कि यह माईनर चालू हो जाएगी तो लोगों को पीने का पानी मिल जाएगा। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि आप जानते हैं कि यदि वहां एक मोगा हो जाएगा तो मोगा आने के बाद पानी फिल्टर करके वाटर सप्लाई की कोई न कोई स्कीम हम मन्त्री जी से निकलवा लेंगे। इसके बाद वहां पर लोगों को पीने के पानी की सुविधा हो जाएगी।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जखाला माईनर पर धोड़ा पुल की मांग की है, हम इसको एग्जामिन करवाएंगे कि यह विदइन नार्म्स है या आउट आफ नार्म्स है। हम इसको एग्जामिन करवा लेंगे और अगर विदइन नार्म्स हुई तो उसकी फाइल मेरे तक आएगी और हम इसको ठीक करवा देंगे। यदि आउट आफ नार्म्स हुआ तो फाइल मुख्यमंत्री महोदय तक जाएगी। जहां तक इन्होंने खानपुर माईनर का जिक्र किया है उसको हम एग्जामिन करवा लेते हैं। अगर वह पहले की बनी हुई है तो उसको रिपेयर करवा देंगे और चालू करवा देंगे।

प्रो० छत्रपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, रामकुमार गौतम जी ने मसूदपुर-डाटा गांव का जिक्र किया है। डाटा गौशाला बहुत बड़ी ऐतिहासिक गौशाला है उसका भी एरिया इसमें पड़ता है जिसकी एक्सटैंशन पिछले दो तीन सालों से सरकार के विचाराधीन है। मैं और सांसद दीपेन्द्र जी जब खोखा गांव में गए थे तो वहां लोगों ने फिर इसकी पुरजोर आवाज उठाई थी। वहां लोगों ने खोखा और बाटड़ा के लिए भी दो माईनरों की रिक्वैस्ट की थी। लोगों ने एक न्यू लाडवा माईनर के लिए भी रिक्वैस्ट की थी ताकि सफीशिएंट इरीगेशन वहां हो सके। मैंने और सांसद दीपेन्द्र जी ने लोगों को इन माईनरों के लिए भरोसा दिलाया था। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि मंत्रालय इन माईनरों पर कब तक विचार करेगा?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि ये इस बारे में सैपरेट नोटिस लिखकर दे दें तभी मैं इसकी डिटेल बता सकता हूं। पूरे हरियाणा की माईनरों के बारे में तो मैं यहां नहीं बता सकता।

प्रो० छत्रपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम दो तीन सालों से आपके पास लिखकर देते आ रहे हैं।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, ये बहुत पुराने सदस्य है इनको पता होना चाहिए ये प्रोपर नोटिस दें मैं तभी इस बारे में सदन में जवाब दे सकता हूं।

प्रो० छत्रपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से कहना चाहता हूं कि हम इनके ऑफिस में कई बार मिलकर आए हैं और लिखकर भी दिया है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, ये मेरे ऑफिस में आकर मिल लें इनको इस बारे में कन्वे कर देंगे।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ : अध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी साल डेढ़ साल पहले हमारे यहां दौरे पर आए थे, मैं भी उनके साथ था तो वहां की पंचायतों ने देपल माईनर का मोड़ निकालने के

बारे में बात रखी थी। मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि इस माईनर का मोढ़ निकालने बारे कब तक विचार किया जाएगा। इस माईनर से मोढ़ निकालकर रजवाहे को सीधा कर देंगे तो लोगों को पानी ठीक तरीके से मिल सकेगा। इसी प्रकार एक बीड़ माईनर है वहां से भी मोढ़ निकाला जाए तो लोगों को पानी मिल सकेगा क्योंकि टेल तक पानी नहीं पहुंचता। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि यह काम कब तक करवाया जाएगा?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि अधिकारियों को निर्देश दिए जाएंगे कि जो इन्होंने बात रखी है उस पर कार्यवाही की जाए।

मेजर नृपेन्द्र सिंह सांगवान : अध्यक्ष महोदय, दादरी कांस्टीच्यूंसी में अभी बाढ़ आई थी जिसकी वजह से मेन लोहारू कैनाल में लाइनिंग काफी अस्त व्यस्त हो गई थी, इसको जल्दी ठीक नहीं किया गया जिस कारण सीपेज बहुत ज्यादा हो रही है। अध्यक्ष महोदय, फ्लड की सिचुएशन में एक इम्प्रूवमैंट होती है लेकिन सीपेज से दोबारा प्रोब्लम हो जाती है। पम्प की रिप्लेसमैंट के बारे में मैंने पिछली बार भी कहा लेकिन अभी तक इस बारे में कोई कार्यवाही नहीं की गई। लाइनिंग की भी बहुत ज्यादा खराब हालत है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि इस पर कब तक कार्यवाही की जाएगी?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, जहां तक इन्होंने पम्पस की बात की है तो हमने पम्पस ले लिए हैं। अभी पिछले दिनों हमें सरकार द्वारा पम्पस मिल गए हैं। जहां जहां भी पम्पस खराब हैं उनको जल्दी ठीक करवाया जाएगा। जहां जहां फ्लड की वजह से लाइनिंग खराब हो गई हैं उनकी स्टेट्स रिपोर्ट हमने मंगवाई है और जहां जहां पर लाइनिंग खराब होगी हम उसको ठीक करवा देंगे।

श्री राम किशन फौजी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि एक तो हमारा जो दुर्जनपुर माईनर है जो हांसी नहर से निकलता है और दूसरा खाभक माईनर जो सुंदर नहर से निकलता है इनकी टेल ठीक नहीं है जिसके कारण टेल तक पानी नहीं पहुंचता। जिसके कारण वहां कई सालों से किसानों को बहुत दिक्कत हो रही है। मन्त्री जी जब कंवारी आये थे उस समय किसानों ने इन दोनों माईनरों की टेल तक पानी पहुंचाने की मांग की थी और मन्त्री जी ने आश्वासन भी दिया था लेकिन अभी तक काम नहीं हुआ है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, आश्वासन दिया था तो काम भी करवायेंगे। खाभक माईनर के लैवल में प्रोब्लम है जिसको ठीक करवायेंगे और दुर्जनपुर माईनर को भी ठीक करवाया जायेगा।

श्री नरेश यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि आऊट ऑफ नार्म्ज मेरे हल्के में 3-4 गांवों के पुल बनने थे जिनके बारे में मैंने पिछले सैशन में भी बात उठाई थी। दो-तीन गांवों की पंचायतों ने तो अपने आप ही पुल बनवा लिये।

[श्री नरेश यादव]

जहां पर पुल बनाये जाने हैं वे गांव अटेली के पास नीरपुर, छापड़ा, सलीमपुर हैं तथा दो गांव और हैं जिनकी फाईल मन्त्री जी के पास है। पिछले तीन साल से फाईल कभी मुख्यमंत्री जी के पास और कभी मन्त्री जी के पास घूम रही है लेकिन काम नहीं हुआ। इन पर केवल 4-5 लाख रुपये का खर्चा होना है और और मन्त्री जी जब मेरी ससुराल गये थे उस समय वायदा भी करके आये थे इसलिए इनको जल्दी से जल्दी बनवाया जाये।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी जहां तक अपनी ससुराल की बात कर रहे हैं उसके बारे में बताना चाहूंगा कि इनकी ससुराल छापड़ा का पुल हम बनवा रहे हैं उसको बाकायदा हमने एग्जामिन करवा लिया है। अध्यक्ष महोदय, अब पुल बनाने का नार्म 500 मीटर का है और 500 मीटर ज्यादा नहीं होता। पहले यह नार्म एक कि०मी० का था। मैंने स्वयं फाईल पर मुख्यमंत्री जी से 1 कि०मी० से कम करके इसे 500 मीटर तक करवाया है। 500 मीटर की दूरी कोई ज्यादा नहीं होती। अब आऊट ऑफ नार्म पुल वहां बनाये जाते हैं जहां बहुत ज्यादा दिक्कत होती है और रास्ता नहीं होता। मेरे माननीय साथी के क्षेत्र में जिन गांवों में बहुत ज्यादा दिक्कत होगी वहां भी आऊट ऑफ नार्म पुल बनवाये जायेंगे।

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले मुख्यमंत्री जी और मन्त्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगी कि कलायत जैसे बैकवर्ड एरिया में इन्होंने चार नये माईनर बनवाये जबकि पहले कलायत की तरफ किसी भी सरकार ने ध्यान नहीं दिया। अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री जी को बताना चाहूंगी कि शिमला माईनर की मेरे हल्के के लोगों की बहुत पुरानी मांग थी जिसके अब टैण्डर हो चुके हैं लेकिन अब इसको एक्सटैंड करने की मांग मेरे हल्के के लोग कर रहे हैं ताकि सारी की सारी जमीन इस माईनर के साथ लग जाये। इस प्रकार का प्रपोजल मन्त्री जी के पास भिजवाया भी हुआ है और वह प्रपोजल अभी पैंडिंग है। मैं मन्त्री जी से मांग करती हूं कि शिमला माईनर को एक्सटैंड कर दिया जाये ताकि मेरे हल्के के किसानों को पूरा फायदा मिल जाये।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्या को बताना चाहूंगा कि यह टैक्नीकल मैटर है, जिसका निर्णय एस०टी०सी० की अध्यक्षता में एक टैक्नीकल कमेटी बनी हुई है वही लेती है। इसको हम एग्जामिन करवा लेंगे यदि यह वायबल होगा तो जरूर एक्सटैंड करेंगे।

Construction of Road by HSAMB

*1032 **Dr. Shiv Shankar Bhardwaj :** Will the Agriculture Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a raod from village Dhana Narsan to Neemriwali and Ajitpur in Bhiwani Constituency by the HSAMB; if so, the time by which it is likely to be constructed?

Agriculture Minister (S. H.S. Chattha) : No Sir,

डॉ० शिव शंकर भारद्वाज : अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न गलत छपा है।

श्री अध्यक्ष : डाक्टर साहब, आपने जो लिखकर दिया है वही छपा है।

डॉ० शिव शंकर भारद्वाज : अध्यक्ष महोदय, इसमें स्पेलिंग की मिस्टेक है। मेरा सवाल यह था कि गांव ढाणा नरसाण से जो कनैक्टिंग रोड निमड़ीवाली से अजीतपुर है उसको बनवाया जाये इस बारे में मेरी मन्त्री जी से पर्सनली डिस्कशन भी हुई थी कि यह 6 करम का रास्ता है। आदरणीय मुख्यमंत्री जी जब अजीतपुर में वाटर वर्क्स का उद्घाटन करने आये थे तब वहां पर ग्रामीणों ने इस रास्ते को पक्का करने की मांग की थी और मुख्यमंत्री जी ने आश्वासन भी दिया था। अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री जी से अनुरोध करूंगा कि यह 6 करम का रास्ता है और बरसात के दिनों में वहां बहुत पानी भर जाता है जिससे रास्ते में दलदल हो जाती है जिसके कारण गांव वालों को बहुत परेशानी होती है। बरसात के दिनों में वहां से न तो रेहड़ा जा सकता है और न ही ट्रैक्टर जा सकता है। अध्यक्ष महोदय, यह रास्ता पक्का कर दिया जाये तो वहां के लोगों को बहुत सुविधा हो जायेगी। क्या मन्त्री जी इसको कंसीडर करके वहां रोड़ बनवायेंगे?

सरदार एच०एस० चट्ठा : स्पीकर सर, जिस शक्ल में माननीय सदस्य सवाल पूछेंगे जवाब भी उसी शक्ल में आयेगा। इन्होंने पूछा था ढ़ाणा से नीमड़ीवाली और अजीतपुर। इसके हिसाब से सीधी सड़क बनती थी। जो बात इन्होंने अब कही अगर ये सवाल इस तरह पूछते तो उस तरह का जवाब आ जाता। अब मैंने इनकी बात सुनी है। हमारे पास ढ़ाणा वाला और नीमड़ीवाली पर पंचायत की 6 करम जमीन है। वह बहुत लम्बी सड़क भी नहीं है। हम इसे बनाने की पूरी कोशिश करेंगे लेकिन जो अगली जगह इन्होंने अजीतपुर की बताई है उसके बारे में मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि अजीतपुर पर कंसोलीडेशन का कोई रूट नहीं है।

डॉ० शिव शंकर भारद्वाज : स्पीकर सर, अगर सरकार द्वारा नीमड़ीवाली तक भी सड़क का निर्माण कर दिया जाता है तो इससे भी काफी लोगों को फायदा हो जायेगा। मैं इसके लिए सरकार का धन्यवाद करता हूं।

Imposing of Entry Tax

*1028. **Dr. Sushil Indora :** Will the Excise & Taxation Minister be pleased to state:—

(a) the reasons for which the entry tax has been imposed by the Government;

(b) the estimated yearly income to be realized from the said entry tax by the Government; and

(c) the works on which the amount accrued from the said tax is being utilized by the Government.

Finance Minister (Sh. Birender Singh) : Sir, the information is placed on the Table of the House.

Information

(a) Sir, the object of The Haryana Tax on Entry of Goods into Local Areas Act, 2008 is to raise additional resources for the State and to utilize the

same for free flow or trade and commerce by providing and maintaining infrastructural facilities for the development of Trade, Commerce and Industry.

(b) Sir, the estimated income to be realized from the said entry tax is around Rs. 350 to Rs. 400 crore per year.

(c) Sir, tax collected under the said Act is to be utilized exclusively for the development or facilitating the trade, commerce and industry in the State which shall include the following :—

(i) construction, development and maintenance of roads and bridges for linking the market and industrial areas;

(ii) construction, development and maintenance of roads linking the markets and industrial areas to railway stations, wherever possible;

(iii) construction, development and maintenance of railway over-bridges;

(iv) providing finance, aids, grants and subsidies to financial, industrial and commercial units;

(v) creating infrastructure for supply of electricity and water to industries and other commcerial complexes;

(vi) creating development and maintenance of other infrastructure for the furtherance of trade, commerce and industry in general;

(vii) providing finance, aids, grants and subsidies for creating, developing and maintaining pollution free environment in the concerned areas;

(viii) any other purpose connected with the development of trade, commerce and industry or for facilities relating thereto which the State Government may specify by notification;

(ix) providing finance, aids, grants and subsidies to local bodies and government agencies for the purposes specified above.

डॉ० सुशील इन्दौरा : धन्यवाद स्पीकर सर। स्पीकर सर, मैं यह कहना चाहता हूं कि किसी भी सरकार द्वार कोई भी टैक्स तभी लगाया जाता है जब उसकी आर्थिक स्थिति अच्छी न हो। लेकिन हरियाणा के मुख्यमंत्री द्वारा बार-बार हरियाणा की आर्थिक स्थिति को बहुत अच्छा बताया जाता है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा भी हरियाणा को आर्थिक स्थिति के मामले में नम्बर एक का प्रदेश बताकर प्रचार किया जाता है। वैट पर केन्द्र सरकार की पॉलिसी के मुताबिक यह निर्णय लिया गया था कि जब सारे देश में वैट लगाया जायेगा तो फिर कोई दूसरा टैक्स नहीं लगाया जायेगा। मैं यह जानना चाहता हूं कि इस एल०ए०डी०टी० टैक्स को अब तक क्यों नहीं हटाया गया ?

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर सर, यह टैक्स सन् 2000 में जब इनकी सरकार पर वित्तीय संकट था उस समय लगाया गया था। इस टैक्स को एल०ए०डी०टी० के नाम से एक विधेयक

पास करके लगाया गया था। इसके अलावा और टैक्स भी लगाये थे। वह इन्होंने जिस प्रकार से लगाये और जिस प्रकार से उसको खर्च करना शुरू किया तो कुछ बड़ी-बड़ी कम्पनियां जो इस टैक्स का ज्यादातर हिस्सा देती थी वे हाई कोर्ट में चली गई और एल०ए०डी०टी० को हाई कोर्ट ने एक असंवैधानिक कर मानकर 2007 में स्ट्राईक डाऊन कर दिया। उसके बाद हम सुप्रीम कोर्ट में गये और सुप्रीम कोर्ट में हमारी इस बारे में जो अपील थी वह एडमिट हुई। हमें उम्मीद है कि इस महीने या अगले महीने उस पर फैसला हो जायेगा। लेकिन इस एल०ए०डी०टी० के माध्यम से हम जो लगभग 350 करोड़ रुपये सालाना टैक्स की शक्ल में वसूल कर रहे थे, यह सारे का सारा पैसा हम व्यापार, वाणिज्य और उद्योगों के विकास के लिए खर्च करते थे। व्यापार, वाणिज्य और उद्योगों की समूथ मूवमैंट के लिए ही हमने यह टैक्स लगाया था। जब हमने देखा कि इसमें कुछ कमी पाई गई है तो हमने वर्ष 2007 में यहां इस सदन में एक बिधेयक के माध्यम से उसमें कुछ सुधार भी किया जिसके तहत जो टोटल टैक्स कलैक्ट होगा हमने उसका 60 प्रतिशत वाणिज्य, उद्योगों और व्यापार की समूथ फंक्शनिंग के लिए निर्धारित किया ताकि सुचारू रूप से वे सारी सुविधाएं हम उद्योगपतियों को दे सकें जिसके कि वे पात्र हैं। इसी प्रकार से एक नोटिफिकेशन जारी करके हमने इस टोटल टैक्स का 60 प्रतिशत उद्योगपतियों के कल्याण के लिए खर्च करने का प्रावधान रखा था। लेकिन सर, सुप्रीम कोर्ट ने हमें कलैक्शन करने से बैन कर दिया कि हम यह टैक्स कलैक्ट नहीं कर सकते क्योंकि जो इण्डस्ट्रीज थी उन्होंने कोर्ट से स्टे ले लिया। इतनी बड़ी रकम को खास तौर से हम अर्बन डिवैल्पमैंट के लिए तथा उसका कुछ पैसा जो सड़कें देहातों से कनैक्ट होती थी या अन्य चीजों पर भी, हम उन पर खर्च करते थे। जब यह हुआ कि हम कोई टैक्स की वसूली नहीं कर सकते तो हम नया एक्ट लेकर आये। उस एक्ट के माध्यम से मुझे उम्मीद है कि हम 300-350 करोड़ रुपये कलैक्ट करेंगे। उससे व्यापार के लिए, उद्योग के लिए और वाणिज्य के लिए हमारा जो इन्फ्रास्ट्रक्चर है, मूलभूत ढांचा है उसको मजबूत करेंगे, उसमें भी बढ़ोत्तरी होगी और उसको भी हम सुव्यवस्थित कर सकते हैं जिससे वहाँ पर उद्योगों को और बढ़ावा मिल सके।

श्री एस०एस० सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूँ कि क्या यह सच है कि पिछली सरकार ने जो एल०ए०डी०टी० लगाया था वह आधा तो सरकार के खजाने में जाता था और मुख्यमंत्री उनसे प्राईवेट पैसा लेकर आधा टैक्स माफ कर देते थे ? मान लो किसी का 50 करोड़ रुपये बनता है तो 20-25 करोड़ रुपया आप ले लेते थे और बाकी का उसका माफी का कोई फैसला कर देते थे। क्या ऐसा कोई केस मंत्री जी के नोटिस में है ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : क्या रसीद वगैरह काट देते थे? (शोर एवं व्यवधान)

श्री बलवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, क्या माननीय सदस्य ऐसी कोई लिस्ट देंगे जिसमें इस प्रकार की जानकारी हो या ऐसे ही बिना वजह किसी को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री एस०एस० सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार की लिखित शिकायतें मिली हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बलवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह कोई तरीका नहीं है, यह जो मर्जी कहे जा रहे हैं यह गलत बात है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : सढौरा जी, आप अपना जवाब सुन लीजिए।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, सन 2000 में यह एल०ए०डी०टी० का एक्ट आया था। उसके बाद 2000-2001 में सिर्फ 6 करोड़ 21 लाख रुपये की क्लैक्शन हुई थी। 2001-2002 में 10 करोड़ 51 लाख रुपये की क्लैक्शन हुई थी। उसके बाद 2003-04 में 243 करोड़ रुपये की क्लैक्शन हुई थी। 2004-05 में 272 करोड़ रुपये की क्लैक्शन हुई थी। इस बात से तो मुझे लगता है कि पहले 2 साल में जो क्लैक्शन कम हुई है हो सकता है कि कोई व्यापारियों से अंडरस्टैंडिंग हुई हो। अध्यक्ष महोदय, बाद में जब हम सत्ता में आये तो वही क्लैक्शन 2005-06 में 331 करोड़ रुपये, 2006-07 में 313 करोड़ रुपया इस टैक्स के माध्यम से इकट्ठा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, इस टैक्स के माध्यम से कुल 1347 करोड़ रुपया 6 साल में इकट्ठा हुआ और उसमें से हमने 646 करोड़ रुपया पंचायती राज के माध्यम से विकास के लिए दे दिया है और शहरी स्थानीय निकाय के माध्यम से 533 करोड़ रुपये दिये हैं।

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now the question hour is over.

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Custodian Land in District Sonipat

*1026. Sh. Ram Phal Chirana : Will the Rehabilitation Minister be pleased to state:—

(a) the total acreage of custodian land in Distt. Sonipat;

(b) the acreage of land out of those referred to in part (a) above allotted to the persons belonging to the Scheduled castes by auction to-date; and

(c) the time by which the remaining land will be allotted to the persons belonging to the Scheduled castes by acution?

राजस्व राज्य मन्त्री (श्रीमती सावित्री जिन्दल) : श्रीमान जी,

(क) 3801 एकड़ 1 कनाल 9 मरला (01-11-1966 को)

(ख) 2260 एकड़ 1 कनाल 4 मरला (01-11-1966 से 31-7-2008 तक)

(ग) समय सीमा निर्धारित करना सम्भव नहीं है।

Setting up SEZ, Educity, Medicity and Cybercity

***1021. Sh. Udai Bhan :** Will the Industries Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up any S.E.Z., Educity, Medicity and Cybercity on the Kundli-Manesar-Palwal (K.M.P.) Express Highway near Palwal; if so, the details thereof?

उद्योग मन्त्री (श्री लच्छमन दास अरोड़ा) : श्रीमान जी उत्तर सदन के पटल पर रखा गया है।

उत्तर

अभी तक, पलवल के नजदीक कुण्डली-मानेसर-पलवल (के०एम०पी०) एक्सप्रैस हाईवे पर सरकार का कोई भी एस०ई०जैड०, एजूसिटी, मैडीसिटी तथा साईबर सिटी विकसित करने का प्रस्ताव नहीं है। लेकिन मैं० डी०एस० कन्स्ट्रक्शन लिमिटेड का निजी क्षेत्र में जिला पलवल तथा मेवात में बहुउत्पाद विशेष आर्थिक जोन स्थापित करने का एक प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। प्रोजैक्ट का विवरण निम्न प्रकार है:—

अनुमति	भारत सरकार ने 4.4.2006 को सैद्धान्तिक अनुमति प्रदान की तथा अब इसकी अवधि 3.4.2008 तक बढ़ाई गई है।
क्षेत्र	5000 हैक्टेयर।
स्थान	जिला पलवल तथा मेवात।
निवेश	अनुमानित निवेश 9816.24 करोड़ रुपये
रोज़गार	लगभग 435000 व्यक्तियों को औद्योगिक तथा व्यवसायिक क्षेत्र में रोजगार प्रदान करेगा।

Construction of Hydel Projects and Thermal Power Projects

***1001. Sh. Naresh Yadav :** Will the Power Minister be pleased to state—

(a) the present stage of the Hydel Projects and Thermal Power Projects being constructed in the State for improving the supply of electricity in the State togetherwith the full details thereof; and

(b) the number of Power Stations and Sub-Stations set up to improve the supply of electricity in District Mahendergarh during the period from 2005 to 2008 togetherwith the names of those Power Stations whose power capacity have been increased alongwith the full details thereof?

बिजली मन्त्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) :

(ए) श्रीमान, वर्तमान समय में राज्य में कोई पारम्परिक जलीय परियोजना स्थापित नहीं की जा रही है। राज्य में स्थापित की जा रही लघु गैर पारम्परिक जलीय विद्युत परियोजनाएं तथा थर्मल विद्युत परियोजनाओं का विवरण माननीय सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

(बी) मार्च, 2005 से जुलाई 2008 की अवधि के दौरान 7.05 करोड़ रुपए की लागत से जिला महेन्द्रगढ़ में तीन नए 33 के०वी० उपकेन्द्र औद्योगिक क्षेत्र नारनौल,

सेहलंगा और बुदीन में बनाए गए तथा पांच वर्तमान 33 के०वी० उपकेन्द्रों दुबलाना, भोजावास, ढाणी कांटी और जोट की क्षमता में वृद्धि की गई। इसका विवरण माननीय सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

ए. थर्मल विद्युत परियोजनाएं :

क्र० सं०	विद्युत परियोजना का नाम	क्षमता (मैगावाट)	संभावित/ चालू होने की वास्तविक तिथि	परियोजना की इन्जीनियरिंग क्रय तथा निर्माण की लागत (रुपए)	नवीनतम स्थिति
1.	दीन बंधु छोटू राम थर्मल विद्युत परियोजना, यमुनानगर 300 मैगावाट यूनिट–1 300 मैगावाट यूनिट–2	2x300 =600 मैगावाट	 14-4-08 24-06-08 (वास्तविक तिथि)	2097 करोड़	दोनों यूनिटें चालू हो गई हैं और परिचालन में हैं। यूनिट-1 ने सिंक्रोनाइजेशन से 26-08-2008 तक 697.97 मिलियन यूनिटों का उत्पादन किया है। यूनिट-2 ने सिंक्रोनाइजेशन से 26-08-2008 तक 473.79 मिलियन यूनिटों का उत्पादन किया है। इस परियोजना पर अब तक 1866.81 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।
2.	राजीव गांधी थर्मल विद्युत परियोजना, हिसार 600 मैगावाट यूनिट-1 600 मैगावाट यूनिट-2	2x600 =1200 मैगावाट	 दिस. 2009 मार्च 2010	3775.42 करोड़	कार्य रिलायंस एनर्जी लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। समस्त 37.50% प्रगति प्राप्त कर ली गई है तथा 602 करोड़ रुपया खर्च हुआ है। परियोजना निर्धारित समय पर चालू की जानी सम्भावित है।
3.	इन्दिरा गांधी सुपर थर्मल विद्युत परियोजना, झज्जर (परियोजना में एन०टी०पी०सी०, दिल्ली तथा हरियाणा का क्रमश: 50:25:25 के बराबर हिस्सा है)	3x500 =1500 मैगावाट (हरियाणा का हिस्सा 750 मैगावाट)		कुल अनुमानित लागत 7892.42 करोड़ रुपए है।	यह परियोजना एन०टी०पी० सी०, दिल्ली सरकार तथा एच०पी०जी०सी०एल० के एक संयुक्त उद्यम के रूप में अरावली पावर प्रा०लि० द्वारा क्रियान्वित की जा रही है। निर्माण कार्य निर्धारित समय

	500 मैगावाट यूनिट-1		अप्रै. 2010		अनुसार चल रहा है तथा परियोजना पर अब तक 1214.54 करोड़ रुपए खर्च हुआ है।
	500 मैगावाट यूनिट-2		जुला. 2010		
	500 मैगावाट यूनिट-3		अक्तू. 2010		
4.	जिला झज्जर में स्वतंत्र विद्युत उत्पादक (आई०पी०पी०) द्वारा ताप विद्युत परियोजना स्थापित किया जा रहा है।	2x660 =1320 मैगावाट		परियोजना आई०पी०पी० द्वारा क्रियान्वित की जा रही है।	उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम लि० तथा दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लि० द्वारा बिजली खरीदने के समझौते पर 7 अगस्त, 2008 को हस्ताक्षर किए गए थे।
	660 मैगावाट यूनिट-1		दिस. 2011		
	660 मैगावाट यूनिट-2		मई, 2012		

बी. लघु गैर पारम्परिक जलीय परियोजनाएं :

क्र० सं०	विद्युत परियोजना का नाम	क्षमता (मैगावाट)	संभावित/ चालू होने की वास्तविक तिथि	परियोजना की अनुमानित लागत (रुपए)	नवीनतम स्थिति
1.	जिला यमुनानगर में पश्चिमी यमुना नहर पर दादूपुर लघु जलीय परियोजना	6 मैगावाट	जून, 2009	34 करोड़ रुपए	यह परियोजना मैसर्ज भोरुका पावर कार्पोरेशन लि० बैंगलोर द्वारा विकसित की जा रही है एवं लगभग 40 % सिविल कार्य पूरा हो गया है।
2.	जिला करनाल के गांव खुखनी में वृद्धि नहर पर लघु जलीय परियोजना	1.4 मैगावाट	जून, 2009	16 करोड़ रुपए	यह परियोजना मैसर्ज पुरी ऑयल मिल्ज, नई दिल्ली द्वारा विकसित की जा रही है।
3.	जिला करनाल के गांव मुस्तापुर में नहर की वृद्धि करने पर लघु जलीय परियोजना	1.4 मैगावाट	जून, 2009	16 करोड़ रुपए	यह परियोजना मैसर्ज पुरी ऑयल मिल्ज, नई दिल्ली द्वारा विकसित की जा रही है।
4.	जिला करनाल के गांव गोधड़ीपुर में एन०डी०के० लिंक नहर पर लघु जलीय परियोजना	2 मैगावाट	जून, 2009	22 करोड़ रुपए	यह परियोजना मैसर्ज पी० एण्ड आर० गोधड़ीपुर जलीय परियोजनाएं प्रा० लि०. चण्डीगढ़ द्वारा विकसित की जा रही है।

(बी) माननीय सदन के पटल पर तारांकित विधान सभा प्रश्न संख्या 1001 के लिए उत्तर के साथ विवरण ।

जिला महेन्द्रगढ़ में मार्च 2005 से जुलाई 2008 तक निम्नलिखित कार्य पूरे किये गये हैं:—

क्र० सं०	उपकेन्द्र का नाम	जोड़ी गई क्षमता मैगावाट में लाईन कि०मी० में	लागत (रुपए लाखों में)	चालू होने की तिथि
I. नए उपकेन्द्र				
1.	33 के०वी० उपकेन्द्र आई०ए० नारनौल	8 एम०वी०ए०	80	9.5.2006
2.	33 के०वी० उपकेन्द्र सैहलंगा	8 एम०वी०ए०	80	5.11.2007
3.	33 के०वी० उपकेन्द्र बुद्धीन	10 एम०वी०ए०	177	31.7.2008
	योग—I	26 एम०वी०ए०	337	
II वृद्धि				
1.	33 के०वी० उपकेन्द्र दुबलाना	5 एम०वी०ए०	30	13.9.2006
2.	33 के०वी० उपकेन्द्र मोजाबास	7.5 एम०वी०ए०	29	18.9.2007
3.	33 के०वी० उपकेन्द्र ढाणी भटोटा	2 एम०वी०ए०	30	2.1.2008
4.	33 के०वी० उपकेन्द्र कांटी	5 एम०वी०ए०	79	12.6.2008
5.	33 के०वी० उपकेन्द्र जांट	5 एम०वी०ए०	80	2.7.2008
	योग-II	24.5 एम०वी०ए०	248	
	योग-I-II	50.5 एम०वी०ए०	585	
III. सम्प्रेषण लाईनें				
1.	आई०ए० नारनौल में 220 के०वी० उपकेन्द्र नारनौल से ढाणी भटोटा तक वर्तमान 33 के०वी० लाईन से 35 के०वी० टी-ऑफ।	0.040 कि०मी०	1	9.5.2006
2.	वर्तमान 33 के०वी० महेन्द्रगढ़-जांट लाईन से सेहलंगा तक टी—ऑफ।	10.000 कि०मी०	37	5.11.2007
3.	वर्तमान 33 के०वी० नारनौल-ढाणी भटोटा लाईन से दुलहेड़ा तक टी-ऑफ।	9.800 कि०मी०	34	1.2.2008
4.	वर्तमान 33 के०वी० महेन्द्रगढ़-नांगल-सिरोही लाईन से 33 के०वी० उपकेन्द्र बुदनी तक टी-ऑफ।	8.500 कि०मी०	48	31.7.2008
	योग-III	28.340 कि०मी०	120	
	कुल लागत (I-III)		705	

Installation of Electricity in Village Koriawas

***1016. Sh. Radhey Shyam Sharma :** Will the Power Minister be pleased to state the time by which the electricity line of village Koriawas will be installed straight alongside the road ?

बिजली मन्त्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : श्रीमान, गाँव कोड़ियावास के लिए बिजली की लाईन पहले ही 8/2007 से सड़क के साथ-साथ सीधी लगा दी गई हैं।

Line Losses in the State

***1010. Sh. Ram Kumar Gautam :** Will the Power Minster be pleased to state the steps taken by the Government to check the line losses in the State during the period 2006-2007 and 2007-2008 ?

बिजली मन्त्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : श्रीमान, सूचना माननीय सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

सूचना

हरियाणा विद्युत यूटिलिटीज की दोनों वितरण कम्पनियों द्वारा राज्य में लाईन लोसिज कम करने के लिए पिछले 3 वर्षों के दौरान काफी उपाए किए गए हैं जो निम्न प्रकार हैं:--

1. प्रणाली की क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रणाली में कई नये 33 के०वी० उप केन्द्र जोड़े गए हैं और कई वर्तमान 33 के०वी० उपकेन्द्रों की क्षमता में वृद्धि की गई है।
2. प्रणाली में अतिरिक्त वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए हैं।
3. हानियों की जांच करने के लिए वितरण ट्रांसफार्मरों पर डी०टी० मीटरों की व्यवस्था की गई है।
4. 11 के०वी० फीडरों का ग्रामीण घरेलू तथा कृषि भार अलग-अलग किया जा रहा है।
5. ओवर लोडिड 11 के०वी० फीडरों का द्विभाजन/त्रिभाजन किया गया है।
6. नई 33 के०वी०, 11 के०वी० तथा एल०टी० लाइनें जोड़ी गई हैं।
7. चोरी रोकने के लिए गांव तथा कालोनियों में एच०वी०डी०एस०/एल०वी०डी०एस० को प्रचलित किया गया है।
8. वोल्टेज तथा पावर फैक्टर के सुधार करने के लिए अतिरिक्त कैपेसिटर जोड़े गए हैं।
9. इलैक्ट्रानिक मीटरों के साथ मकैनिकल/इलैक्ट्रोमकैनिकल मीटरों को प्रतिस्थापित किया गया है।
10. मीटरों को उपभोक्ता के परिसरों से बाहर स्थापित किया गया है।
11. बिजली की चोरी को पकड़ने के लिए उपभोक्ता के परिसरों पर विस्तृत जांच की जा रही है और छापे मारे जा रहे हैं।

12. कुण्डी कनैक्शनों को नियमित किया गया है।

13. टी०डी०सी०ओ०/पी०डी०सी०ओ० समय पर प्रभावित किए जा रहे हैं।

उपरोक्त उपायों को उठाने से लाईन लोसिज तथा तकनीकी तथा समस्त वाणिज्यिक लक्ष्य (ए०टी० एण्ड सी०) कम होने व राज्य में कम की गई हानियों को नीचे तालिका में दर्शाया गया है।

अवधि	लाईन लोसिज		ए०टी०सी० लोसिज	
	उ०ह०बि०वि०न०	द०ह०बि०वि०नि०	उ०ह०बि०वि०न०	द०ह०बि०वि०नि०
2006-07	28.7%	29.6%	37.38%	32.48%
2007-08	28.5%	26.5%	33.23%	25.52%

Rules and Regulations for Implementing the Reservation

***1027. Dr. Sushil Indora :** Will the Welfare of Scheduled Castes and Backward Classes Minister be pleased to state whether the rules and regulations of Punjab have been followed for implementing the reservation system for the Scheduled Castes or the Haryana State has its own rules and regulations?

मुख्य मन्त्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : श्रीमान जी, हरियाणा राज्य में अनुसूचित जातियों के आरक्षण बारे अपनी नीति है।

Water, Air and Sound Pollution

***1022. Sh. Udai Bhan :** Will the Minister of State for Environment be pleased to state the present position of water, air and sound pollution in District Faridabad and Palwal togetherwith the steps being taken by the Government to check the said pollution?

वन राज्य मन्त्री (श्रीमती किरण चौधरी) : श्रीमान, विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

जिला फरीदाबाद तथा पलवल के जल, वायु तथा ध्वनि प्रदूषण की वर्तमान स्थिति तथा प्रदूषण को रोकने के लिए उठाए जा रहे कदम निम्न प्रकार से हैं :—

(क) वायु प्रदूषण :

फरीदाबाद शहर में 140 माइक्रोग्राम प्रति नॉरमल क्यूबिक मीटर की निर्धारित सीमा की तुलना में एस०पी०एम० के सम्बन्ध में प्रदूषण का औसत स्तर 300-350 माइक्रोग्राम प्रति नॉरमल

क्यूबिक मीटर है। पलवल शहर में औसत प्रदूषण स्तर लगभग 150-200 माइक्रोग्राम प्रति नॉरमल क्यूबिक मीटर है।

वायु प्रदूषण को रोकने के लिए उठाए जा रहे कदम :

1. जिला फरीदाबाद तथा पलवल में ऐसे उद्योगों जिनको प्रदूषण नियन्त्रण उपकरणों को स्थापित करने की आवश्यकता थी उनको वायु प्रदूषण नियन्त्रण उपाय जैसे कि वैट-स्क्रबर, डस्ट-कलैक्टर, चिमनी इत्यादि स्थापित करने के लिए निर्देश दिये जा चुके हैं।

2. राइस हस्क से चालित बायलरों पर फ्लयूडाईज्ड बैड कम्बशन सिस्टम की व्यवस्था की गई है।

3. हरियाणा राज्य प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड औद्योगिक इकाईयों को अपने ईंधन को बदलकर अधिक साफ ईंधन जैसे पैट कोक, तेल या गैस को प्रयोग करने के लिए जोर दे रहा है।

4. फरीदाबाद टाऊन की एम्बीयन्ट वायु गुणवत्ता को सुधारने के लिए माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार फरीदाबाद टाऊन के लिए कार्य योजना तैयार की गई है। दो समितियाँ गठित की गई हैं जो वायु गुणवत्ता को सुधारने के लिए उपायों के क्रियान्वयन को मोनिटर करती हैं एक उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तर पर तथा अन्य मुख्य सचिव, हरियाणा की अध्यक्षता में राज्य स्तर पर। ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (टी०ई०आर०आई०) की रिपोर्ट के अनुसार 70 प्रतिशत वायु प्रदूषण वाहन ट्रैफिक से है तथा बाकी 30 प्रतिशत थर्मल पावर प्लान्ट तथा अन्य उद्योगों से होता है। कार्य योजना के अन्तर्गत हरियाणा राज्य प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड तथा अन्य विभागों द्वारा वाहन प्रदूषण को नियन्त्रित करने के लिये निम्नलिखित उपाए किए जा रहे हैं:—

   (1) बदरपुर बोर्डर से बल्लबगढ़ तक सर्विसलेन का निर्माण करना।

   (2) गुड़गांव कैनाल के समानान्तर 26 किलोमीटर बाई पास सड़क का निर्माण करना।

   (3) बदरपुर बोर्डर पर फ्लाई ओवर का निर्माण करना।

   (4) केवल यूरो-III अनुरूप टैक्सी/तिपहिया वाहनों का पंजीकरण करना।

   (5) बहादुरगढ़ की तर्ज पर स्वचालित वाहन परीक्षण केन्द्रों का प्रावधान करना।

   (6) तिपाहिया/टैक्सी इत्यादि की तरह वाणिज्यिक वाहन के लिए 15 वर्षों से घटाकर 10 वर्षों के लिए समय सीमा निशिचित करना।

   (7) वर्तमान थर्मल पावर प्लान्ट को 2012 तक फेजिंग आउट करना।

   (8) फरीदाबाद में 10 सी० एन० जी० केन्द्रों की स्थापना करना।

   (9) खुले टू-टी तेल पर पाबन्दी लगाना।

(ख) जल प्रदूषण

जल प्रदूषण के मुख्यतया दो स्त्रोत हैं - औद्योगिक गन्दे जल का प्रवाह तथा सीवरेज मल प्रवाह। फरीदाबाद में गुड़गांव नहर का जल निर्धारित सीमा में नहीं है। बदरपुर बोर्डर पर बी०ओ०डी० (बायो कैमिकल आक्सीजन डिमांड) का स्तर 14 से 34 मिलीग्राम प्रति लीटर की रेंज में है जबकि निर्धारित स्तर 3 मिलीग्राम प्रति लीटर है। देहली क्षेत्र से हरियाणा को आने वाली यमुना नदी, देहली क्षेत्र की 21 ड्रेन तथा उत्तर प्रदेश से शाहदरा ड्रेन के औद्योगिक गन्दे जल का प्रवाह के कारण प्रदूषित हो रही है हरियाणा प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड नियमित रूप से गुड़गांव कैनाल की गुणवत्ता को मोनिटर कर रहा है।

जल प्रदूषण को न्यूनतम करने के लिए उठाए गए कदम :

1. ऐसे उद्योगों, जो गन्दा जल उत्पन्न करते हैं उन्होंने जल शोधक संयन्त्र स्थापित करने के लिए निर्देश दिये जा चुके हैं।
2. वर्तमान जल शोधक संयन्त्रों का संशोधन किया जा रहा है।
3. उद्योगों को औद्योगिक प्रक्रियाओं में जल के न्यूनतम उपयोग के लिए शोधित जल को पुनः प्रयोग करने के लिए भी दबाव डाला जा रहा है।
4. सीवरेज ट्रीटमैण्ट प्लान्ट्स की संस्थापना : पी०डब्ल्यू०डी० (जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग) ने यमुना कार्य योजना के अन्तर्गत चार सीवरेज ट्रीटमैण्ट प्लांट निर्मित किये हैं जैसे कि फरीदाबाद में प्रतापगढ़ में 50 एम०एल०डी०, मिर्जापुर में 45 एम०एल०डी० तथा बादशाहपुर में 20 एम०एल०डी० और पलवल में 9 एम०एल०डी०।
5. जल निकायों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए नालों, नहरों तथा यमुना नदी की नियमित रूप से मोनिटरिंग की जा रही है।

(ग) ध्वनि प्रदूषण :

बोर्ड ने सभी औद्योगिक इकाईयों को बोर्ड की नीति के अनुसार अपने डी०जी० सैटों पर ध्वनि नियन्त्रक यन्त्रों की व्यवस्था करने के लिए निर्देश दिये हैं तथा लगभग 75 प्रतिशत औद्योगिक इकाईयों ने अपने जनरेटर सैटों पर ध्वनि नियन्त्रक प्रणाली स्थापित कर ली है तथा बाकी भी इसकी स्थापना की प्रक्रिया में है। राज्य सरकार ने उपमंडल मजिस्ट्रेट/पुलिस उप अधीक्षक को आवासीय क्षेत्र तथा वाहनों के ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए प्राधिकारी के रूप में अधिसूचित कर दिया है।

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Pending Sewerage Work of Jitu Wala Johar Area in Bhiwani

127. Dr. Shiv Shankar Bhardwaj : Will the Water Supply & Sanitation Minister be pleased to state whether it is a fact that sewerage disposal work of Jitu Wala Johar area in Bhiwani is pending for a long time; if so, the action taken in this regard?

बिजली मन्त्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : श्री मान जी, सदन के पटल पर एक विवरण रखा है।

विवरण

भिवानी शहर में रेलवे लाईन के पश्चिमी क्षेत्र की तरफ एम०सी० कालोनी, टी०आई०टी० कालोनी, रूद्रा कालोनी, ब्रिजवासी कालोनी (जीतू वाला जोहड़ में डिस्पोजल के निर्माण सहित) में 155.00 लाख रुपए का बरसाती पानी की निकासी का अनुमान अनुमोदित किया गया था तथा पूर्ण धनराशि भी आबंटित की जा चुकी है।

जीतू वाला जोहड़ का सीवरेज डिस्पोजल कार्य कुछ समय के लिए लम्बित रहा क्योंकि गहरा स्थल होने की वजह से पानी भरा हुआ था। कलैकटिंग टैंक तथा स्क्रीनिंग चैम्बर का कार्य पूरा होने के निकट है। भिवानी शहर में पिछले 2-3 महीनों में भारी वर्षा के कारण कार्य अभी लम्बित है क्योंकि डिस्पोजल के आसपास पानी भरा हुआ है। कार्य स्थल अभी भी पानी में डूबा हुआ है। पानी को निकालने का कार्य प्रगति पर है। पम्प चैम्बर, पम्पिंग मशीनरी तथा राईज़िंग मेन का कार्य पानी की निकासी उपरान्त शुरू कर दिया जाएगा और 31.12.2008 तक इसके पूर्ण होने की संभावना है।

Construction of Water Wroks at Village Rajgarh

128. Dr. Shiv Shankar Bhardwaj : Will the Water Supply & Sanitation Minister be pleased to state whether it is a fact that the construction work of water works at village Rajgarh in Bhiwani is lying incomplete; if so, the action taken in this regard?

बिजली मन्त्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : नहीं, श्रीमान जी। यह एक नहर पर आधारित योजना है जो कि 143.50 लाख रुपये की लागत से बनाई गई है और इसके सभी ढांचों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है तथा बिजली का कनैक्शन भी जारी हो गया है। बनाए गए ढांचों की टेस्टिंग की जा रही है और योजना 30 सितम्बर, 2008 तक चालू हो जाएगी।

Construction of 132 K.V. Power Station at village Haluwas

129. Dr. Shiv Shankar Bhardwaj : Will the Power Minister be pleased to state whether it is a fact that foundation stone for construction of 132 K.V. power station at village Haluwas was laid on 20-5-2006; if, so the time by which construction work is likely to be completed?

बिजली मन्त्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : गांव हालूवास में 132 के०वी० उपकेन्द्र के निर्माण के लिए नींव पत्थर दिनांक 20-5-2006 को रखा गया था। इस उपकेन्द्र का कार्य टर्नकी के आधार पर किया जा रहा है तथा अधिकतर कार्य पूरा हो गया है, परन्तु उपकेन्द्र को बिजली देने वाली लाईन (0.7 कि० मीटर) के पूरा न होने के कारण चालू नहीं किया जा सकता। लाइन का कार्य टावर स्थन नं० 3 पर भिवानी की स्थानीय अदालत द्वारा स्टे (रोक) आदेश देने के कारण

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

रूका हुआ है। लोवर कोर्ट में इसकी सुनवाई की अगली तिथि 01-09-2008 निश्चित की हुई है। कोर्ट द्वारा स्टे (रोक) आदेश को हटाने के बाद ही लाइन का कार्य पूरा होगा। लाइन के पूरा होते ही उपकेन्द्र तुरन्त चालू कर दिया जाएगा।

Separate Swereage and Water Works for New Housing Board Colony

130. Dr. Shiv Shanker Bhardwaj : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to provide separate sewerage system and separate water works for New Housing Board colony under construction on circular road Bhiwani?

मुख्य मन्त्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : नहीं श्रीमान जी। निर्माणधीन नई आवास बोर्ड कालोनी भिवानी की जल आपूर्ति एवम् मल निकासी व्यवस्था को शहर की वर्तमान जल आपूर्ति एवम् मल निकासी व्यवस्था के साथ जोड़ दिया जाएगा।

वाक आऊट

16.00 बजे **मुख्यमन्त्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) :** अध्यक्ष महोदय, सब को मालूम है कि इस समय बिहार में जबरदस्त फ्लड आया हुआ है जिसके कारण काफी जान और माल का नुकसान हुआ है। (विघ्न)

डा० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मैंने प्रश्न संख्या 1028 पर और सप्लीमैंट्री पूछनी थी लेकिन आप द्वारा मुझे सप्लीमैंट्री पूछने का मौका नहीं दिया गया है, इसलिए मैं वाकआउट करता हूं। (विघ्न)

एक आवाज : इन्दौरा साहब, क्या आप अकेले ही वाकआउट कर रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा साहब, आप देखें कि इस समय सदन में बाढ़ पीड़ितों की बात चल रही है। वहां पर जान और माल का इतना नुकसान हुआ है लेकिन आपको किसी के साथ कोई सहानुभूति नहीं है, कोई हमदर्दी नहीं है। (शोर एवं विघ्न)

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, *** *** ***

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा साहब, आप इस प्रकार का जो व्यवहार कर रहे हैं यह आपका सही तरीका नहीं है। (शोर एवं व्यवधान) इनकी कोई भी बात रिकार्ड न की जाए।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, *** *** ***

(इस समय इण्डियन नैशनल लोकदल के उपस्थित सभी सदस्य हाउस से बहिर्गमन कर गए और उसी समय हाउस में वापिस आ गए)

श्री अध्यक्ष : डॉ० साहब, आपने तो वाक आउट किया हुआ है।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, हम वाक आउट करके वापिस आ गए हैं। (विघ्न)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं सप्लीमैंट्री पूछना चाहता था लेकिन आपने मुझे सवाल पूछने का समय नहीं दिया। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : डा० साहब, आप सवाल पूछने के लिए खड़े ही नहीं हुए। सुरजेवाला साहब, आपसे पहले खड़े हो गए। आप सप्लीमैंट्री पूछने के लिए समय पर खड़े नहीं हुए। हमने आपका सवाल लगाया है।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। (विघ्न)

मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, जैसे कि बिहार में आई जबरदस्त बाढ़ के बारे में मैं कह रहा था (विघ्न) मैं समझता हूं कि इन्दौरा साहब एक बहुत ही सीजन्ड पार्लियामैंटेरियन रहे हैं। यह सदन शिष्टाचार और नियमों से चलता है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : डा० साहब, सदन के नेता बोलने के लिए खड़े हैं, आप प्लीज अपनी सीट पर बैठें।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहा रहा था कि बिहार में बाढ़ के कारण जान और माल का भारी नुकसान हुआ है। इस बात को लेकर पूरे देश में चिन्ता है। माननीय प्रधान मन्त्री तथा माननीय श्रीमती सोनिया गांधी भी बिहार के दौरे पर गए थे और वहां पर उन्होंने एक हजार करोड़ रुपये का पैकेज बाढ़ पीड़ितों के लिए दिया है। अध्यक्ष महोदय, हम सब का यह फर्ज है और हम सबकी यह कोशिश भी होनी चाहिए कि जो भी सहायता वहां पर की जा सकती है वह की जाए। इस बारे में हरियाणा सरकार ने यह फैसला किया है कि पांच करोड़ रुपये बिहार सरकार को बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए दिया जाए। आज शाम गेहूं, टैंट और दूसरी चीजों से भरी रेलगाड़ी करनाल से बिहार के लिए रवाना होगी। अध्यक्ष महोदय, मैंने बिहार के माननीय मुख्य मन्त्री श्री नितीश कुमार जी से भी इस बारे बात की है कि जो भी सहायता हरियाणा सरकार कर सकती है वह हम करने की कोशिश करेंगे।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार द्वारा जो सहायता दी गई है उसके बारे में मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि पांच करोड़ रुपये की राशि जो दी गई है वह बहुत ही अच्छी बात है लेकिन मैं यहां पर यह भी कहना चाहूंगा कि वहां पर कोई भी महामारी फैलने की आशंका हो सकती है इसलिए वहां पर दवाईयां और डॉक्टरज भिजवाने के बारे में भी विचार करना चाहिए।

श्री अध्यक्ष : क्या आप लोग अपनी तरफ से या अपनी पार्टी की तरफ से कुछ डॉक्टर्ज वगैरा भिजवाने को तैयार हैं?

डॉ० सुशील इन्दौरा : सर, यह सब की ज्वायंट जिम्मेवारी होती है।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी कहा है कि वहां के माननीय मुख्य मन्त्री श्री नितीश कुमार जी से मेरी बात हुई है। उनको दवाइयों और डॉक्टर्ज की या जिस भी चीज की जरूरत होगी वह हम देने का प्रयास करेंगे।

सरकारी संकल्प :–

हरियाणा सरकार द्वारा ओलम्पिक विजेताओं को सम्मान देने बारे।

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now the Parliamentary Affaris Minister will move an official resolution.

बिजली मन्त्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, यह सदन ओलम्पिक स्वर्ण पदक विजेता हमारी राजधानी चण्डीगढ़ निवासी अभिनव बिन्द्रा, हरियाणा की माटी के लालों कांस्य पदक विजेता बॉक्सर विजेन्द्र सिंह, कांस्य पदक विजेता रैसलर सुशील कुमार, ओलम्पियन बॉक्सर श्री अखिल कुमार, श्री जितेन्द्र कुमार, शटलर कुमारी साइना नेहवाल, डिस्कस थ्रोवर श्री किशन पूनिया, शूटर संजीव राजपूत, बॉक्सर श्री दिनेश कुमार, रैसलर श्री योगेश्वर दत्त और हमारे बॉक्सिंग कोच श्री जगदीश सिंह जी की ओलम्पिक गेम्ज़ में ऐतिहासिक विजय के लिए उनको मुबारिकबाद देता है। अध्यक्ष महोदय, इन खिलाड़ियों ने भारत का सिर फख से पूरी दुनिया में ऊंचा किया है। ये खिलाड़ी भारत के तिरंगे को खेल जगत में शीर्षत्तम स्थान पर लेकर गए हैं। हरियाणा सरकार ने भी उद्धार हृदयता का परिचय देते हुए इन खिलाड़ियों को और इनके ट्रेनरज़ कोचिज़ को नकद राशि व क्लास ए की नौकरियों से नवाज़ित किया है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने और हरियाणा सरकार ने खेल में खिलाड़ियों की भावना को देखते हुए यह निर्णय लिया है कि हवा सिंह जो बाक्सिंग के कोच हैं और भिवानी से बाक्सर भी रहे हैं उनके नाम पर भिवानी में बाक्सिंग अकैडमी बनाएंगे। मैं और यह सदन चाहता है कि हरियाणा के बेटे और बेटियां हरियाणा का नाम देश में और दुनिया में रोशन करते रहें, यही कामना करते हैं।

Speaker Sir, I beg to move—

"That this House lauds and records its deep appreciation for the commendable performance and lauries earned for the country by Gold Medalist Shooter Abhinav Bindra from Chandigarh, sons of soil of Haryana namely; Bronze Medalist Boxer Vijender Kumar; Bronze Medalist, Wrestler Sushil Kumar; Olympians Boxer Akhil Kumar; Boxer Jitender Kumar; Shuttler Saina Nehwal; Discus Thrower Krishna Punia; Shooter Sanjiv Rajpoot; Boxer Dinesh Kumar; Wrestler Yogeshwar Dutt and Shri Jagdish Singh; Boxing Coach and other respective Coaches. By winning the Medals and bringing laurels, all these player have made history in their respective games and kept the Indian National Flag flying high in the world of sports. Haryana Government has shown exceptional encouragement in awarding suitable rewards and employment to many of these players and will continue to encourage the sports in the State."

Mr. Speaker: Motion moved-

'That this House lauds and records its deep appreciation for the commendable performance and laurels earned for the country by Gold Medalist Shooter Abhinav Bindra from Chandigarh, sons of soil of Haryana namely; Bronze Medalist Boxer

Vijender Kumar, Bronze Medalist Wrestler Sushil Kumar; Olympians Boxer Akhil Kumar; Boxer Jitender Kumar; Shuttler Saina Nehwal; Discus Thrower Krishna Punia; Shooter Sanjiv Rajpoot; Boxer Dinesh Kumar; Wrestler Yogeshwar Dutt and Shri Jagdish Singh, Boxing Coach and other respective Coaches. By winning the Medals and bringing laurels, all these players have made history in their respective games and kept the Indian National Flag flying high in the world of sports. Haryana Government has shown exceptional encouragement in awarding suitable rewards and employment to many of these players and will continue to encourage the sports in the State."

Minister of State for Forests (Smt. Kiran Chaudhry) : Speaker Sir, this is indeed a matter of great pride and honour for the entire nation that today our young achievers, our sportspersons have come back with medals for the country. After a span of long decade this has been made possible and I would commend these sportspersons for their wonderful work. They have put in for the great achievement that they have made on international fora which the earlier was not done. Mr. Speaker, Sir, I am reminding today Ch. Surender Singh. He is not in this House, he is no longer with us but his words revive in my mind time and again. I remember his saying that one day Haryana will make its name. As far as sports is concerned, that dream has come to be completed. In 1986 SAI Hostel was brought in Bhiwani by Ch. Surender Singh Ji because he recognized the fact that there is immense talent in the State and these boys have to be given all kind of impetus, so that they can come forward. Today, I think personally also, I find a great deal of satisfaction that the dream of Ch. Surender Singh has been realized and our Government, Ch. Bhupinder Singh ji's Government today has gone forward and has given so many incentives for the sportspersons so that in future Haryana could become No.1 State in the country, as far as the sports is concerned. Mr. Speaker Sir, what the boys did at Beijing, was absolutely commendable. I would say that the eyes of people of the entire nation were on them and they were looking which they have performed. However, what we laud them would be less because in one single stroke they have brought the focus of the entire nation, because without sports and without sportsmanship sprit, there is nothing. That is really worthwhile in ones life. These boys have set a trend and they have become role model for the entire nation. It is a fact that one day India will take a rightful place in the pantheon of nation on the Olympics feats. Mr. Speaker Sir, our Government under the leadership of Mr. Bhupinder Singh Hooda, had announced, while we were in Beijing, that Rs. 25 Lacs would be given to each boy who had entered in the quarter final. I must tell you that I was in the Beijing and I saw these boys while fighting. They went into the boxing arena with so much pride and inspiration because their Government was behind them and they were being supported by the Government. This is one of the major factors which pushed them and prepared them for victory. Apart from that our Government had also announced that Rs. 50 lacs would be given to Bronze Medalist, Rs. 1 crore would be given to Silver Medalist and Rs. 2 crores would be given to the Gold Medalist. For the first time, it has happened that our Government has recorded the efforts of even those people/coaches who had put so much of work and who had given so much their time towards the

[Smt. Kiran Chaudhry]

training of these boys. Their efforts have been applauded by the Government and Rs. 25 lacs have already been given to Mr. Jagdish Singh who had given coaching to these boys. In future, other coaches will also be given money in the same manner. This is only an act of giving incentive to those people so that more and more people realize the fact that sports is an arena where an international achievement can be worked for in such a manner that the entire nation is applauding. Mr. Speaker Sir, apart from that, for the first time, it has happened in Haryana that these boys who came back with laurels for our country, have been awarded the post of DSPs in the Police Department. I don't think that it has happened ever before and this is a great thing. I must thank our Hon'ble Chief Minister for giving them this pride and for giving them incentives so that in future these boys who come from very ordinary background and where they do not have wherewithal to come forward, will have incentives to come forward and say, yes' we have to do better, we have to achieve better and we have to go forward to achieve the laurels not only for ourselves and for State but also for the nation as a whole. Mr. Speaker Sir, day before yesterday, we had a commemoration ceremony for them and all the boys were in Bhiwani. Our Hon'ble Chief Minister has announced a coaching academy there in the name of Mr. Hawa Singh Ji who was the first boxer of Haryana. I am thankful to the Hon'ble Chief Minister who is doing so because this will go a long way in bringing forward these boys because every single boy today in the village is looking forward to become a Vijender Kumar, to become a Jitender Kumar, to become a Akhil Kumar and to become an other disciple of the sports. This is the way that these boys have actually got together the entire imagination of the nation. Speaker Sir, apart from that, I would like to thank and record my appreciation to the Hon'ble Union Minister of State for Sports, Mr. M.S. Gill who has sanctioned five more hostels which will cost something amounting to Rs. 100 crores with a proper academy of international level facilities. Apart from that, Mr. Speaker Sir, I think it has happened for the first time that our Government has taken keen interests to such an extent. Especially, we have constructed 161 sports stadiums at every block level. This has never been done before. This is a very great achievement. I mean this must be recorded in the coming annals of history that the Congress Government which came to power under the leadership of Mr. Bhupinder Singh Hooda had done such a commendable work and brought up rural children because there is immense talent in the rural areas. Speaker Sir, we are in the process of formulating a sports policy, which is a very holistic and transparent policy, which is going to be emphasized to sports and this will be a guiding force for our sports-persons of the State for the next 20-30 years. Apart from that, the Youth Affairs Department also. Mr. Speaker Sir, is in the process of formulating another polices for youth affairs which can be done for the first time. This is being done keeping into this aspect and that is important for the future generation, and we have taken it into account. We must prepare them right from the very beginning and this is a human resource which we can develop to such an extent who can in the future become strong & intelligent citizens of our State and also of the country. Mr. Speaker Sir, in the end, I would also like to add that sports is a medium. It is

national and an international language and it bridges all gaps. The amount of pride one has when the tri-colour goes up and at the international fora, is something which is beyond imagination and beyond expression of all work. Mr. Speaker Sir, sports is a medium which should be kept above politics because it is a way of life which teaches that what is good and how far a person can achieve. And these very aspects are something that we must carry forward and this tradition should be followed by all of us, irrespective of caste and creed, irrespective of whichever party we belong because only then we can hold our head high and bring it forward. Thank you.

वित्त मन्त्री (श्री बीरेन्द्र सिंह) : स्पीकर सर, बीजिंग औलम्पिक्स में जो देश की उपलब्धि है उसमें आज से 80 वर्ष पहले यानि वर्ष 1928 में हमने पार्टिसिपेट करना शुरू किया था। पहली बार ऐसा हुआ है कि औलम्पिक्स में तीन व्यक्तिगत पदक भारत ने जीते हैं, एक गोल्ड मैडल और दो कांस्य पदक जीते हैं। स्पीकर सर, अगर सही मायनों में देखा जाए तो हरियाणा को जो पार्टिसिपेशन मैडल जीतने में है जो एक सीमा तक कभी क्रॉस नहीं होता था, उस उपलिब्ध के बारे में कहना चाहूंगा। एक डिसिप्लन में 64 आदमी जाते हैं। 64 जो दुनिया के टॉप प्लेयर हैं, वे उसमें जाते हैं, उनमें से जीतने वालों को सब इनाम देते हैं। 64 में जगह बनाना और जहां दुनिया के 204 देश जहां पर अपनी ताकत झोंक रहे हों उनमें हरियाणा प्रदेश के जिन प्लेयर्स के नाम अभी लिये गए, प्रस्ताव रखते हुए जिनका जिक्र श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला जी ने किया और स्पोर्ट्स मिनिस्टर ने भी जिक्र किया, उनमें से एक दर्जन के लगभग हरियाणा के बच्चे आर्मी के थ्रू पार्टिसिपेट करते हैं। एक दर्जन से ज्यादा व्यक्तिगत स्पर्धाओं में हिस्सा लेने में यह काम पहली बार हमारी सरकार ने किया है। कई बार तो मैं यह सोचता हूं कि इसमें मुख्यमंत्री ने जो बात की है यह एक रिवर्स ट्रैंड है। जीतने वाले को तो सब देते हैं लेकिन इन्होंने यह किया है कि जो औलम्पिक में जाने लायक होगा उसे भी 11 लाख रुपये तो कम से कम देंगे। (इस समय मेजें थपथपाई गईं) एक पार्टिसिपैंट दिनेश जो बॉक्सिंग के फर्स्ट राउंड में हार गया था उसके किसी रिश्तेदार ने मुझे कहा कि दिनेश मेरा रिश्तेदार है और यह कहां का इंसाफ है कि दिनेश को कोई इनाम नहीं मिलेगा। हो सकता है कि उसको पहले राउंड में ही कोई तगड़ा प्लेयर मुकाबले में मिल गया हो और वह हार गया हो, बाकी जो पहुंच गए उनमें से किसी को 21 लाख, किसी को 50 लाख मिलेंगे। मैंने जब इस बात का जिक्र मुख्यमंत्री जी से किया और कहा कि उस बच्चे की क्या व्यथा होगी जब जीतने वाले को तो किसी को गदा मिलेगी, किसी को मुकुट मिलेंगे, किसी को पैसे मिलेंगे तो किसी को जय जयकार मिलेगी लेकिन प्रयास तो उसका भी था। इस बारे में हमने एक नयी सोच के साथ काम किया है। मैं खेल जगत से बहुत जुड़ा हुआ हूं। पहले तो यह प्रथा रही है कि जो भी मुख्यमंत्री होते थे उनके बेटे या तो औलम्पिक ऐसोसिएशन के जनरल सैक्रेटरी बने या अध्यक्ष बने। ये गलत है, ये प्रथायें गलत हैं, इनको तोड़ना चाहिए। जो स्पोर्टसमैन हैं हम उनका सम्मान भी करते हैं। यह जरूरी नहीं कि जो मुख्यमंत्री जी का बेटा है वही स्पोर्ट एकेडमी या स्पोर्ट्स आरगेनाईजेशन चला सकता है दूसरा कोई नहीं चला सकता। दूसरों को भी तो मौका मिलना चाहिए। इस सारे के सारे ढांचे को बदलने की जरूरत है। मुझे अच्छी तरह से याद है, जब श्री सुरेन्द्र सिंह जी वॉलीबाल ऐसोसिएशन के अध्यक्ष थे या जनरल सैक्रेटरी थे तब हमारी वॉलीबाल की टीम इण्डिया में फर्स्ट आई थी और हमने चैम्पियनशिप जीती थी, जब

[श्री बीरेन्द्र सिंह]

अभय सिंह चौटाला आये तब भी हमने चैम्पियनशिप जीती थी। लेकिन उसका जो बेल आऊट है वह बड़ा भयानक है। जब सरकार बदलती हैं तो उस आदमी का प्रयास होता है, चाहे वह सुरेन्द्र सिंह है या मेरे पड़ौसी श्री चन्द्र मोहन जी हों क्योंकि इनका भी खेल से संबंध रहा है चाहे अभय सिंह चौटाला हो तो उस आदमी को जो पहले अध्यक्ष या जनरल सैक्रेटरी है उसको नैलीफाई करने की कोशिश होती है। सरकार बदलने के बाद यह स्थिति होती है, मैं इससे सहमत नहीं हूं। मुझे अच्छी तरह से याद है जब हमारी सरकार बनी तो हरियाणा की वॉलीबाल की टीम जो इण्डिया में नम्बर एक पर थी और उसने चैम्पियनशिप जीती थी उस टीम का पाकिस्तान में कोई टूर्नामैंट होना था। वह टीम शायद एच०एस०आई०आई०डी०सी० की थी या किसी दूसरे विभाग की थी। जब उस टीम ने पाकिस्तान जाने के लिए परमिशन मांगी तो मुख्यमंत्री जी को खुश करने के लिए यह कहा गया कि इस टीम को पाकिस्तान जाने की परमिशन न दी जाए क्योंकि यह अभय चौटाला जी की टीम है लेकिन हमारी सरकार ने ऐसा नहीं किया बल्कि उस टीम को पाकिस्तान जाने की इजाजत देकर उत्साहित किया। आज इस सोच की जरूरत है। I have been a keen sportsman. जिनके नाम से आपने एकेडिमी खोली है, हवासिंह जी, वे बॉक्सिंग के ऐसे प्लेयर रहे हैं जिन्होंने आज से 40-45 साल पहले गोल्ड मैडल जीता था उस समय बाक्सिंग में जापान और कोरिया या ईरान एशिया में बड़ी ताकत थे। जब हमारी सरकार बनी तब स्पोर्टस डिपार्टमैंट का बजट 11 करोड़ रुपये होता था जिसको पिछले तीन सालों में इस सरकार ने पांच गुणा बढ़ाया है। जो गाँवों में रूरल स्टेडियम बनाये हैं, वे अलग हैं, उनमें स्पोर्टस डिपार्टमैंट का पैसा नहीं लगाया है। उनके लिए सरकार ने अलग से इन्सैन्टिव दिया है। मेरे कहने का अभिप्राय यह है कि आज यह सोच सिर्फ हरियाणा तक बदलने की ही नहीं है जब तक सारे देश की सोच नहीं बदलेगी तब तक हम अच्छे रिजल्ट नहीं दे सकते हैं। आज अगर तीन मैडल मिले हैं तो आगे इससे भी अच्छे रिजल्ट आपको नजर आयेंगे। आप शुरू से देख रहे हैं कि जो देश आर्थिक तौर पर मजबूत हैं जो डिवैल्पड कन्ट्रीज हैं मैडल भी उन्हीं देशों ने ज्यादा जीते हैं। आज जापान आर्थिक तौर पर जिस तरीके से बढ़ रहा है उस कारण उसकी आर्थिक स्थिति में ठहराव आ गया है इसलिए जापान पदक तालिका में नीचे के स्थान पर आ गया है। आज अमेरिका जो कभी महाशक्ति था और आर्थिक तौर पर भी महाशक्ति था उसकी आर्थिक व्यवस्था में हमारे रुपये की कीमत जो पहले 48-49 रुपये एक अमेरिकन डॉलर के बराबर होती थी आज 40 रुपये के बराबर हो गई है, उनके मैडलों में भी कमी आई है। यह 40 सालों में पहली बार ऐसा हुआ है, नहीं तो अमेरिका मैडल तालिका में नम्बर एक पर रहता था, जब से यू०एस०एस०आर० नहीं रहा है। मेरे कहने का अभिप्राय यह है कि आर्थिक तौर पर जो देश तरक्की करेगा उस देश को मैडल स्वाभाविक आयेंगे। मैं यह मानता हूं कि भारत का मैडल टैली में हालांकि 50वां नम्बर है लेकिन मैं एक बात से सहमत हूं कि जो हमारे बच्चे हैं उनमें वह प्रतिभा है और वह दम है जिसके द्वारा हम उनको विश्व स्तर के किसी भी गेम्ज में ले जा सकते हैं। आज हरियाणा में वॉलीबाल गेम को प्रोत्साहन मिलना चाहिए व बास्केट बाल आदि गेम को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री जी का किलोई क्षेत्र जो किलोई कांस्टूच्यूंसी का हैडक्वार्टर है उस गांव की परम्परा रही है कि वहां से देश की बास्केट बाल की टीम में एक, दो या तीन प्लेयर हमेशा रहे हैं और आज मुझे नहीं पता कि वहां क्या पोजीशन है।

इस तरह सोनीपत से सुसाना गांव ने वॉलीबाल के इंटरनैशनल खिलाड़ी पैदा किए हैं व कुरुक्षेत्र के अमीन गांव से वॉलीबाल के खिलाड़ी हुए हैं। मैं तो यह कहता है कि आज तक हिन्दुस्तान में वॉलीबाल के जितने भी खिलाड़ी हुए हैं वे हरियाणा से ही रहे हैं। बल्लू उर्फ बलवंत सिंह जो शायद अब बी०एस०एफ० से रिटायर हो गए हैं उससे बढ़िया आज तक इस देश में कोई वॉलीबाल का प्लेयर पैदा नहीं हुआ। खुशीराम जो गौराम से भी एक फलांद लम्बा है उनसे बढ़िया बास्केट बाल का कोई प्लेयर आज तक नहीं हुआ। हवा सिंह जिसके नाम से स्पोर्ट एकेडमी बनने जा रही है उसका शिष्य महताब सिंह वह भी गोल्ड मैडल लेकर आया है। ऐसी-ऐसी प्रतिभा हरियाणा के बच्चों में है, लेकिन कोई बच्चा प्रयास करता है और उसके प्रयासों को राजनीतिक कारणों से अगर शिथिल बना दिया जाए, राजनीतिक कारणों से हमारी प्रतिभाओं को साइड ट्रैक कर दिया जाए तो वह सोचनीय बात है। हमें इस चीज के लिए हरियाणा में पुख्ता इंतजाम करना पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, मैं तो इतनी बात कह सकता हूं कि जहां तक वित्त विभाग का सम्बन्ध है, स्पोर्टस डिपार्टमैंट कितनी ही बड़ी स्कीम लेकर आए हम उनको एकोमोडेट करने के लिए तैयार हैं। आज के दिन अगर हम यह समझते हैं कि हम शिक्षा के क्षेत्र में ऊपर उठें तो शिक्षा में वही आदमी ऊपर उठ सकता है जो स्पोर्ट्स में भी ऊपर हो। मैंने देखा है कि साधारण व्यक्तित्व का आदमी बड़ा स्पोर्टसमैन नहीं हो सकता। मेरा क्रिकेट से सम्बन्ध रहा है। बहुत से क्रिकेटर्ज को मैंने देखा है, या तो वे आई०आई०टी० हैं या इंजीनियर हैं या उनमें से कई ऐसे हैं जो एकैडमिकली बहुत प्रतिभाशाली हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि हमें शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी प्रोत्साहन देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आप हिसार की एच०ए०यू० यूनिवर्सिटी में स्टूडैंट रहे हैं, आपके समय में स्पोर्टस कॉलेज था, वह स्पोर्ट्स कॉलेज बन्द कर दिया गया है। वह कॉलेज किन कारणों से बन्द हुआ है यह हमें पता नहीं। उस कॉलेज के बन्द होने से हमारे बच्चों का नुकसान हुआ है। मेरे कहने का मतबल यह है कि हमारा मानसिक दृष्टिकोण ऐसा बन गया है कि हमारे कोच बच्चों को इतनी ट्रेनिंग देते हैं कि लड़का स्पोर्टस के नाम पर पुलिस में भर्ती हो जाए या फिर फौज में भर्ती हो जाए। यह दृष्टिकोण होने से सबसे दुःखद अध्याय तब शुरू होता है जब उसको नौकरी मिल जाती है उसके बाद वह स्पोर्ट्स को तिलांजली दे देता है और कहता है कि मेरा काम हो गया अब मुझे खेलों से क्या लेना देना। इस एटीच्यूड को बदलने के लिए स्पोर्ट्स के लिए जो नीति बनेगी उसमें हमें ऐसा प्रावधान करना पड़ेगा कि खेलों की तरफ से उनका रूझान कम न हो अगर ऐसा हम कर सकें तो एक समय ऐसा आएगा कि मैं यह कह सकता हूं कि कुछ ऐसे गेम्ज हैं जिनमें हम को कोई छू भी नहीं सकता। एशिया के छूने की तो बात ही नहीं, हम इथोपिया और केन्या जैसे कंट्रीज को भी पीछे छोड़ जाएंगे। जैमाइका जहां की आबादी 4 लाख की है उन्होंने 6 गोल्ड मैडल जीते हैं जबकि हमारी आबादी 110 करोड़ से भी ज्यादा है फिर भी हमने एक गोल्ड मैडल जीता है। हमारे को खुशी तो बहुत है लेकिन मैं इसको इतनी बड़ी खुशी नहीं मानता। इस विषय में चिन्तन की आवश्यकता है कि हमने 3 ही मैडल क्यों जीतें, 30 क्यों नहीं जीत सकते। कहीं न कहीं हमारे संगठन में कमी है या हमारी स्पोर्ट्स की जो फैडरेशन है, या स्पोर्ट्स की जो एसोसिएशंज हैं, उनमें कमी है। उन पर कहीं बिरला का कब्जा है और कहीं सैंटर के मंत्री का कब्जा है और कहीं सैंटर के एम०पी० का कब्जा है। कहीं-कहीं तो कोई लम्बे समय से ऐसे कब्जा किए हुए बैठे हैं जैसे कि वे हमेशा यहीं रहेंगे और उसका खामियाजा ऐसे प्लेयर्ज को भुगतना पड़ता

[श्री बीरेन्द्र सिंह]

है जिनमें कुछ करने की प्रतिभा है और कुछ करने का दम है। सर, हम यह चाहते हैं कि हर क्षेत्र में हरियाणा एक मिसाल बने और नम्बर एक प्रदेश बने। चाहे स्पोर्ट्स की बात हो, चाहे आर्थिक दृष्टिकोण की बात हो, चाहे खेतीबाड़ी में पैदावार बढ़ाने की बात हो या पढ़ाई में अपने आपको एक्सल करने की बात हो। इससे हमें ज्यादा समृद्धि मिलेगी और यश भी मिलेगा तथा नौजवानों का साथ भी मिलेगा। हमारे नौजवान अपने आपको गौरवान्वित महसूस करेंगे कि वे हरियाणा के हैं और उन्हें सब सुविधाएं उपलब्ध हैं ऐसा करके ही हम खेलों में एक नई व्यवस्था स्थापित कर पायेंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्यमंत्री जी से एक बात जरूर कहूंगा कि ये मेरे से बगैर पूछे ही अनाऊंसमैंट कर देते हैं कि दो करोड़ रुपये देंगे या तीन करोड़ रुपये देंगे। अनाऊंसमैंट करने से पहले मुख्यमंत्री जी कम से कम मेरे से पूछ तो लिया करें। इस बारे में जब इनसे बात करते हैं तो कहते हैं कि क्या पूछना, आप तो कहते हो कि खजाना भरा पड़ा है। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी का स्पोर्ट्स के प्रति जो एटीच्यूट है, जो डिसीजंस स्पोर्ट्स के लिए इन्होंने लिये हैं वे अच्छे डिसीजन लिये हैं तथा स्पोर्ट्स को प्रदेश में आगे बढ़ाने के लिए बहुत से अच्छे डिसीजन और लेने की अभी आवश्यकता है। स्पोर्ट्स फैडरेशंज के जो डिसीजन हैं वे बहुत सी जगहों पर ठीक नहीं है। हर जिलें में जिला ओलम्पिक्स एसोशियेशन का अध्यक्ष डिप्टी कमीशनर को बनाया हुआ है। अध्यक्ष महोदय, जिस डिप्टी कमीशनर ने कभी गुल्ली डंडा नहीं खेला हो उसको भी आप जिला ओलम्पिक्स ऐसोशियेशन का अध्यक्ष बना देते हो। जब इस बारे में पूछते हैं तो कहते हैं कि यह चंदा इकट्ठा करवा देता है। This should not be the criteria. अध्यक्ष महोदय, स्पोर्ट्स पर्सन्ज को उन एसोशियेशंज में शामिल करना चाहिए। हमारे यहां बहुत से डैडीकेटिड स्पोर्ट्स पर्सन्ज हैं। मैंने ऐसे-ऐसे आदमी देखे हैं जिन्होंने अपनी सारी जिंदगी स्पोर्ट्स में लगा दी है। जब तक हम एसोशियेशंज में और फडरेशंज में आमुलचूल परिवर्तन नहीं करेंगे और स्पोर्ट्स से जुड़े हुए लोगों को इनमें नहीं लेकर आयेंगे तब तक हम स्पोर्ट्स को आगे नहीं ले जा सकते। इसके अतिरिक्त जब तक हम जी०डी०पी० का एक प्रतिशत का हिस्सा स्पोर्ट्स के लिए नहीं रखेंगे तब तक हम स्पोर्ट्स को बढ़ावा नहीं दे सकते। अध्यक्ष महोदय, जैसा हम कहते हैं कि यदि एजूकेशन को बढ़ावा देना है तो स्टेट जी०डी०पी० का इतना प्रतिशत हिस्सा एजूकेशन के लिए खर्च किया जाये और यदि हैल्थ सर्विसिज को बढ़ावा देना है तो स्टेट जी०डी०पी० का इतना प्रतिशत पैसा हैल्थ सर्विसिज पर खर्च किया जाये, इसी प्रकार यदि स्पोर्ट्स को हम बढ़ावा देना चाहते हैं तो ये मापदण्ड स्पोर्ट्स के लिए भी अपनाने चाहिए और जी०डी०पी० का कुछ हिस्सा स्पोर्ट्स में देना चाहिए ताकि देश में और दुनिया में हम एक शक्ति के रूप में जाने जायें। धन्यवाद।

श्री एस०एस० सुरजेवाला (कैथल) : अध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले मुख्यमंत्री जी को और हरियाणा सरकार को बधाई देता हूं कि उन्होंने बहुत ही आगे बढ़कर पूरे देश में सबसे पहले ओलम्पिक्स में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया हैं इवन पंजाब सरकार ने भी पहल नहीं दिखाई जबकि वहां के एक लड़के ने पहली बार ओलम्पिक्स में गोल्ड मैडल जीता है। हरियाणा सरकार ने मैडल जीतने वाले खिलाड़ियों को पैसे भी दिए और सरकारी नौकरियां भी देकर उनको सम्मानित किया है। हमारे मुख्यमंत्री जी ने हरियाणा के दो-तीन लड़कों को

डी०एस०पी० बनाने का ऐलान भी किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं तो यह समझता हूं कि अच्छा होता यदि इन खिलाड़ियों को इनके स्टेट्स के मुताबिक इन्हें स्पोर्ट्स विभाग में डिप्टी डायरैक्टर या ज्वायंट डायरैक्टर बनाया जाता ताकि वे और खिलाड़ियों को भी एनकरेज करते। अध्यक्ष महोदय, बीरेन्द्र सिंह जी कह रहे थे कि हमारे नौजवान पुलिस की या फौज की नौकरियां पाने के लिए स्पोर्ट्स में हिस्सा लेते हैं। यह सही है कि हमारे नौजवान जिला लैवल पर या स्टेट लैवल पर स्पोर्ट्स में इसलिए हिस्सा लेते हैं कि उन्हें कोई सर्टीफिकेट मिल जाये और वे पुलिस में भर्ती हो जायें। मुख्यमंत्री जी ने ओलम्पिक्स में अच्छा प्रदर्शन करने वाले जिन तीन लड़कों को डी०एस०पी० की पोस्ट दी है शायद वे अब खेलना बंद कर दें क्योंकि उन्हें पुलिस अधिकारी की नौकरी मिल गई और वे सोचेंगे कि वे डी०जी०पी० रिटायर होंगे। खैर जो किया है, बहुत अच्छा किया है। अभी लम्बा सफर बाकी है, यह शुरूआत मात्र है। हरियाणा सरकार प्रदेश में जो स्पोर्ट्स नीति बनाने जा रही है उसके लिए मैं सरकार को बधाई देता हूं। स्पोर्ट्स नीति में बहुत सी बाते हैं जिनके बारे में वित्तमंत्री जी ने और दूसरे साथियों ने भी बहुत से सुझाव दिए हैं। हमारे प्रदेश में बहुत ज्यादा पोटैंशियल है। अध्यक्ष महोदय, सरकार के पास पैसा सीमित होता है और जब यह सरकार बनी उस समय 8 या 10 करोड़ रुपये का हमारे प्रदेश के स्पोर्ट्स विभाग का बजट था। अध्यक्ष महोदय, मैंने कभी कोई गेम नहीं खेली और न ही हाई स्कूल के बाद अथेलिटिक्स में पार्टिसिपेट किया। लेकिन इसके बावजूद भी मेरी स्पोर्ट्स में बहुत दिलचस्पी है। मैं आपको याद दिलाना चाहूंगा कि विधान सभा के प्रत्येक सैशन में मैं स्पोर्ट्स पर जरूर बोलता हूं। अंर्तआत्मा से भी स्पोर्ट्स के प्रति मेरी बहुत जबरदस्त फिलिंग्स हैं कि स्पोर्ट्स में हम पीछे क्यों हैं। हमारा इतना अच्छा पोटैंशियल है, कुदरती तौर से हमारी सेहत भी अच्छी है, हमारे कद भी अच्छे हैं, हमारे नौजवानों में सब कुछ मौजूद है और इतना सब होने के बाद भी हम खेलों में बहुत पीछे हैं। मुझे याद है जब हम गांव में स्कूल में पढ़ते थे तो उस समय गांवों में शाम के वक्त बहुत ज्यादा खेल खेले जाते थे। शाम के वक्त पूरे का पूरा गांव ही खेल के मैदान में एकत्रित हो जाया करता था। कुछ दर्शक होते थे और बाकी सब खेलने वाले होते थे। कोई कुश्ती खेलता था, को कबड्डी खेलता था, कोई लकड़ी के मुदगर उठाता था, कोई वेट लिफ्टिंग करता था और इसके अलावा भी प्रत्येक आयु वर्ग के लोगों के मुताबिक बेशुमार किस्म के खेल होते थे। गुल्ली-डंडे जैसे भी बहुत से खेल होते थे लेकिन अब वे सारे के सारे टोटली खत्म हो गये हैं। आज गांवों में खेल शाम की कोई चीज़ नहीं रह गई है। न तो कोई खेलने वाले रह गये हैं और न ही खेल के मैदान ही रह गये हैं। अनफॉरचूनेटली मुझे दुख है और हो सकता है कि मेरी इस बात से कुछ लोगों को नाराजगी भी हो। मैं यह कहना चाहता हूं कि क्रिकेट ने हमारी बाकी सब स्पोर्ट्स का जितना नुकसान किया है उतना शायद ही किसी दूसरी गेम ने किया होगा। आज जब भी कोई एम०एल०ए० या एम०पी० किसी गांव में जाता है तो वहां के बच्चे उनसे एक ही डिमाण्ड करते हैं कि उन्हें क्रिकेट कि किट दिलवा दें। क्रिकेट के नाम पर यह एक तमाशा बना हुआ है। जहां पर बच्चों को क्रिकेट की किटें नहीं मिलती वहां वे ईंटें रखकर खेलते हुए मिल जायेंगे। गली-गली में और सड़कों पर भी बच्चे क्रिकेट खेलते मिल जायेंगे। कारण सिर्फ यही है कि क्रिकेट में पैसा है और यह टेलीविजन द्वारा जो बड़े-बड़े लोग हैं वे विज्ञापनों के द्वारा और दूसरी चीजों के द्वारा क्रिकेट से रुपया इकट्ठा करते हैं। इसी कारण क्रिकेट ने फुटबाल, वॉलीबाल, रस्साकस्सी, कुश्ती जैसे दूसरे सभी खेलों के ऊपर पानी फेर दिया

[श्री एस०एस० सुरजेवाला]

है। इसलिए मैं यह चाहूंगा कि जो नीति बने उसमें जो हमारे यहां बहुत से इण्डस्ट्रीलिस्ट हैं, इण्डस्ट्रीज हाऊसिज़ हैं, जिनकी हरियाणा में कोई कमी नहीं है और हमारे यहां कई ऐसे अदारें हैं बोर्ड्स हैं, कारपोरेशन्ज़ हैं जो कि बहुत मुनाफा कमा रहे हैं, हरियाणा में 5-6 यूनिवर्सिटीज़ भी हैं और बहुत से कालेजिज़ भी हैं, उनके जिम्मे यह लगाया जाये कि उनको फलां-फलां गेम के लिए फाईनैंस कराना है और इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाना है। मैं समझता हूं कि अगर ऐसा हो जाये तो यह लक्ष्य हम 5 साल के अन्दर अचीव कर सकते हैं। पांच साल में स्टेट में कोलैक्टिवली इन सारे अदारों और लोगों की मदद से हम प्रदेश के सभी नौजवानों को और सभी खिलाड़ियों को एक बैस्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करके दे सकते हैं। इन सबके बिना हम स्पोर्ट्स में आगे नहीं बढ़ सकेंगे चाहे आपके नौजवान कितने ही बहादुर हों और कितने अच्छे खिलाड़ी क्यों न हों। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह भी कहना चाहूंगा कि अभी हमारे जो स्पोर्ट्स पर्सन बिजेन्द्र और दूसरे सभी जो बीजिंग ओलम्पिक में गये थे उनके साथ सिर्फ एक कोच ही गया था वही मुकाबले के दौरान उनके सभी काम जैसे मालिश करना और पानी पिलाना इत्यादि करता था, जबकि इसके विपरीत दूसरे देशों के जो खिलाड़ी बॉक्सिंग के लिए गये और दूसरे खेलों में गये उनके साथ एक कोच था, एक फीजियो वाला, एक साईकोलोजी वाला, एक साईकेट्रिस्ट और एक मालिश करने वाला था। इस प्रकार कुल मिलाकर एक-एक खिलाड़ी के साथ पांच-पांच लोगों का ग्रुप गया था और हमारे खिलाड़ियों के साथ सिर्फ एक कोच था। यह बात बीजिंग ओलम्पिक में वाईडली रिपोर्ट हुई है। अफसोस की बात यह है कि हिन्दुस्तान के जो हमारे खिलाड़ी वहां गये वे वहां अपनी हिम्मत से पहुंचे हैं। उनको कोई विशेष फैसेलिटी नहीं दी गई। उनके साथ केवल एक कोच था वह कोच ही उनकी मालिश करता था और भी उसके लिए जो कुछ करता था वह कोच ही करता था। हमारे यहां जो स्पोर्ट्स की नैशनल लैवल की पॉलिसी है चाहे वे प्राईवेट लोग हैं चाहे वे हमारे अदारें हैं और चाहे सरकारें हैं चाहे कुछ भी हैं, मैं आपको सच कहूं, वे सिर्फ प्रसाद बांटने के, लड्डू बांटने के और कुछ नहीं करते। उनकी हालत तो ऐसी ही है कि अंधा बांटे फिरनी अपने-अपने को दे। राजनीतिक तौर पर और दूसरी दृष्टि से भी ऐसे-ऐसे लोगों को स्पोर्ट्स के मामले में आगे बढ़ा दिया गया जिनका खेलों से दूर-दूर तक कोई ताल्लुक नहीं था, क्योंकि वे सिफारिशी थे इसलिए उन लोगों ने विभिन्न लैवल के खेलों में भाग लेने के लिए जिन खिलाड़ियों को सैलेक्ट किया था, वे भी सिफारिशी ही थे। जो कोच रखे गये, वे भी सिफारिशी ही थे। इसलिए स्पोर्ट्स की टीम में बाहर जाने के लिए जो नाम रखे गये, वे सभी सिफारिशी थे क्योंकि उनको तो सबको खुश करना था। इसलिए यह सब कुछ किया गया। सिफारिशी लोगों के बेटों, भाईयों और दूसरे निकट सम्बंधियों को बाहर भेजने की सिफारिश उन्होंने भी की। हम लोग भी अपने खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने के लिए सिफारिश करते हैं। यहां यह सब चलता ही रहता है। यह बात टोटली प्रोफैशनल होनी चाहिए और जो अच्छे लोग हैं और बैस्ट स्पोर्ट्स पर्सन हैं उन्हीं को आगे लाया जाना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपका ज्यादा समय न लेते हुए एक-दो बात और कहना चाहूँगा। हरियाणा में मुर्राह नस्ल की भैंस जो है उसका और इस खेल-कूद का, मुक्केबाजी का, कुश्ती का आपस में बड़ा भारी सम्बन्ध है। जहाँ पर मुर्राह नस्ल की भैंस हैं वहाँ बैस्ट स्पोर्ट्स पर्सन हो सकते

हैं क्योंकि मुर्राह नस्ल की भैंस के दूध में बहुत ज्यादा ताकत है। दूसरी नस्ल की भैंसों के दूध में वह ताकत नहीं है। मैं हमेशा हरियाणा सरकार को प्रोपोज़ करता रहा हूँ। पिछली बार बोलते हुए मैंने कहा था कि हर जिले में स्पोर्ट्स कॉलेज खोलना चाहिए। मैं इंथूजिअाज्म में कुछ ज्यादा ही बोल गया। मैं यह प्रोपोज करता हूँ कि हरियाणा सरकार को हर जिले में नहीं तो कम से कम आधे जिलों में तो स्पोर्ट्स कॉलेज खोलने ही चाहिएं। सरकार को कम से कम एक यूनिवर्सिटी भी खोलनी चाहिए। उत्तर भारत में सिवाय इंदौर के कहीं पर भी स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी नहीं है। इसलिए क्यों न हम हरियाणा में ही स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी बनायें। इससे एक और बड़ा भारी लाभ हम उठा सकते हैं। आज पूरी दुनिया में डिफ्रैंट गेम्स के कोचिज की बहुत कमी है, उनकी बहुत डिमांड है। अगर आज हम हर साल हरियाणा के 10 हजार बच्चों को डिफ्रैंट गेम्स की कोचिंग दिलवायें तो उनकी जिन्दगी बदल सकती है, उनको नौकरी मिल सकती है और वे हमारे और बच्चों को ट्रेंड कर सकते हैं। इसलिए कम्पोजिट तौर पर सरकार को इस बारे में पूरी कोशिश करनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि मैं खुद कभी नहीं खेला परन्तु शौक की बात है कि मैंने कैथल में 20 एकड़ जमीन जो कि बैस्ट प्राइम लैंड है और जिसकी कीमत करीब एक करोड़ रुपये प्रति एकड़ है, स्पोर्ट्स विभाग को मुफ्त में लेकर दी है। यह कैथल से दो किलोमीटर दूर पटियाला रोड पर है। सरकार ने भी उसमें मदद की है। चारदिवारी बनाने के लिए पैसा दिया है। चारदिवारी बन चुकी है। एक करोड़ रुपया और दिया है। लोगों के बैठने की व्यवस्था भी करनी है। यह काम बहुत कम है। मैं यह कहूँगा कि 20 एकड़ जमीन जो डिस्ट्रिक्ट लेवल पर है उस पर वहीं एक अच्छा इंस्टीच्यूशन बनाओ। उसमें कम से कम दो बड़े हॉल और बनाये जाने चाहिएं ताकि उसमें सब प्रकार के गेम्स हो सकें। होस्टल की व्यवस्था भी होनी चाहिए ताकि कोचिज और स्पोर्ट्स पर्सन के ठहरने की व्यवस्था हो सके। हमारे वित्त मंत्री जी भी कहते हैं कि स्पोर्ट्स के लिए पैसा देंगे। कॉलेज खोलेंगे तो यह काम कैथल से ही क्यों न शुरू कर दिया जाये। वहाँ पर स्पोर्ट्स का कॉलेज खोल देना चाहिए। मैं इस बात का समर्थन करता हूँ कि हरियाणा पूरे देश का नम्बर एक राज्य हो सकता है। मैं एक बात और कह कर अपनी बात खत्म करना चाहूँगा कि स्पोर्ट्स का मतलब डिसिप्लीन, स्पोर्ट्स का मतलब पैट्रियोटिज्म और स्पोर्ट्स का मतलब नेशन बिल्डिंग है। मैं तो यह नहीं मानता कि हमारा कोई कैरेक्टर नहीं है, हमारा कोई नेशन नहीं है, हमारा कोई कमिटमैंट नहीं है और न ही हम देशभक्त हैं।

श्री अध्यक्ष : धन्यवाद चौधरी साहब

डॉ० शिव शंकर भारद्वाज (भिवानी) : अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि भिवानी वालों के लिए यह सबसे ज्यादा खुशी की बात है कि जो नगरी छोटी काशी के रूप में जानी जाती थी आज मिनी क्यूबा के नाम से जानी जाती है। जो-जो बच्चे मैडल जीत कर लाए हैं उनको बहुत ही मान-सम्मान और इन्टरनैशनल पहचान मिली है। विदेशों से मेरे पास फोन आए हैं। मैं समझता हूं कि भिवानी के लिए यह बहुत खुशी की बात है कि इन बच्चों ने पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है और भारत देश का नाम विश्व भर में रोशन किया है। स्पीकर सर, मैं विजेन्द्र, जितेन्द्र, दिनेश और योगेश्वर दत्त को बहुत शुरू से जानता हूं। ये बच्चे बहुत ही साधारण और गरीब परिवारों के बच्चे हैं। आज मैडल आ गए हैं तो भिवानी का नाम हो गया है

[डॉ० शिव शंकर भारद्वाज]

लेकिन इन मैडलों की नींव बहुत पहले श्री हवा सिंह जी ने रख दी थी। मैं सदन के ध्यान में यह बात भी लाना चाहता हूं कि बार्सिलोना ओलम्पिक गेम्ज में हमारा एक बच्चा संदीप दोलन खेल का आया था। राज कुमार सांगवान हमारे भिवानी से है उसने भी प्रदेश का नाम खेलों में बहुत रोशन किया था। बॉक्सिंग में भिवानी पिछले कम से कम 15 साल से इस ट्राई में है और अब जब मैडल आए हैं तो आज उनकी 15 साल की प्रखर मेहनत रंग लाई है क्योंकि हमारे बच्चों और कोचों ने इसके लिए बहुत मेहनत की है। हवा सिंह जी से मेरे बहुत निकट के सम्बन्ध रहे हैं। उनका तथा उनकी पत्नी का ईलाज करने का मुझे मौका मिला। स्पीकर साहब, मैं माननीय मुख्य मन्त्री जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने उनके नाम पर एकादमी खोलने का ऐलान किया है। मैं समझता हूं कि उनका यह महान कदम कोचों को भी प्रेरणा देगा ताकि वे भी हवा सिंह जी जैसा काम करें और उनके नाम पर भी कैथल या और कहीं न कहीं एकादमी खुल सकती है। अध्यक्ष महोदय, मैं इस महान सदन का ध्यान इस तरफ भी खींचना चाहूंगा कि हमारे कोचिज़ हवा सिंह जी तथा जगदीश सिंह जी ने बहुत मेहनत की है लेकिन और भी बहुत से कोचिज़ हैं जो लगातार बहुत ज्यादा मेहनत कर रहे हैं उनमें से एक कोच श्री विष्णु भगवान भी हैं, जिन्होंने बहुत मेहनत की है। मैं यह प्रार्थना करूंगा कि उनको भी कुछ न कुछ प्रोत्साहन दिया जाए ताकि और ज्यादा से ज्यादा लोग प्लेयर बनें ज्यादा से ज्यादा लोग कोचिज़ बनें। अध्यक्ष महोदय, मैं दो बातों के लिए माननीय मुख्य मन्त्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा। एक बात तो यह है कि यह जो साई होस्टल है यह एक बार वर्ष 2005 में वहां से शिफ्ट होने वाला था। जब माननीय मुख्य मन्त्री जी होस्पीटल का उद्घाटन करने भिवानी में आए थे तो हमने उनसे यह प्रार्थना की थी कि इस होस्टल को यहां से शिफ्ट न किया जाए तो उन्होंने हमारी यह प्रार्थना स्वीकार भी की थी और उस साई होस्टल को वहां पर रहने दिया था जिसके कारण हमारे इन बच्चों को वहां पर मेहनत करने का मौका मिला और आज इसका परिणाम है कि साई होस्टल भिवानी में न केवल हरियाणा प्रदेश में बल्कि देश का नाम भी पूरे विश्व में ऊंचा किया है। दूसरी बात जिसके लिए मैं माननीय मुख्य मन्त्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं वह फेलिसिटेशन फंक्शन का भिवानी में आयोजन करना है। फेलिसिटेशन फंक्शन इनाम देने की प्रक्रिया आमतौर से राजधानी में करते हैं। इस प्रकार के फंक्शन या तो चण्डीगढ़ में या फिर दिल्ली में आयोजित किये जाते हैं लेकिन इस बार यह फंक्शन भिवानी में आयोजित किया गया है, इसके लिए मैं माननीय मुख्य मन्त्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं। वहां की भाटी का सबसे ज्यादा इसमें योगदान था, वहां के बच्चे कितने उत्साहित थे और वहां के लोग इस बात को देख कर कितने खुश थे कि हमारे अड़ोस-पड़ोस में जो बच्चे पैदा हुए हैं, वे मैडल ले कर आ सकते हैं। इसके कारण वहां पर खेलों के प्रति जनरल अवेयरनैस भी बढ़ी है और मैं समझता हूं कि इससे बहुत बड़ी प्रेरणा भी लोगों को मिलेगी। हमारे भिवानी में एक कहावत भी प्रचलित है कि देश की पूरी टीम एक तरफ और गांव बामला की टीम एक तरफ है। बामला गांव हमारा एक ऐसा गांव है जहां पर कुश्ती के अच्छे-अच्छे पहलवान हुए हैं। स्पीकर सर, जिस प्रकार से भिवानी में बॉक्सिंग की एकादमी बनाई जा रही है अगर कुश्ती की एकादमी भी वहां पर बना दी जाए तो मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि आगे आने वाले समय में उसके बहुत ही अच्छे परिणाम मिलेंगे। इसमें कोई शक नहीं है कि माननीय सुरजेवाला जी ने भी

कहा है कि खेलों से न केवल सेहत अच्छी होती है बल्कि इनसे हम अनुशासन सीखते हैं, देशभक्ति सीखते हैं और खेलों से भाईचारा भी बढ़ता है। खेलों को जितना भी प्रोत्साहन मिलेगा वह अच्छा रहेगा। स्पीकर सर, अन्त में मैं केवल इतना की कहना चाहता हूं कि माननीय सुरजेवाला जी ने स्पोर्टस यूनिवर्सिटी की बात कही है। मैं समझता हूं कि स्पोर्टस यनिवर्सिटी खोलने के लिए भिवानी बहुत ज्यादा उपयुक्त स्थान रहेगा। अगर माननीय मुख्य मन्त्री जी इस बारे में कंसीडर करेंगे तो मैं समझता हूं कि हम उनके बहुत की धन्यवादी होंगी। धन्यवाद।

डॉ० सुशील इन्दौरा (एस०सी० ऐलनाबाद) : अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। हमारे प्रदेश और देश के खिलाड़ियों ने बीजिंग ओलम्पिक में जो नाम रोशन किया है वह पूरे हरियाणा प्रदेश के लिए गर्व की बात है। खिलाड़ी चाहे किन्हीं भी हालात में रहे हों हमारे मेडल चाहे कम आए हों लेकिन उससे हमें एक पहचान मिली है और हमें बहुत गौरव प्राप्त हुआ है। मैं देख रहा था कि जैसे हमारे सुशील कुमार, विजेन्द्र और दूसरे खिलाड़ी हैं वे बहुत ही साधारण और गरीब परिवारों से रहे हैं। उन्होंने गरीबी के हालात में बहुत प्रयास किए हैं और हमारे लोगों के सामने एक आदर्श पेश किया है कि चाहे कोई भी हालात हों, कुछ भी हो अगर हमारा हौसला बुलंद हो तो कामयाबी की राहें हम पार कर सकते हैं। जैसा कि डॉक्टर साहब ने कहा है, मैं भी कहता हूं कि जब हम कोई भी जंग जीतते हैं तो जय भवानी के नाम से नारा लगाते हैं। जय भवानी और भिवानी में कोई फर्क नहीं है और मेरे लिए भी फख्र की बात है कि मैं भी भिवानी जिले का हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं भी हमारे उन साथियों को तह-दिल से मुबारिकबाद देता हूं। अध्यक्ष महोदय, बीरेन्द्र सिंह जी ने कहा है कि खेलों में कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, चाहे खेल का मैदान हो या कोई और मैदान हो, सामूहिक प्रयासों से ऐसी जंग जीती जाती हैं। इसमें व्यक्तिगत प्रयास भी बहुत कामयाब होते हैं। मैं इस बात के लिए भाई अभय सिंह चौटाला जी को बहुत-बहुत धन्यवाद दूंगा क्योंकि उनके व्यक्तिगत प्रयासों से xxx (शोर एवं व्यवधान) यह मैं नहीं कह रहा हूं इस बारे में पूरे हरियाणा में चर्चा है कि अभय सिंह चौटाला हरियाणा प्रदेश के ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष हैं और बीरेन्द्र सिंह जी ने भी कहा है कि वे अध्यक्ष हैं। प्रयास उनका भी रहा होगा। मैं सुरेन्द्र सिंह जी का भी यहां पर जिक्र करूंगा कि प्रयास उनका भी रहा होगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : प्रयास रहा होगा। आपने मेरी बात सुनी नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, उनके अच्छे प्रयास रहे होंगे। इस तरह से चन्द्रमोहन जी के भी प्रयास रहे होंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : आपने सुना नहीं कि मैंने अंत में कहा था कि स्पोर्टस को राजनीति से ऊपर उठाया जाए। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : मैं भी तो यही बात कह रहा हूं कि स्पोर्टस को राजनीति से ऊपर उठाना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) मैं यही कह रहा हूं कि उस वक्त जो उन्होंने जो थोड़े प्रयास किए होंगे वे ईमानदारी से किए होंगे। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं अभय सिंह चौटाला

[डॉ० सुशील इन्दौरा]

जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं और भिवानी के लोग खुद यह कहते हैं कि उन्होंने खुद जा-जा जाकर लोगों को प्रोत्साहित किया था। (शोर एवं व्यवधान) मैं तो यह बात भी कहूंगा कि चौधरी देवी लाल जी तो खुद पहलवान थे। (शोर एवं व्यवधान) हमारी पार्टी की जो नीतियां हैं वे चौधरी देवी लाल जी की नीतियां हैं। अध्यक्ष महोदय, जब खेल हो रहे थे उस वक्त हमारी सरकार थी तो हमारी सरकार ने बिना किसी मैडल के रिजल्ट के आए ही घोषणा कर दी थी कि जो भी गोल्ड मैडल लेकर आएगा उसको एक करोड़ रुपए का ईनाम दिया जाएगा। हमने कर्णम मल्लेश्वरी को 25 लाख रुपए दिए थे और भरी सभा में उसको सम्मानित किया था। आज जो हमारे शूरवीर आ रहे हैं उनको भी हम 25 सितम्बर को चौधरी देवी लाल जी की जयन्ती पर भिवानी में धूम-धाम से सम्मानित करेंगे। हमने उनका भिवानी में अभिनन्दन तो कर दिया है। (शोर एवं व्यवधान) हमने यह सब बिना राजनीति के किया है। (शोर एवं व्यवधान) आप हमें सरकार दे दीजिए हम एक करोड़ रुपए भी दे देंगे। (शोर एवं व्यवधान) हम जो भी उनको दे रहे हैं वह कोई सरकारी तौर पर नहीं दे रहे हैं। हम अपनी पार्टी फंड से दे रहे हैं और हम यह सब उन लोगों के उत्साहवर्द्धन के लिए कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) हम यह सब नई पीढ़ी को एक संदेश देने के लिए कह रहे हैं ताकि वे खेलों में और आगे आएं। (शोर एवं व्यवधान) मैं यह कोई राजनीति की बात नहीं कर रहा हूं। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Dr. Sahib, please keep silence. (शोर एवं व्यवधान) उन बच्चों ने इतना बड़ा काम किया है, देश का नाम रोशन किया है मगर आप तो उसी लाईन पर रहे। (शोर एवं व्यवधान) राधे श्याम शर्मा जी आप क्या बोलना चाहते हैं। (शोर एवं व्यवधान) इन्दौरा जी, आप यह बताएं कि यह जो सरकार ने किया है आप उससे खुश हो या नाराज हो। (शोर एवं व्यवधान)।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मुझे बोलने तो दें। (शोर एवं व्यवधान) मैं यह राजनीति की बात नहीं कर रहा हूं। (शोर एवं व्यवधान)।

श्री अध्यक्ष : नहीं नहीं डाक्टर साहब, आप ऐसी बात न करें। (शोर एवं व्यवधान)।

सिंचाई मन्त्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : अध्यक्ष महोदय, आप इनसे यह पूछें कि जब इनकी सरकार थी तो इन्होंने स्पोर्ट्स के लिए क्या क्या किया था। कितना स्पोर्ट्स को बढ़ावा दिया था? इनके समय में जो स्पोर्ट्स का बजट था हमने उससे पांच गुणा बजट बढ़ा दिया है।

डॉ० सुशील इन्दौरा : आप यह बताएं कि उस समय विकास की दर क्या थी और आज क्या है। (शोर एवं व्यवधान)।

श्री अध्यक्ष : धर्मबीर जी आप क्या कहना चाहते हैं।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री धर्मबीर) : अध्यक्ष महोदय, भिवानी में 27 तारीख को विजेन्द्र सिंह को जो दिल्ली से लाया गया था और उसको वहां पर जो मालाएं मिली थी वे मालाए भी ये साथ ले गए थे।

श्री अध्यक्ष : कहां ले गए थे।

श्री धर्मबीर : पता नहीं सर, कहां ले गए।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी की नीति है कि दुष्प्रचार करो क्योंकि ये किसी की बात को ऊपर नहीं आने देना चाहते हैं। जो हमने अच्छे काम किए हैं मैं उनके बारे में बता रहा हूं लेकिन ये किसी की बात को ऊपर नहीं आने देते। सरकार जो अच्छा काम कर रही है, मुख्यमंत्री जी जो अच्छा काम करते हैं उसकी भी मैंने हमेशा प्रशंसा की है।

बिजली मन्त्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : स्पीकर साहब, सौभाग्य से हर चीज के बारे में बहुत अच्छी डिबेट इस सदन के अंदर चल रही है। बहुत सारे सुझाव बहुत सारे साथियों ने यहां पर दिए हैं। बहुत अच्छा होता यदि डाक्टर साहब और उनके साथी भी एक रचनात्मक सुझाव देते कि किसी प्रकार से हम स्पोर्ट्स को हरियाणा में आगे ला सकते हैं। किस प्रकार से हरियाणा के बच्चों की प्रतिभा को आगे लाया जा सकता है, उस प्रस्ताव पर सब बोल रहे थे। इस प्रस्ताव का राजनीति से कोई लेना देना नहीं है। इस प्रस्ताव का तो केवल प्रतिभा और प्रतिभा के प्रोत्साहन से लेना देना है। हरियाणा के मुख्यमंत्री जी ने और हरियाणा की सरकार ने जिस प्रकार से प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया है, वह काबिलेतारीफ है। जैसा वित्त मन्त्री जी ने और मुख्यमंत्री जी ने चर्चा की कि जिन्होंने ओलम्पिक गेम्स में पार्टिसिपेट किया उनको 11-11 लाख रुपये दिए। जो अवार्ड नहीं ले पाए लेकिन जिन्होंने वर्ल्ड विजेता को हराया उनको 25-25 लाख रुपये दिए, को कांस्य पदक लेकर आए उनको 50 लाख रुपये और नौकरियां दी। इसके अलावा उनके कोचिज को भी सम्मान दिया गया जिसके कारण आज हरियाणा के 6 हजार से अधिक गांवों में हर बच्चा चाहे वह जोहड़ पर बैठा है और गरीब से गरीब की बेटी या बेटा सभी यह सोचते हैं कि जब अखिल कुमार, विजेन्द्र कुमार, जितेन्द्र कुमार, योगेश्वर दत्त और साईना नेहवाल ओलम्पिक में इतना नाम कमा सकते हैं तो वह भी ऐसा कर सकते हैं। सैंकड़ों हजारों बच्चे ऐसे हैं जिनसे यदि आप बात करो तो उनके चेहरे पर एक नयी चमक, एक नयी आभा, एक नयी उमंग नजर आएगी। अध्यक्ष महोदय, पहले खेलों का बजट सिर्फ 6-6, 7-7 करोड़ रुपये हुआ करता था लेकिन अब हमारी कांग्रेस पार्टी की सरकार ने इस बजट को 70 करोड़ रुपये का किया है। कांग्रेस की सरकार ने यह निर्णय भी लिया है कि 40-40 लाख रुपये के स्पोर्ट्स स्टेडियम गांवों में बनाए जाएंगे। सरकार के द्वारा कई डिस्ट्रिक्ट लेवल पर नये स्टेडियम बनाए जा रहे हैं, इस तरह से स्पोर्ट्स के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। स्पोर्ट्स के मद में और ज्यादा पैसा दिया जा रहा है। स्पोर्ट्स के खिलाड़ियों की डाईट के लिए सरकार और ज्यादा पैसा दे रही है। स्पीकर साहब, एक नयी स्पोर्ट्स नीति सरकार लेकर आ रही है। देश का नाम कैसे हम रोशन कर सकें इस बात पर इस सदन के अंदर चर्चा हो रही है। इनका ये कहना कि अमुक डी०जी०पी० को अमुक पद पर बैठाकर फैडरेशन का इंचार्ज बना दें और अमुक पार्टी के अमुक सांसद को अमुक फैडरेशन का इंचार्ज बना दें क्योंकि अमुक व्यक्ति ही हरियाणा में स्पोर्ट्स चला सकता है उसके बगैर ये स्पोर्ट्स चलाना संभव नहीं है, सही नहीं है। स्पीकर साहब, पूरे हरियाणा के सभी दलों की तरफ से मुख्यमंत्री जी ने एक फंक्शन रखा लेकिन उसमें भी राजनीति का प्रयास किया गया। जैसे धर्मवीर भाई जी ने कहा, मैं भी कहना चाहता हूं कि जिस तरह से ये एक बार महेन्द्र चौधरी का पैसा लेकर गए थे, तो उसी तरह से इन नौजवानों के साथ भी ऐसा ही करना चाहते थे। कृपा करके खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने की इस डिबेट को ये इतने नीचे स्तर पर न लेकर

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

आएं। हरियाणा के मुख्यमंत्री जी ने और हरियाणा की सरकार ने खेलों और खिलाड़ियों को एक उच्च दर्जा दिया है। ये उस दर्जे को उस ऊंचे स्तर पर ही रहने दें। मेरा इनसे कहना है कि ये उस स्तर को नीचे न करें और न ही खिलाड़ियों को राजनीति के अंदर बांटे। स्पीकर साहब, मेरी केवल हाथ जोड़कर इनसे इतनी ही विनती है।

डॉ० सुशील इंदौरा : स्पीकर साहब, * * *

श्री राधे श्याम शर्मा अमर (नारनौल) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद। माननीय पार्लियामैंट्री अफेयर्ज मिनिस्टर ने हमारे होनहार खिलाड़ियों के लिए जो प्रस्ताव सदन में रखा है, मैं उसका समर्थन करता हूं। अध्यक्ष महोदय, यह बहुत बड़ी बात है क्योंकि हमारे इन होनहार खिलाड़ियों ने केवल हरियाणा का ही नहीं बल्कि सारे देश का नाम रोशन किया है।

डॉ० सुशील इंदौर : स्पीकर साहब, * * *

वन राज्य मंत्री (श्रीमती किरण चौधरी) : स्पीकर साहब, हमारे खिलाड़ी इतनी बड़ी अचिवमैंट करके आये हैं लेकिन ये उसको मान ही नहीं रहे हैं। (विघ्न)

डॉ० सुशील इंदौरा : स्पीकर साहब, * * *

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : स्पीकर साहब, आप इनसे पूछिए कि ये किससे पूछकर बोल रहे हैं।

डॉ० सुशील इंदौरा : स्पीकर साहब, * * *

श्री अध्यक्ष : जो भी इंदौरा साहब बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

17.00 बजे **श्री राधे श्याम शर्मा अमर** : अध्यक्ष महोदय, जो नाम हमारे खिलाड़ियों ने रोशन किया है वह इन साथियों को रास नहीं आ रहा है। हमारे प्रदेश के जो खिलाड़ी बीजिंग ओलम्पिक्स में पहुंचे और जिन्होंने हमारे देश के लिए मैडल हासिल किए, यह हमारे लिए बड़े गौरव की बात है, गर्व की बात है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि जो खिलाड़ी ओलम्पिक के अंदर क्वालिफाई करता है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इंदौरा : अध्यक्ष महोदय, * * *

Mr. Speaker : Nothing is to be recorded. जब आप चर्चा करते करते रूट ही बदल देते हैं तो आपको कैसे सुनेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, यह इस प्रदेश का दुर्भाग्य है कि जब प्रान्त के अंदर कोई अच्छी बात हो रही है और पूरा सदन पूरी गंभीरता से इस बात पर विचार

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

कर रहा है कि कैसे सकारात्मक तरीके से हम प्रदेश को आगे बढ़ायें और उन्नति के पथ पर ले जाएं, लेकिन इस समय इन साथियों को इस बात में राजनीति नजर आती है। इनका तो केवल एक ही लक्ष्य बन गया है कि कैसे सदन के अंदर विवाद खड़ा करना है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इंदौरा : अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री राधेश्याम शर्मा अमर : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा था कि हमारे मुख्यमंत्री जी ने यह बहुत काबिले तारीफ काम किया है कि जो खिलाड़ी जीतता है उसको तो इनाम मिलता ही है लेकिन जो हार जाता है उसको भी इनाम देकर एक नया और शानदार इतिहास इन्होंने रचा है। अध्यक्ष महोदय, आर्थिक क्षेत्र में, बिजली के क्षेत्र में, बिजनेस के क्षेत्र में यह जो हमारा साढ़े तीन वर्ष का शासनकाल रहा है वह हरियाणा के इतिहास में स्वर्णयुग के नाम से जाना जायेगा और साथ ही खेलों के इतिहास में सुनहरी युग के नाम से जाना जायेगा। इससे हमारा यूथ शक्तिशाली होगा। नौजवानों को मजबूत करने के लिए मैं सरकार को बधाई देता हूं। हम जो पिछले दिनों गांवों में मीटिंग करते थे तो उसमें 800 के करीब लोग आते थे लेकिन अब की बार करीब 1500 लोग आए हैं जिनमें से 700 नौजवान लड़के थे जो यह कह रहे थे कि सरकार ने खेलों में खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देकर जो उनका मनोबल और मान बढ़ाया है इससे वे काफी उत्साहित हैं। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इंदौरा : अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री अध्यक्ष : आपको बोलने के लिए समय दिया गया था किन्तु आप रूट बदल जाते हैं। इंदौरा जी, जो कुछ कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री राधेश्याम शर्मा अमर : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने कोई भलाई की बात करनी ही नहीं है।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री राधेश्याम शर्मा अमर : अध्यक्ष महोदय, सारी की सारी कुरीतियों को मुख्यमंत्री महोदय ने तोड़ा है और निष्पक्ष भाव से खिलाड़ियों के साथ न्याय किया गया है। 108 साल के ओलम्पिक्स के इतिहास में हमारे नौजवान एक स्वर्ण व दो कांस्य पदक लेकर आए हैं। भिवानी के अंदर कैप्टन हवासिंह के नाम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर की अकादमी बनाकर मुख्यमंत्री जी ने इस होनहार खिलाड़ी को काफी सम्मान दिया है इसके लिए मैं उन्हें बधाई देता हूं। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Nothing is to be recorded.

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, * * * * *

श्री राधेश्याम शर्मा अमर : अध्यक्ष महोदय, झज्जर में एक क्रिकेट का स्टेडियम खोल कर क्रिकेट को बढ़ावा दिया गया। खेलों का बजट पांच गुणा बढ़ाकर सरकार ने शानदार काम

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

किया है। जिस प्रकार आजादी के संग्राम में देश का हर बच्चा भगत सिंह की नकल करके भगत सिंह बनना चाहता था उसी प्रकार आज हर युवक रैसलिंग और बॉक्सिंग चैम्पियन बनकर उस बात को दोहराना चाहता है।

वाक आऊट

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, आप हमारी बात नहीं सुन रहे हैं इसलिए हम सदन से वाक आऊट करते हैं।

(इस समय सदन में उपस्थित इण्डियन नेशनल लोकदल के सभी सदस्य सदन से वॉक आउट कर गये।)

सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)

हरियाणा सरकार द्वारा ओलम्पिक विजेताओं को सम्मान देने बारे।

श्री राधे श्याम शर्मा अमर (नारनौल) : अध्यक्ष महोदय, आज हमारे नौजवान खेलों में उस भावना से आना चाह रहे हैं। आज खेल जगत में निराशा की भावना समाप्त हो गई है। मैं एक बात और कहना चाहूंगा कि आज देश में क्रिकेट का डर भी खत्म हो गया है क्योंकि आज कुश्ती, मुक्केबाजी, लॉन्ग जम्प आदि खेलों में व्यक्तिगत ईनाम मिल रहे हैं, जिससे युवाओं में एक नया जोश, विश्वास और उत्साह उनके अन्दर आयेगा। हमारी सरकार ने जो खिलाड़ियों को सुविधाएं दी हैं उसके लिए सरकार बधाई की पात्र हैं और इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं। जिस प्रकार से देश में हर क्षेत्र में हरियाणा प्रदेश नम्बर एक पर है, उसके लिए पिछले साढ़े तीन साल का हुड्डा सरकार का युग हरियाणा के इतिहास में सुनहरी युग जाना जायेगा। इसी प्रकार से खेलों के लिए जो इतिहास रचा है वह भी हमारे विद्यार्थियों के लिए हमारे नौजवानों के लिए, हमारे खिलाड़ियों के लिए सुनहरी मौका होगा। अध्यक्ष महोदय, राष्ट्र को बनाने के लिए जवानों की आवश्यकता होती है। जिस प्रकार से राष्ट्र को बनाने के लिए चरित्र की आवश्यकता होती है और राष्ट्र को बनाने के लिए हिम्मत और साहस की आवश्यकता होती है और वह हिम्मत और साहस कहां से आयेगा वह खेल से आयेगा, खेल के मैदान से आयेगा। उसी प्रकार से खेल के मैदान के लिए भी हिम्मत और साहस की आवश्यकता होती है। अध्यक्ष महोदय, वाटरलू का जो युद्ध है ऐडिन और हीरो के विश्वविद्यालयों के प्ले ग्राउंड पर जीता गया था। उसी तरह से हमारे देश के अन्दर जो आज हम यह महसूस करते हैं कि नौजवानों के अन्दर शराब की और नशे की लत पड़ रही है। ये सब इसी बात से समाप्त होंगें आप इस बात से सहमत भी होंगें कि हरियाणा ऐसा ही प्रदेश होगा। माननीय मुख्यमंत्री जी ने भिवानी में मेला लगाकर खेलों के लिए जो मार्ग दिखाया है और जो पॉलिसी बनाई है, उसके लिए सारा देश और दूसरे प्रदेश हमारा अनुसरण करेंगे। इसका श्रेय हमारी सरकार को मिलेगा, जिसने यह रास्ता दिखाया है। इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी और माननीय वित्त मंत्री जी बधाई के पात्र हैं। हमारे वित्त मंत्री जी ने तो खजाना खोल रखा है वह कहते हैं कि चाहे जितने पैसे ले जाओ। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री रामकुमार गौतम (नारनौंद) : स्पीकर सर, मैं हुड्डा साहब को अन्तःकरण से बधाई देना चाहता हूं जिन्होंने खेलों के लिए जो फैसला किया है उसके लिए हरियाणा की नौजवान पीढ़ि को

बहुत जबरदस्त प्रेरणा मिलेगी। सारे देश के जो नौजवान हैं उनको भी इससे प्रेरणा मिलेगी। यह कोई छोटा फैसला नहीं है। मैंने देखा है कि पहले भी हमारे लड़कों और लड़कियों की टीम जीत कर आती थी और हॉकी आलम्पिक प्लेयर महाराज किशन कौशिक जो हाकी के कोच थे उनको कोई सम्मान नहीं दिया गया था। हुड्डा साहब ने यह गजब का बहुत बड़ा फैसला किया है क्योंकि अब कोच को भी 25 लाख रुपये देने का काम किया गया है। सारे वैनल वबालिफाई करके जो बच्चा ओलम्पिक में पहुंचेगा उसको 11-11 लाख रुपये देने की घोषणा की गई है इससे हर बच्चे के मन में भावना पैदा होगी कि वह ओलम्पिक में कोई न कोई मैडल जीतकर आए। हरेक बच्चा यह सोचेगा कि वह ओलम्पिक में न भी जीता तो ओलम्पिक में पहुंच भी गया तो भी उसका नाम रोशन होगा। यह सरकार का बहुत ही अच्छा फैसला है। इसके लिए मैं सरकार का बार-बार धन्यवाद करता हूं। हुड्डा साहब ने अच्छे काम तो और भी बहुत किए हैं। हमारी बहनों के लिए राखी का त्यौहार बहुत बड़ा त्यौहार होता है, उनको राखी के दिन बसों में फ्री आने जाने की जो सुविधा दी है यह बहुत अच्छी बात है लेकिन मैं इस बारे में एक सुझाव देना चाहता हूं। मेरी बात न्यारी जरूर है लेकिन मैं अपने मन की बात जरूर कहना चाहूंगा कि राखी के दिन स्कूल और कालेजों की छुट्टी न होने से बसों में अफरा तफरी मच जाती है। स्टूडैंट्स बसों में ऐसी गड़बड़ कर देते हैं कि जितना लाभ इस सुविधा का महिलाओं को मिलना चाहिए उतना उनको मिल नहीं पाता। अध्यक्ष महोदय, एक बात मैं यह कहना चाहता हूं कि अगर हमारे यहां कानून ठीक होता तो अभय चौटाला जेल में होते। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, ये अपनी लाइन पर रहकर ही बोलें तो ज्यादा अच्छा होगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रामकुमार गौतम : अध्यक्ष महोदय, ओलम्पिक में जो भी खिलाड़ी जीतकर आए हैं मैं उन सबको बधाई देता हूं। (शोर एवं व्यवधान) ओलम्पिक में जीतने वाले खिलाड़ियों को डी०एस०पी० बनाकर उनका मान बढ़ाया गया है जोकि छोटी बात नहीं है। कोई भाई कहता है कि भाई गौतम, तू बी०जे०पी० विधायक दल का नेता है और सरकार की तारीफ करता है तो मैं तो यह कहना चाहूंगा कि सरकार की कोई बात बढ़िया होगी तो उसकी हमें जरूर तारीफ करनी पड़ेगी लेकिन अध्यक्ष महोदय, मुझे सरकार से कई शिकायतें भी हैं। सरकार का भ्रष्टाचार पर कोई कंट्रोल नहीं है अधिकारियों पर भी कोई कंट्रोल नहीं है। मुख्यमंत्री का एक आदेश धक्के खाता फिर रहा है, कोई उसकी पूछ नहीं है। इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि अधिकारियों पर कंट्रोल करो और भ्रष्टाचार पर कंट्रोल करो। भ्रष्टाचार को कंट्रोल करने का कोई न कोई इंतजाम किया जाए। अध्यक्ष महोदय, सरकार थोड़ी बहुत तरक्की भी कर रही है। मैं रोज अखबार पढ़ता हूं और सुनता हूं कि आज हुड्डा साहब ये घोषणा करके आए, आज कोई कॉलेज खोल आए, आज किसी सब-तहसील को तहसील बनाकर आए। मेवात को जिला बना दिया, कोई सब डिवीजन बना दिया। क्या हमने मोरनी को कोई पत्थर मार दिया है कि हमारे नारनौंद की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया गया? हमारे गांव के लोगों ने एक कालेज की डिमांड की है लेकिन हमारी उस डिमांड को पूरा नहीं किया गया। हुड्डा साहब पहले मुख्यमंत्री जी हैं जिनको 36 बिरादरी के लोगों ने मान दिया है। घर-घर से चंदा इकट्ठा करके उनको खाना खिलाया है और उनसे एक

[श्री रामकुमार गौतम]

आई०टी०आई० खोलने की मांग रखी, एक कालेज की मांग रखी। कोई साहूकार जिसने काम निकलवाना हो वह तो ऐसा काम करें लेकिन हमारे यहां के लोगों ने चाव से उनको खाना खिलाया कि हुड्डा साहब आएंगे और हमारे यहां कोई कालेज खोलेंगे या कोई आई०टी०आई० खोलेंगे। कोई सब-डिवीजन बनाएंगे लेकिन हमारी मांग की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया गया। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने स्पोर्ट्स के क्षेत्र में बहुत अच्छे काम किए और बहुत से स्टेडियम बनाए जिसके लिए मुझे बहुत खुशी है। नारनौंद में, बांस में व डाटा-मसूदपुर में कोई स्टेडियम नहीं है।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : गौतम जी, आपके यहां सीवरेज तो बन रही है।

श्री रामकुमार गौतम : अध्यक्ष महोदय, जहां तक मुख्यमंत्री जी सीवरेज की बात कर रहे हैं, उस पर तो भ्रष्टाचार का डंडा घूम रहा है जिसकी वजह से यह काम पूरा नहीं हो रहा है इसलिए मैं मुख्यमंत्री महोदय से कहना चाहूंगा कि ये अपने अधिकारियों को खींचे। मेरे पास गांव से फोन आया कि हमारे यहां एक सड़क का काम बीच में छोड़ दिया गया है तो मैंने जब गांव वालों से पूछा कि ठेकेदार क्या कहता है तो वे कहने लगे कि ठेकेदार कहता है कि अपनी सरकार है, कोई बात नहीं। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि जब तक हम भ्रष्टाचार को कंट्रोल नहीं करेंगे तब तक पार नहीं पड़ेगा।

श्री रणबीर सिंह महेन्द्रा (मुण्डाल खुर्द) : धन्यवाद, अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी को मुबारकबाद देता हूं कि इन्होंने हरियाणा प्रांत की बागडोर संभालने के बाद प्रत्येक फील्ड में कई काम किए हैं वे बहुत ही सराहनीय कार्य हैं। मैं एक बात कहना चाहूंगा कि मार्च, 2005 में मौजूदा सरकार बनने के बाद पहले अधिवेशन में मैंने सवाल पूछा था कि जब से हरियाणा बना है उस दिन से लेकर उस अधिवेशन के दिन तक हरियाणा के कितने खिलाड़ियों ने एशियाड में, कॉमन वैल्थ गेम्ज में और ओलम्पिक्स में कितने पदक जीते हैं और मुझे मंत्री जी का जवाब मिला था कि हमारे स्पोर्ट्स विभाग में ये फीगर्ज उपलब्ध नहीं हैं। उस दिन के बाद से लेकर आज तक जो जो स्पोर्ट्स के क्षेत्र में हुआ है उसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी बधाई के पात्र हैं। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा उस समय मैंने जो दूसरी बात उठाई थी वह यह थी कि हमारे जो खिलाड़ी हैं उनको दैनिक भत्ता कितना दिया जाता है। हमारे खिलाड़ियों का उस समय दैनिक भत्ता बहुत कम था और मैंने इस बारे में मुख्यमंत्री जी से आग्रह किया था कि हमारे प्रदेश के खिलाड़ियों का दैनिक भत्ता बढ़ाया जाये उसी समय हमारे मुख्यमंत्री जी ने on the floor of the House, खिलाड़ियों की डायट बढ़ा दी थी। उसके बाद स्पोर्ट्स विभाग ने कुछ किया या नहीं किया यह मुझे नहीं पता, it is for their consideration. अध्यक्ष महोदय, तीसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि चौधरी धर्मबीर जी ने बताया है कि प्रदेश में 162 स्टेडियम बने हुए हैं या बनने जा रहे हैं। यह ऐसा कदम है जिससे देहात के बच्चों को आगे आने का मौका मिलेगा। कई साथी तरह-तरह की बात सोचते हैं। मैं मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि जिन खिलाड़ियों ने ओलम्पिक्स में मैडल जीते हैं, पूरा देश उन खिलाड़ियों के साथ है और हमने जो कुछ उनके लिए किया है, वह हमने उन पर एहसान नहीं किया है। In recognition to their services to the nation, हमने उनको ऑनर किया है। हमारे देश के जिन खिलाड़ियों ने ओलम्पिक में मैडल

जीते हैं चाहे किसी ने गोल्ड मैडल जीता है या कांस्य पदक जीता है उनको हमारे मुख्यमंत्री जी ने उनको ऑनर करने की घोषणा की थी। अध्यक्ष महोदय, साधारण तौर पर सरकार सालाना एक ही फंक्शन करती है लेकिन यह हमारे खिलाड़ियों की एक अनोखी जीत थी इसलिए हमारे मुख्यमंत्री जी ने उनको ऑनर किया जो कि अपने आप में एक मिसाल है। अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहता हूं। डॉ० इंदौरा जी माफ करना क्योंकि कभी भी स्पोर्ट्स में ऐसा नहीं होता, जो हमारे यहां हुआ। अगर कोई खिलाड़ी या टीम जीतकर आती है तो एक विधिवत् तरीके से उनका स्वागत किया जाता है। जैसा सरकार ने अनाऊंस किया था कि खिलाड़ियों को स्टेट की तरफ से ऑनर किया जायेगा और उसकी तारीख भी निश्चित की गई थी, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ कि खिलाड़ियों को आप के द्वारा एयरपोर्ट पर आते ही बीच में हाई जैक कर लिया जाये और भिवानी का ट्रिप बना लिया जाये और यह कहा जाये कि 27 तारीख को हरियाणा ओलम्पिक एसोसियेशन का इन्डीज्वली प्रोग्राम होगा, ऐसा कभी नहीं होता है। अध्यक्ष महोदय, जब स्टेट गवर्नमैंट को अपना फंक्शन अनाऊंस कर दिया था तो हरियाणा ओलम्पिक एसोसियेशन को बीच में नहीं आना चाहिए था। इससे खिलाड़ियों की शान में फर्क पड़ता है और जिन्होंने ऑनर किया है उनकी शान में भी फर्क पड़ा है, क्योंकि जब स्टेट की बात आती है तो सारी चीजें दूसरे नम्बर पर आ जाती हैं। मैं चाहूंगा कि ये आगे से इसका ध्यान रखेंगे। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने कई बातें कही कि पॉलिटीक्स को स्पोर्ट्स के साथ नहीं जोड़ा जाये। अध्यक्ष महोदय, यह स्वाभाविक बात है कि स्पोर्ट्स को पॉलिटीक्स के साथ नहीं जोड़ना चाहिए। आज के युग में स्पोर्ट्स और पॉलिटीक्स आपस में जुड़ चुके हैं। मैं मुख्यमंत्री जी के ध्यान में लाना चाहूंगा कि आजकल स्कूल और कालेजों में जो पहले गेम्ज खेली जाती थी जैसे हॉकी, फुटबाल, क्रिकेट और बॉस्केटबाल आदि, वे गेम्ज आजकल बिल्कुल डिसकन्टीन्यू हो गई है। ये वे गेम्ज हैं जो बच्चों के लिए नर्सरी का काम करेंगी इसलिए इन गेम्ज की तरफ मुख्यमंत्री जी विशेष ध्यान दें। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मैं मुख्यमंत्री जी का ध्यान इस ओर दिलाना चाहूंगा कि जहां तक अप्वायंटमैंट ऑफ कोचिज है इस तरफ भी आपको विशेष ध्यान देना चाहिए और कोचिज की भर्ती सावधानी से करनी चाहिए। गोल्ड मैडल जीतना किसी का Fluke-Bye chance कामयाबी नहीं कहा जा सकता। यह कन्टीन्यू प्रोसैस है। कहां से स्टार्ट हुआ किसी को नहीं पता। आज क्योंकि विजेन्द्र ने ब्रॉन्ज मैडल जीत लिया तो हर कोई कहेगा मैं उसको जानता हूं और वह मेरा इस तरह से मिलने वाला था, मैं भी यही कोशिश करूंगा। अध्यक्ष महोदय, सच्चाई यह है कि बचपन से वह कैसे आगे आया उसके बारे में किसी को कुछ पता नहीं है। इस बात को डाक्टर इन्दौरा भी मानेंगे और मैं भी इस बात को मानता हूं। अब हम अपने-अपने हिसाब से उन लोगों का ऑनर कर रहे हैं। यहां पर स्पोर्ट्स के बारे में प्रस्ताव पर बहस चल रही है और जितने दर्शक यहां बैठे हुए हैं वे यह देख रहे हैं कि हरियाणा की असैम्बली में क्या चर्चा हो रही है? सबको पता है कि हम पॉलिटिशियन क्या-क्या करते हैं। लेकिन जब हम एक ऐसे मैटर के ऊपर डिस्कस कर रहे हैं जो कि गोल्ड मैडल और ब्रॉन्ज मैडल जीतकर आये हैं, वे चाहे हरियाणा के खिलाड़ी हों और चाहे देश के खिलाड़ी हों, उनके बारे में भी हम एकमत नहीं हैं। हमारा इसमें क्या कंट्रब्यूशन है? हमारे इस वार्तालाप को जो भी देखने आये हैं वे भी यह महसूस करते हैं कि कम से कम हमें इस बात पर तो एक होना ही चाहिए। दूसरी बात जो मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से कहना चाहता हूं वह है अपायंटमैंट ऑफ फीजियो।

[श्री रणबीर सिंह महेन्द्र]

आज हमारे यहां पर फीजियो की अपायंटमैंट पर पूरा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यह वक्त की पुकार है कि हमें फीजियो की नियुक्ति में किसी प्रकार का कोई समझौता नहीं करना चाहिए। मैं इस बारे में कंसर्ड डिपार्टमैंट से भी कहना चाहूंगा कि हरियाणा में फीजियो की अपायंटमैंट उतनी सीरियसली नहीं ली जाती जितनी की ली जानी चाहिए। इसके अलावा स्पोर्ट्स मैडीशन्ज के ऊपर भी हमें पूरा ध्यान देना चाहिए। स्पोर्ट्स डिपार्टमैंट के लिए मैं एक बात और कहना चाहूंगा कि यह बजाये इसके यह कहे कि हमने यह कर दिया है हमने वह कर दिया है इनको हरियाणा में एक म्युजियम बनाना चाहिए जिसमें जब से हरियाणा बना और आज तक जिन-जिन लोगों ने हरियाणा का विभिन्न लैवल के खेलों में प्रतिनिधित्व किया और उनके क्या-क्या रिकार्ड हैं वह सभी उस म्युजियम में होना चाहिए। जो ब्रॉन्ज और गोल्ड मैडल लेकर आये उनका भी रेप्लीका बनाकर उस म्युजियम में रखना चाहिए कि उस साल में उस आदमी ने इस इवैंट में यह जीता है ताकि आम आदमी भी उसको देख सके। आम आदमी को भी यह हक होना चाहिए कि वह ब्रॉन्ज और गोल्ड मैडल के दर्शन कर सके। अध्यक्ष महोदय, स्पोर्ट्स डिपार्टमैंट को चाहिए कि वह इस प्रकार का एक म्युजियम बनाये जिसमें वह खिलाड़ियों द्वारा जीते गये मैडल्स के रैप्लीका रखे ताकि आने वाली जैनरेशन यह देख सके कि जो हमारे स्पोर्ट्स पर्सन थे उनकी क्या-क्या अचीवमैंट्स रही हैं। इसके अतिरिक्त मैं एक बात और कहना चाहूंगा कि हमारे प्रदेश में जो 162 स्टेडियम बने हुए हैं, उनके बारे में भी हमें एक पॉलिसी बनानी चाहिए। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से भी यह बात कहना चाहूंगा कि डिसिप्लिनवाईज हमें इस बात की व्यवस्था करनी चाहिए कि जिस क्षेत्र में जिस गेम के खिलाड़ी हों उन्हें उस गेम से रिलेटिड तमाम फैसेलिटीज पास के स्टेडियम में मिलनी चाहिए जैसे चौधरी बिरेन्द्र सिंह ने भी कहा कि फलां-फलां गांव में वॉलीबाल के बहुत अच्छे प्लेयर हैं और उस गांव में बॉस्केट बॉल के बहुत अच्छे प्लेयर हैं और हम खुद कहते हैं कि भिवानी में बॉक्सिंग के खिलाड़ी हैं। हमें किसी क्षेत्र विशेष में स्टेडियम का निर्माण इस बात को ध्यान में रखकर करना चाहिए कि कौन सा स्टेडियम कहां ठीक रहेगा। हमारे खिलाड़ियों को अगर किसी स्पोर्ट्स से रिलेटिड तमाम फैसेलिटीज नियरेस्ट स्टेशन पर मिल जायें तो बहुत अच्छा रहेगा। इसके अलावा मैं एक बात और कहना चाहता हूं। चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला जी ने भी क्रिकेट के बारे में कुछ कहा है। मैं पूरे हाऊस की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि यह बात ठीक है कि ब्रॉन्ज और गोल्ड मैडल हमारे देश के खिलाड़ियों द्वारा जीते गये हैं और दूसरे खिलाड़ियों द्वारा भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया गया है, लेकिन मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि विजय आखिर में क्रिकेट की ही हुई है। श्री सुरेश कलमाड़ी जो कि भारतीय ओलम्पिक एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं उन्होंने भी क्रिकेट के बारे में बयान दिया है कि क्रिकेट से हम आगे निकल गये हैं, क्रिकेट को हमने पछाड़ दिया है। मैं यह बात कहना चाहूंगा कि क्रिकेट को पछाड़ा नहीं गया बल्कि क्रिकेट फिर भी आगे है क्योंकि सब लोगों का यह विचार है कि क्रिकेट में पैसा बहुत ज्यादा है। मैं यह कहता हूं कि क्रिकेट के बारे में जो बात करते हैं कि पैसा ज्यादा है जैसे बिजेन्द्र और इन लोगों की जीत ने यह शो कर दिया है कि अगर हमारे खिलाड़ी दूसरे खेलों में भी अचीवमैंट लेकर आते हैं तो कारपोरेट हाऊसिज और आम पब्लिक उनको भी उतना ही सिर माथे पर रखेगी जितना कि क्रिकेट खिलाड़ियों को रखती है। उनके पास भी पैसा उसी हिसाब से आयेगा। इसके साथ

ही अध्यक्ष महोदय आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद करते हुए और आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री महोदय से भी यह प्रार्थना करते हुए कि जिन प्वायंट्स पर हम सोचते हैं उन पर पूरा ध्यान देने की कृपा करें, मैं अपना स्थान लेता हूं।

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, सदन में जो प्रस्ताव आया है, जो हमारे खिलाड़ियों ने पूरे देश का और देश के साथ-साथ अपने प्रदेश का नाम पूरे विश्व में रोशन किया है उस बात के लिए कोई दो राय नहीं है तथा सबको उस बात के लिए खुशी है और पूरे देश में खुशी का माहौल है। केवल हरियाणा में ही नहीं बल्कि पूरे देश में इस बात के लिए खुशी है। हालांकि मैं इस बात से सहमत हूँ कि हमारे से छोटे-छोटे देश भी बहुत ज्यादा मेडल लेकर जाते हैं जबकि हमारे को पहली दफा यह मौका मिला है कि बॉक्सिंग में ब्रॉन्ज मेडल मिला है या ओलम्पिक में गोल्ड मैडल आया है। जो ओलम्पिक में टीम गई थी इसमें हरियाणा की पार्टीसिपेशन दूसरे सभी राज्यों से ज्यादा थी। सब लोग सारे खिलाड़ियों को इस बात की बधाई देते हैं। यह जो प्रयास है यह एक फैसले से नहीं होता। हमारे खिलाड़ियों ने जो एचिवमैंट की है उससे यह सिद्ध भी हो गया है कि हमारे खिलाड़ियों में जबरदस्त टेलैंट है और बहुत जबरदस्त पोटैंशियल है। उनको अगर पूरी सुविधाएं दी जायें और उनको पहले से पूरी कोचिंग दी जाये तो एक कांस्य पदक की बात नहीं बल्कि हमारे खिलाड़ी अनेक मेडल ला सकते हैं। जैसी अभी पहले चर्चा हुई थी कि पहले ओलम्पिक में अमेरिका और रशिया का ही दबदबा रहता था। ये दोनों देश ही आगे रहते थे। अध्यक्ष महोदय, मैं रशिया कई बार गया हूँ और मैंने रशिया में कई बार देखा भी है कि जब किसी खिलाड़ी को ट्रेनिंग के लिए सलैक्ट किया जाता था तो जब तक वह गोल्ड मेडल नहीं ले लेता था उसको पूरी सुविधाएं दी जाती थी। यह भी ठीक है कि खेल और खिलाड़ी चाहे वह कुश्ती का है, चाहे बॉक्सिंग का है, ताकत की आवश्यकता होती है। जैसा चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला जी ने कहा कि मुर्राह नस्ल की भैंस के दूध में बहुत ताकत होती है। ताकत के साथ-साथ दिमाग और संतुलन की भी जरूरत है इसलिए एक-एक खिलाड़ी के साथ 5-5 कोचिज व साइक्लोजिस्ट जाते हैं। बहुत सारी सुविधाएं देनी पड़ती हैं लेकिन हमारे देश में काफी सुविधाएं नहीं है अन्यथा कहाँ तो 100 करोड़ से भी ज्यादा आबादी वाला देश और कहाँ छोटे-छोटे देश कई-कई मेडल लेकर जाते हैं और हम पिछड़ जाते हैं। मैं स्वयं एक खिलाड़ी रहा हूँ और मुझे मालूम है कि किस प्रकार सारा देश टकटकी लगाये इन खिलाड़ियों की बॉक्सिंग देख रहा था, चाहे वह बिजेन्द्र की, चाहे वह अखिल की और चाहे वह जितेन्द्र की बॉक्सिंग हो। हारना और जीतना अलग बात है। हार और जीत किसी भी खिलाड़ी की हो सकती है क्योंकि हर समय कोई खिलाड़ी जीत नहीं सकता लेकिन जिस प्रकार की प्रैजैंस ऑफ माइंड अखिल ने रशिया के वर्ल्ड चैम्पियन के खिलाफ दिखाई उसकी उम्मीद रशियन खिलाड़ी को भी नहीं थी कि हिन्दुस्तान का खिलाड़ी उसको इतनी जबरदस्त टक्कर देगा। उसकी आँख से पानी निकल आया था। मैंने भी और हम सबने सबकी बॉक्सिंग देखी थी। अखिल की बॉक्सिंग भी देखी और जितेन्द्र की बॉक्सिंग भी देखी जो 4 राऊंड में से 3 राऊंड तक बराबरी पर था चौथे राऊंड में थोड़ा सा झटका खा गया और चूक हो गई। इसका मतलब यह नहीं है कि हमारे खिलाड़ियों में कोई कमी थी अगर हमारे खिलाड़ियों को तकनीक और सुविधाएं दी जाती तो हम अवश्य ही गोल्ड मेडल लेकर आते।

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]

अध्यक्ष महोदय, यह पहली दफा नहीं है कि हमने खिलाड़ियों का इस प्रकार सम्मान किया हो। इस ओलम्पिक से पहले भी हमने खिलाड़ियों का इसी प्रकार सम्मान किया है। जैसे महिला हॉकी टीम की कैप्टन ममता खरब को हमने डी०एस०पी० भर्ती किया था। भारतीय पुरूष हॉकी टीम के कप्तान सरदार सिंह को भी डी०एस०पी० लगाया था। कॉमनवैल्थ गेम्स में कुश्ती में गोल्ड मेडल लेकर आई गीतिका जाखड़ को भी डी०एस०पी० लगाया था। जोगिन्द्र शर्मा जिसने T-20 आई०सी०सी० क्रिकेट चैम्पियनशिप में निर्णायक भूमिका निभाई थी उसको भी हमने डी०एस०पी० लगाया था। खिलाड़ियों को ही नहीं बल्कि हमने कोचिज को भी सम्मानित किया है। यह पहले से ही हमारा फैसला था कि जो गोल्ड मेडल लेकर आयेगा उसको 2 करोड़ रुपये का पुरस्कार, जो सिल्वर मेडल लेकर आयेगा उसको 1 करोड़ का इनाम और जो ब्रॉन्ज मेडल लेकर आयेगा उसको 50 लाख रुपये का इनाम दिया जायेगा। उसी के तहत हमने अपने खिलाड़ियों के लिये फैसले किये हैं। बिजेन्द्र सिंह को 50 लाख रुपये और डी0एस0पी0 की ऑफर की गई है। साथ ही साथ ब्रॉन्ज मेडल हरियाणा में पहली बार आया है इसलिए उसकी इच्छानुसार जिस भी शहर में वह चाहेगा उसको हुडा का प्लाट दिया जायेगा। अखिल कुमार जो बॉक्सर है और जो क्वार्टर फाईनल तक पहुंचा है उसको सरकार ने 25 लाख रुपये देने का फैसला किया है और उसको डी०एस०पी० लगाया है। जितेन्द्र कुमार जो बॉक्सर है उसको भी 25 लाख रुपये दिये है और डी०एस०पी० बनाया है। योगेश्वर दत्त जो रैसलिंग में क्वार्टर फाईनल तक पहुंचा है उसको भी हमने 25 लाख रुपये दिये हैं और डी०एस०पी० भर्ती करने का फैसला किया है। अध्यक्ष महोदय, अभिनव बिन्द्रा जो गोल्ड मेडल लेकर आया है उसको भी हमने 25 लाख रुपये दिये हैं और सुशील कुमार जो रैसलिंग में ब्रॉन्ज मेडल ले कर आया है उसको भी हमने 25 लाख रुपये दिये हैं। इसी प्रकार से साईना नेहवाल जो बैडमिंटन की खिलाड़ी है उसका भी हरियाणा के साथ खास सम्बन्ध रहा है। उसके पिता जी आपकी एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में काम करते थे और साईना नेहावाल का बचपन यहीं पर गुजरा है, उसको भी हमने 25 लाख रुपये दिये हैं और उनके कोच को भी पैसे दिये हैं। अध्यक्ष महोदय, जिन खिलाड़ियों ने ओलम्पिक गेम्ज के लिए क्वालीफाई किया है चाहे वे संजीव राजपूत हों या दिनेश कुमार हों उन सभी को ग्यारह-ग्यारह लाख रुपये देने का फैसला किया है। अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि हमारे हरियाणा में कुछ ऐसे खिलाड़ी पैदा हुए हैं जिनका नाम आज तक बड़े सम्मान के साथ लिया जाता है जैसे हवा सिंह बॉक्सिंग के खिलाड़ी रहे हैं, बल्लू वॉलीबाल के खिलाड़ी थे और आपके खुशी राम बास्केट बॉल के नामी खिलाड़ी रहे हैं। स्पीकर सर, इसी प्रकार से हमने यह फैसला किया है कि भिवानी में जो एकादमी बनेगी वह हम कैप्टन हवा सिंह जी के नाम से बनाएंगे। मैंने स्वयं उनको देखा है। जब मैं बहुत छोटा था और उस वक्त मेरी उम्र ज्यादा नहीं थी मैंने पहले उनको आगरा में खुद बॉक्सिंग करते हुए देखा था। मेरे मौसा जी वहां पर फोज में पोस्टिड थे। जब मैं वहां पर खेल देखने के लिए गया था तब मैंने वहां पर पहली बार हवा सिंह जी को खेलते हुए देखा था। स्पीकर सर, जब तक अच्छी सुविधाएं नहीं होंगी, जब तक अच्छे कोचिज नहीं होंगे तब तक अच्छे खिलाड़ी नहीं बन पाएंगे और अच्छे कोचिज हमें बाहर से न लाने पड़ें इसलिए हम कोचिज को भी सुविधाएं दे रहे हैं। खिलाड़ियों को खिलाने वाले अच्छे कोच जब तक नहीं होते तब तक अच्छे खिलाड़ी नहीं बन सकते हैं। इसके

साथ ही उनकी डाईट क्या होगी, उनका वेट क्या होगा, उनकी साईकॉलोजी क्या होगी, इसी प्रकार की बहुत सी चीजें हैं जो अच्छे खिलाड़ी बनाने के लिए और उनको ओलम्पिक गेम्ज़ जैसे स्तर पर पहुंचाने के लिए जरूरी होती है। इसलिए हमने बॉक्सिंग एकादमी बनाने का फैसला किया है। यह एकादमी हवा सिंह जी के नाम पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की एकादमी बनेगी। स्पीकर सर, डॉ० शिव शंकर भारद्वाज जी कह रहे थे कि भिवानी मिनी क्यूबा बन गया है। क्यूबा एक छोटा सा देश है जहां से बॉक्सिंग के खिलाड़ी आये थे। वहां की सरकार ने उनको बहुत अच्छी सुविधाएं दी और वे कई-कई गोल्ड मेडल लेकर जाते थे। स्पीकर सर, कोई ताज्जुब नहीं कि हमारे यहां से भी खिलाड़ी कई-कई गोल्ड मेडल लेकर आएं। इसी बात को ध्यान में रख कर हम वहां पर एकादमी खोल रहे हैं। इसी प्रकार से इंडियन ऑयल कारपोरेशन फुटबाल एकादमी बना रही है जिसकी चर्चा चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला जी ने की है। इण्डियन ऑयल कारपोरेशन भौंडसी गांव में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की फुटबाल एकादमी स्वर्गीय राजीव गांधी जी के नाम पर बना रही है। इसी प्रकार से हमने फैसला किया है कबड्डी और रैसलिंग की भी अलग-अलग एकादमीज बनाएंगे। हमारे हरियाणा के खिलाड़ियों का जहां तक सवाल है, उन्होंने बहुत अच्छा नाम कमाया है। हमारे खिलाड़ियों में अर्जुन अवार्डी और द्रोणाचार्य अवॉर्डी भी हैं। हमारी सरकार ने यह फैसला किया है कि जो भी अर्जुन अवॉर्डी हैं या द्रोणाचार्य अवॉर्डी हैं उनके मान-सम्मान के लिए पांच हजार रुपये प्रतिमाह उनको आजीवन पैंशन दी जाएगी। (इस समय मेजें थपथपाई गईं)। अध्यक्ष महोदय, भीम अवार्डीज़ के लिए भी हम जल्दी ही कोई फैसला करेंगे। जैसे कि हमारे वित्त मन्त्री जी ने बताया है कि हमने स्पोर्टस का बजट कई गुणा बढ़ाया है ताकि हमारे खिलाड़ियों को यथोचित स्थान और मान-सम्मान मिल सके। इसमें कोई दो राय नहीं हैं कि खिलाड़ी और उनके जो नतीजे हैं वे किसी भी देश या प्रदेश में विकास के प्रतीक होते हैं। आप देखिये कि दुनियां में जितने भी विकसित देश हैं खेलों में उनके उतने ही ज्यादा मैडल्ज़ हैं। इसी वास्ते हमारे हरियाणा ने जो एक लक्ष्य तय किया हुआ है कि हरियाणा प्रदेश को देश का नम्बर वन प्रदेश बनाना है उसके लिए हम प्रयास कर रहे हैं। आज ओलम्पिक्स गेम्ज़ में हमारी अचीवमैंट को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं है। ओलम्पिक खेलों से जो नतीजे आये हैं हरियाणा प्रदेश उनमें भी देश भर में नम्बर एक पर है। स्पीकर सर, जहां तक पैसे का सवाल है, सत्ता का सवाल है, फाईनांस का सवाल है, भारत सरकार का इस बारे में खुला हाथ है। जैसा कि फाईनांस मिनिस्टर जी ने कहा है कि मेरे से पूछते नहीं है और घोषणाएं कर देते हैं। मैं क्यों पूछूं। मेरा भाई है और मैं इसको अच्छी तरह से जानता हूं, बहुत कंजूस है। मुझे याद है जब यह गाड़ी में आता था सिर्फ 5 लीटर पैट्रोल डलवाता था। अगर मैंने इससे पूछना ही था तो मुख्यमंत्री क्यों बनता, मंत्री न बनता। जैसा कि इन्होंने कहा है कि खिलाड़ियों का सवाल है तो मैं यह कहना चाहता हूं कि हम हरियाणा सरकार की तरफ से उनको पूरा प्रोत्साहन देंगे। मुझे विश्वास है कि जो भी स्टेडियम हैं वहां पर हम पूरी सुविधाएं देंगे चाहे वह किसी भी प्रकार की सुविधा हो। अब स्टेडियम में पीने के पानी की सुविधा हम पब्लिक हैल्थ से दे रहे हैं। जो अखाड़े हैं उनमें पूरे पोटैंशियल है, गद्दे आदि हैं वे सभी देंगे। यह सिर्फ कांस्य पदक की बात नहीं है। मेरा यह कहना है कि 2012 में जो ओलम्पिक्स होंगे उसमें कम से कम 10 गोल्ड मेडल हम लेंगे और उनको जो भी सुविधा देनी पड़ेगी वह हम देंगे।

Mr. Speaker : Question is–

That this House lauds and records its deep appreciation for the commendable performance and laurels earned for the country by Gold Medalist Shooter Abhinav Bindra from Chandigarh, sons of soil of Haryana namely; Bronze Medalist Boxer Vijender Kumar, Bronze Medalist Wrestler Sushil Kumar; Olympians Boxer Akhil Kumar; Boxer Jitender Kumar; Shuttler Saina Nehwal; Discus Thrower Krishna Punia; Shooter Sanjiv Rajpoot; Boxer Dinesh Kumar; Wrestler Yogeshwar Dutt and Shri Jagdish Singh, Boxing Coach and other respective Coaches. By winning the Medals and bringing laurels, all these players have made history in their respective games and kept the Indian National Flag flying high in the world of sports. Haryana Government has shown exceptional encouragement in awarding suitable rewards and employment to many of these players and will continue to encourage the sports in the State.

The motion was carried

घोषणाएं -

(क) अध्यक्ष द्वारा

(i) चेयरपर्सन्ज़ के नामों की सूची

Mr Speaker : Hon'ble Members, under Rule 13(1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I nominate the following Members to serve on the Panel of Chairpersons:-

1. Shri Balbir Pal Shah, M.L.A.
2. Shri Anand Singh Dangi, M.L.A.
3. Shri Sher Singh, M.L.A.
4. Dr. Sushil Indora, M.L.A.

(ii) अनुपस्थिति संबंधी सूचना

Mr Speaker : Hon'ble Members, I am to inform the House that I have received a communication from Secretary to Industries Minister, Haryana dated 1st September, 2008, in which he has stated that Shri Lachhman Dass Arora, Industries Minister will not attend the Haryana Vidhan Sabha Session on 1.9.2008.

(iii) यमुना समझौते पर समिति की रिपोर्ट के बारे में

Mr Speaker : Hon'ble Members, the Committee of Haryana Vidhan Sabha on Yamuna Accords to review the document signed by the then Chief Minister in 1994 for Renuka and Kishau Dams and to analyse the circumstances which led to the signing by Shri Bhajan Lal, the then Haryana Chief Minister of 1994 MoU regarding sharing of Yamuna Waters and discrepancy between Cabinet decisions and the singned document was constituted by me on 24th September, 2007, having been authorized by the House in its sitting held on 19th September, 2007.

I may bring to the notice of the House that despite ten requests made by my Secretariat to Shri Bhajan Lal to enlighten the Committee, he did not find time to attend any meeting of the Committee ignoring the interests of the State deliberately, which is unfortunate. Four requests were made when he was member of the Committee and six requests were made to him to enlighten/tender his evidence as witness. His non-cooperative attitude in this regard is not appreciable at all. Similarly, Smt. Rekha Rana, a Member of the Indian National Lok Dal also did not attend any meeting of the Committee despite eleven requests made by my Secretariat. Her attitude is also not appreciable.

The Committee was to present its Report during the current Session. The issue being very important requires detailed examination and as such the Committee is not in a position to make a report to the House, therefore, the time for presentation of report is required to be extended.

Is it the pleasure of the House to extend the time for presentation of Report by the next Session?

Voice : Yes, yes.

Mr. Speaker : The time is extended for presentation of Report by the next Session.

(ख) सचिव द्वारा

Mr. Speaker : Now, the Secretary will make an announcement.

सचिव : महोदय, मैं उन विधेयकों को दर्शाने वाला विवरण, जो हरियाणा विधान सभा ने अपने मार्च, 2007, सितम्बर, 2007 तथा मार्च, 2008 में हुए सत्रों में पारित किए थे तथा जिन पर राज्यपाल महोदय ने अपनी अनुमति दे दी है, सादर सदन की मेज पर रखता हूं-

MARCH SESSION, 2007

The Haryana Police Bill, 2007.

SEPTEMBER SESSION, 2007

1. Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan (Amendment) Bill, 2007.
2. The Maharashi Dayanand University (Amendment) Bill, 2007.
3. The Kurukshetra University (Amendment) Bill, 2007.
4. Chaudhary Devi Lal Univsersity Sirsa (Amendment) Bill, 2007.

MARCH SESSION, 2008

1. The Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill, 2008.
2. The Haryana Special Economic Zone (Amendment) Bill, 2008.

3. The Haryana State Legislature (Prevention of Disqualification) Amendment Bill, 2008.
4. The Haryana Compulsory Registration of Marriages Bill, 2008.
5. The Haryana Lifts and Escalators Bill, 2008.
6. The Haryana Evacuee Properties (Management and Disposal) Bill, 2008.
7. The Haryana Appropriation (No. 1) Bill, 2008.
8. The Haryana Appropriation (No. 2) Bill, 2008.
9. The Haryana Cattle Fairs (Amendment) Bill, 2008.
10. The Haryana Tax on Entry of Goods into Local Areas Bill, 2008.
11. The Haryana State Board of Technical Education Bill, 2008.
12. The Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Amendment Bill, 2008.
13. The Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Second Amendment Bill, 2008.
14. Pandit Bhagwat Dayal Sharma University of Health Services Rohtak Bill, 2008.
15. Chaudhary Devi Lal University Sirsa (Amendment) Bill, 2008.
16. The Maharshi Dayanand University (Amendment) Bill, 2008.
17. Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan (Amendment) Bill, 2008
18. The Kurukshetra University (Amendment) Bill, 2008.
19. The Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances (Amendment) Bill, 2008.
20. The Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Amendment) Bill, 2008.
21. The Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Third Amendment Bill, 2008.

बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now I report the time table of various business fixed by the Business Advisory Committee.

The Committee met at 11.00 A.M. on Monday, the 1st Septembner, 2008 in the Chamber of the Hon'ble Speaker.

"The Committee recommends that unless the Speaker otherwise directs, the Assembly whilst in Session, shall meet on Monday, the 1st September, 2008 at 2.00 P.M. and adjourn after conclusion of Business entered in the List of Business for the day.

On Tuesday, the 2nd September, 2008, the Assembly shall meet at 11.00 A.M. and adjourn at 1.30 P.M. and the Assembly shall meet again at 2.30 P.M. and adjourn at 5.00 P.M. without question being put.

On Wednesday, the 3rd September, 2008 the Assembly shall meet at 11.00 A.M. and adjourn at 1.30 P.M. and the Assembly shall meet again at 2.30 P.M. and adjourn after the conclusion of the Business entered in the List of Business for the day.

The Committee, after some discussion, further recommends that the Business on the 1st, 2nd and 3rd September, 2008 be transacted by the Sabha as follows :-

Monday, the 1st September, 2008	1. Obituary References.
(2.00 P.M.)	2. Questions Hour.
	3. Presentation and adoption of First Report of the Business Advisory Committee.
	4. Papers to be laid/re-laid on the Table of the House.
	5. Presentation of preliminary reports of the Committees of Assembly and extension of time for presentation of the final reports thereon.
	6. Special Report of the Committee of Privileges under Rule 218 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly.
	7. Presentation of Supplementary Estimates (First Instalment) for the year 2008-09 and the report of the Estimates Committee thereon.
Tuesday, the 2nd September, 2008.	1. Questions Hour.
(11.00 A.M.)	2. Discussion and Voting on Supplementary Estimates (First Instalment) for the year 2008-09.
	3. Legislative Business.

Wednesday, the 3rd September, 2008
(11.00 A.M.)

1. Questions Hour.
2. Motion under Rule-15 regarding Non-stop sitting.
3. Motion under Rule-16 regarding adjournment of the Sabha sine die.
4. Papers to be laid, if any.
5. The Haryana Appropriation Bill, 2008 in respect of Supplementary Estimates (First Instalment) for the year 2008-09.
6. Legislative Business.
7. Any other Business."

Mr. Speaker : Now, the Parlimentary Affairs Minister will move the motion that this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Power Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : Sir, I beg to move—

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker : Motion moved—

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

डॉ० सुशील इंदौरा : स्पीकर सर . . . .

श्री अध्यक्ष : इंदौरा जी, आप पार्लियामैंटेरियन रहे हैं। मोशन मूव होने के बाद आप बोल लेना।

डॉ० सुशील इंदौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं पार्लियामैंटेरियन रहा हूं। यह बार-बार कहने की जरूरत नहीं है। सर, पार्लियामैंट्री अफेयर्ज मिनिस्टर ने मोशन मूव कर दिया उसके बाद मैंने पहले आपकी इंडीकेशन देखी थी। That was an indication that I want to say something to you. अध्यक्ष महोदय, मैं और मेरी पार्टी के सदस्य बिजनेस ऐडवाइजरी कमेटी की रिपोर्ट से बिल्कुल सहमत नहीं हैं।

श्री अध्यक्ष : आपकी पार्टी के मैंबर्स बिजनेस ऐडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में नहीं आते हैं।

डॉ० सुशील इंदौरा : जब हमारी यहां सुनवाई नहीं होती तो बी०ए०सी० की मीटिंग में कैसे सुनवाई होगी।

श्री अध्यक्ष : सुनवाई हर जगह होगी। आप सजैशंस देंगे तो जरूर इम्प्लीमैंट होंगे। मीटिंग में आकर कहें कि यह बात ऐसे है, इस तरह से हाऊस चलना है, यह बिजनेस आना है, यह हमारी

डिस्कशन है, यह हमारा कालिंग अटैंशन मोशन है, या हमारा रेजोल्यूशन है, यह हमारा ऐडजर्नमैंट मोशन है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इंदौरा : पिछले साढ़े तीन साल की प्रैक्टिस रही है कि जीरो ऑवर में हम बोलना चाहते हैं तो हमें मौका नहीं दिया जाता।

Mr. Speaker : The leader of your party is not serious.

डॉ० सुशील इंदौरा : किसी रेजोल्यूशन पर हम अपने सुझाव देना चाहते हैं तो हमें मौका नहीं दिया जाता। जब इस सदन की पहली बैठक हुई थी तो मुख्यमंत्री जी ने हाऊस में कहा था कि हम लोकतांत्रिक तरीके से सदन को चलाएंगे और लम्बे समय तक चलाएंगे। यहां तकरीबन 90 एम०एल०ए० हैं। अगर मंत्री न भी बोलें तो भी यदि हर विधायक अपने हल्के की बात करें तो भी ज्यादा समय चाहिए। *****

Mr. Speaker : Indora Ji, use the parliamentary language. ये जो बात कह रहे हैं यह रिकार्ड न की जाए। आपको ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, बी०ए०सी० की रिपोर्ट पर चर्चा चल रही है और माननीय सदस्य कोई और मुद्दा यहां लेकर बैठ गए हैं। (शोर एवं व्यवधान) ये हर बार सदन को अपने ही तरीके से लेते हैं। इनके पांच वर्ष के कार्यकाल में केवल मात्र सदन की 66 सिटिंग हुई थीं और ये यहां बात करते हैं।

डॉ० सुशील इंदौरा : अध्यक्ष महोदय, यह बात बिजनेस ऐडवाइजरी कमेटी की रिपोर्ट में रखी जानी चाहिए। संवैधानिक मुद्दों पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। मैं बी०ए०सी० की मीटिंग के बारे में कहना चाहता हूं। आज बी०पी०एल० कार्डों का भी मुद्दा है। इन पर चर्चा होनी चाहिए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, मेरा आपसे अनुरोध है कि बी०ए०सी० की रिपोर्ट जो सदन में पेश की गई है उसे पास कर दिया जाये।

डॉ० सुशील इंदौरा : स्पीकर सर, किसानों की फसल बर्बाद हो गई हैं, धान की खरीद नहीं हो पा रही है। इन मुद्दों पर भी सदन में चर्चा होनी चाहिए।

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा साहब, आपके नेता बी०ए०सी० की मीटिंग में तो कभी आते नहीं हैं, उन्हें बी०ए०सी० की मीटिंग में आना चाहिए वहां पर बतायें कि बिजनैस क्या है, उसके बारे में कोई सुझाव दें।

डॉ० सुशील इन्दौरा : इन मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए।

Mr. Speaker : Indora ji, do you have any suggestion?

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, इन मुद्दों पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। बी०ए०सी० मीटिंग के अलावा कई ऐसे मुद्दे हैं जिन पर हरियाणा प्रदेश के लोगों के हितों के लिए चर्चा होनी चाहिए।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, इनके नेता को बी०ए०सी० मीटिंग में आना चाहिए और वहां पर वे अपने सुझाव दें।

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा साहब, आप बात सुनिये, पार्लियामैंटरी अफेयर्स मिनिस्टर अपनी बात कह रहे हैं।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, पिछले तीन साल से इनैलो के नेता बी०ए०सी० की मीटिंग में नहीं आ रहे हैं यह बात इन्दौरा साहब को मालूम है। उन्हें बी०ए०सी० की मीटिंग में आना चाहिए और बी०ए०सी० मीटिंग के अलावा जो दूसरे मुद्दे हैं वे सदन में किस प्रकार उठाये जायेंगे इस बारे में बताना चाहिए। इन्हें श्री सम्पत सिंह जी से क्लास लगानी चाहिए।

डॉ० सुशील इन्दौरा : मुझे क्लास लगाने की जरूरत नहीं है।

Mr. Speaker : Question is :—

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

The motion was carried.

वाक आऊट

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, हम बी०ए०सी० की रिपोर्ट जो सदन में प्रस्तुत की गई है उससे सहमत नहीं है। अध्यक्ष महोदय, इस पर आपने हमें बोलने का पूरा समय भी नहीं दिया इसलिए हम सदन से वाक आऊट करते हैं।

(इस समय सदन में उपस्थित इण्डियन नैशनल लोकदल के सभी सदस्य सदन से वाक आऊट कर गये।)

सदन की मेज पर रखे गये काजग-पत्र

Mr. Speaker : Now, the Parliamentary Affairs Minister will lay the papers on the Table of the House:—

Power Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : Sir, I bag to lay the papers on the Table:—

1. The Indian Stamp (Haryana Amendment) Ordinance, 2008 (Haryana Ordinance No. 2 of 2008).
2. The General Administration Department Notification No. S.O. 31/H.A 3/1975/S. 8/2008, dated the 16th April, 2008 regarding Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Allowances Rules, 1997, as required under section 8(2) of the Haryana Legislative

Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances Act, 1975.

3. The General Administration Department Notification No. S.O. 32/H.A. 3/1970/S. 8 and 9/2008, dated the 16th April, 2008 regarding Haryana Ministers Allowances Rules, 1972, as required under section 9(2) of the Haryana Salaries and Allowances of Ministers Act, 1970.

4. The General Administration Department Notification No. S.O. 46/H.A. 9/1979/S. 8/ 2008, dated the 27th May, 2008 regarding Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Rules, 1979, as required under section 8(3) of the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Act, 1979.

5. The Personnel Department Notification No. G.S.R.5/Const./Art. 320/2008, dated the 6th February, 2008 regarding amendment in Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Regulations, 1973, as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

6. The Personnel Department Notification No. G.S.R./27/Const.Art. 318/2008, dated the 7th August, 2008 regarding amendment in Haryana Public Service Commission (Conditions of Service) Regulations, 1972, as required under Article 320 (5) of the Constitution of India.

7. The Personnel Department Notification No. G.S.R. 30/Const./Art. 320/2008, dated the 18th August, 2008 regarding amendment in Haryana Public Service Commission Limitation of Functions) Regulations, 1973, as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

8. The Town and Country Planning Department Notification No. DS-2008/1637, dated the 16th April, 2008 regarding amendment in Haryana Development and Regulation of Urban Areas Rules 1976, as required under section 24 of

the Haryana Development and Regulation of Urban Areas Act,1975.

9. The Excise and Taxation Department Notification No. S.O. 42/H.A. 6/2003/S. 60/ 2008, dated the 14th May, 2008 regarding amendment in the Haryana Value Added Tax Rules, 2003, as required under section 60(4) of the Haryana Value Added Tax Act, 2003.

10. The Interim Report of Third State Finance Commission Haryana, as required under Article 243-I(4) and 243-Y(2) of the Constitution of India.

11. The Annual Report of Haryana Police Housing Corporation Limited for the year 2005-2006, as required under section 619-A(3)(b) of the Companies Act, 1956.

12. The 40th Annual Report of Haryana Warehousing Corporation for the year 2006-07, as reuired under section 3(11) of the Warehousing Corporation Act, 1962.

विशेषाधिकार मामलों के संबंध में विशेषाधिकार समिति का प्रारंभिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना।

Mr. Speaker : Now, Shri Karan Singh Dalal, Chairperson, Committee of Privileges, will present the Third Preliminary Report of the Committee of Privileges with regard to the question of alleged breach of privilege given notice of by Shri Randeep Singh Surjewala, Parliamentary Affairs Minister, Haryana against Shri Om Parkash Chautala, MLA in respect of misconduct, misbehaviour and disorderly disrupting the proceedings of the House, unbecoming of a Member of the House, thereby committing the contempt of the House/breach of privilege on 20.3.2007 and on earlier occasions also and will also move the motion for the extension of time for the presentation of the final Report of the House (Noises and interruptions)

Chairperson, Privileges Committee (Shri Karan Singh Dalal) : Sir, I beg to present the Third Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter with regard to the question of alleged breach of privileges given notice of by Shri Randeep Singh Surjewala, Parliamentary Affairs Minister, Haryana against Shri Om Parkash Chautala, MLA in respect of misconduct, misbehaviour and disorderly disrupting the proceedings of the House, unbecoming of a Member of the House, thereby committing the contempt of the House/breach of privilege on 20.3.2007 and on earlier occasion also.

Sir, I also be to move—

That the time for the presentation of the final report to the House be extended upto the First Sitting of the next Session.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the time for the presentation of the final report to the House be extended upto the First Sitting of the next Session.

Mr. Speaker : Question is—

That the time for the presentation of the final report to the House be extended upto the First Sitting of the next Session.

The motion was carried.

विशेषाधिकार कमेटी की विशेष रिपोर्ट प्रस्तुत करना

Mr. Speaker : Now, Shri Karan Singh Dalal, Chairperson, Committee of Privileges, will present the Special Report of the Committee of Privileges. (noises and interruptions)

बिजली मन्त्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, श्री कर्ण सिंह दलाल जी जो रिपोर्ट सदन में पेश कर रहे हैं वह रिपोर्ट इन्दौरा साहब व इनकी पार्टी के नेता की पोल खोलने वाली रिपोर्ट है। इनके नेता यह समझते हैं कि ऐसा शोर मचा कर ये हरियाणा के लोगों के आगे पर्दा डाल सकते हैं इसलिए ये शोर कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, श्री कर्ण सिंह दलाल की रिपोर्ट तो श्री ओम प्रकाश चौटाला जी के काले कारनामों की रिपोर्ट है यह इनको मालूम था कि वह रिपोर्ट सदन में पेश होनी वाली है इसलिए ये शोर मचा रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा साहब, आप अपनी सीट पर जाकर बैठें और रिपोर्ट को सुने कि रिपोर्ट क्या आ रही है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, यह रिपोर्ट ही तो इनके लिए समस्या है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : डॉ० साहब, आपकी पार्टी के नेता तो बहुत गैर जिम्मेदाराना व्यवहार करते हैं, जो ठीक नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, इनको कहें कि ये अपने नेता को बुला आए और इनको बोलने के लिए पूरा समय दिया जाए। प्रिविलेज कमेटी की रिपोर्ट आने दें और उस पर चर्चा करवाई जाए। ये ओम प्रकाश चौटाला जी को बुला लाएं। आज नहीं तो कल और कल नहीं तो परसों बुला लाएं, हम इंतजार कर लेंगे और तब तक हम रिपोर्ट को डैफर कर देते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : *****

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा जी कोई बात रिकार्ड न की जाए। डॉ० साहब, आपके नेता ओम प्रकाश चौटाला बी०ए०सी० के मैम्बर हैं। आप उनको बुला लें, हम उनको बोलने के लिए पूरा समय देंगे। वे बी०ए०सी० में नहीं आए और उनका व्यवहार गैर जिम्मेदाराना रहा। उन्होंने अपनी डयूटी को डयूटी नहीं समझा। (शोर एवं व्यवधान) आप उनको बुला लें, मैं उनको बोलने के लिए पूरा समय दूंगा। वे यहां आकर कोई सुझाव दें। (शोर एवं व्यवधान) यहां खिलाड़ियों के लिए इतना बड़ा रैजोल्यूशन आ रहा था। उनको इस पर बोलना चाहिए था और इस बारे में गवर्नमैंट की जो पोलिसी बनने जा रही है उस पर वे अपने सुझाव रखते। (शोर एवं व्यवधान) आप तो लाईन से उतर गए थे। आप अपनी राजनीतिक प्रशंसा में चले गए थे। आप उस समय बोलते मैंने आपको पूरा टाइम दिया था। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : *****

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, इनसे पूछें कि ओम प्रकाश चौटाला सुबह भाग क्यों गए ? इनको कर्ण सिंह दलाल की रिपोर्ट से इतना डर क्यों है ? अभी तो हमें भी नहीं मालूम कि उस रिपोर्ट में क्या लिखा हुआ है। ओम प्रकाश चौटाला सवेरे भाग गए और अब ये भागना चाहते हैं। (शोर एवं व्यवधान) ये ओम प्रकाश चौटाला को बुला लें और उनको बोलने का पूरा मौका दिया जाएगा। तब तक दलाल साहब अपनी रिपोर्ट पेश नहीं करेंगे। (नारेबाजी एवं शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : ओम प्रकाश चौटाला जी, बी०ए०सी० के मैम्बर हैं वे वहां मीटिंग में नहीं आए। वे कल यहां आकर इस बारे में सुझाव दे दें, हम उनके सुझाव मानेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : ******

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा साहब की कोई बात रिकार्ड न की जाए। डॉ० साहब, आपको सप्लीमैंट्री एस्टीमेटस पर बोलने के लिए मैं पूरा टाइम दूंगा। आपके मैम्बर्ज में से एक मैम्बर बोलें, दो मैम्बर बोलें या फिर तीन सदस्य बोल लेना। (शोर एवं व्यवधान) करण सिंह दलाल जो प्रिविलेज कमेटी की रिपोर्ट रखना चाहते हैं, आप उस रिपोर्ट से बचना चाहते हैं। आप उसको फेस करें। आपको सप्लीमैंट्री एस्टीमेटस पर बोलने के लिए पूरा समय दिया जाएगा। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : ******

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा साहब की कोई बात रिकार्ड न की जाए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : डॉ० साहब, आपको क्या मालूम कि दलाल साहब ने क्या रिपोर्ट दी है। उस रिपोर्ट का तो हमें भी नहीं पता कि उसमें क्या है। आप क्यों उस रिपोर्ट से घबरा रहे हैं। ये रिपोर्ट आपको कोई करंट मारने वाली नहीं है। आप चिन्ता न करें। (शोर एवं व्यवधान)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

18.00 बजे **श्री अध्यक्ष :** इनकी बीमारी बिजनेस एडवाईजरी कमेटी की रिपोर्ट नहीं है, इनकी बीमारी तो दलाल साहब वाली रिपोर्ट है। (शोर एवं व्यवधान) डाक्टर साहब, आप इस रिपोर्ट की वजह से ऐसा कर रहे हो। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : * * * * *

Mr. Speaker : Nothing is to be recorded. (शोर एवं व्यवधान) इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : * * * * *

श्री अध्यक्ष : डाक्टर साहब, मैं आपको अलाऊ करता हूं, आप अपनी चेयर पर जाकर बोलें। आप क्या कहना चाहते हैं, अपनी चेयर पर जाकर कहें। (शोर एवं व्यवधान) इस तरह से हाउस की वैल में शोर न मचायें। (शोर एवं व्यवधान) Please take you seats. (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, जब तक रिपोर्ट वापिस नहीं होती। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : डाक्टर साहब, रिपोर्ट कहां आ गई। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, रिपोर्ट कहां है। रिपोर्ट तो अभी पेश ही नहीं हुई है। (शोर एवं व्यवधान) रिपोर्ट तो अभी है ही नहीं। ये इतना क्यों घबराये हुए हैं ? (शोर एवं व्यवधान) ये अपने नेता को भी यहां बुलायें। अभी रिपोर्ट कहां आई है ? (शोर एवं व्यवधान) अभी तो कोई रिपोर्ट पेश ही नहीं हुई है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : * * * * *

Mr. Speaker : Nothing is to be recorded. (Interruptions)

डॉ० सुशील इन्दौरा : * * * * *

(इस समय सदन में उपस्थित इण्डियन नैशनल लोक दल के सदस्य सदन की वैल में नारेबाजी करने लग गये)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, ये मर जायेंगे लेकिन रिपोर्ट पेश नहीं होने देंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : डाक्टर साहब, आप सुसाईड करने की यहां धमकी मत दो। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : * * * * *

श्री अध्यक्ष : आप लड़ें मगर यहां सुसाईड करने की धमकी मत दो। (शोर एवं व्यवधान) डाक्टर साहब, आप अपनी चेयर पर जाकर बोलें। मैं आपको अलाऊ करता हूं। (शोर एवं व्यवधान) Please take you seats. दलाल साहब, आप अपनी रिपोर्ट पेश करें। (शोर एवं व्यवधान)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय सदन में उपस्थित इण्डियन नैशनल लोक दल के सदस्य सदन की वैल में नारेबाजी करने लग गये)

श्री अध्यक्ष : डाक्टर साहब, कर्ण सिंह दलाल जी के पास ऐसी कौन सी पुड़िया है जिससे आप इतने ज्यादा भयभीत हो। (शोर एवं व्यवधान) डाक्टर साहब, आप इतने भयभीत क्यों हो? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आपकी रिपोर्ट को देखकर इनका लीडर तो भाग गया, आप वह रिपोर्ट इनको भी दिखा दो। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, ये लोग रिपोर्ट से घबरा रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) इनका नेता तो सदन छोड़कर पहले ही भाग चुका है और जाते वक्त वह इनको समझाकर गया है कि ज्यों ही रिपोर्ट आये शोर मचाना शुरू कर देना। (शोर एवं व्यवधान) Speaker Sir, I want your protection. आप इनका इलाज कीजिए। (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, अगर आपकी इजाजत हो तो मैं सदन में प्रिविलेज कमेटी की रिपोर्ट प्रस्तुत करना चाहता हूं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आप रिपोर्ट में ऐसा क्या लिखकर ला रहे हो जो ये सारे के सारे डरे हुए हैं ? (शोर एवं व्यवधान) आपने इनको इतना भयभीत क्यों कर दिया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, चोर की दाढ़ी में तिनका होता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आपकी रिपोर्ट से इनका लीडर भी भाग गया है और अब ये भी भागना चाहते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय इण्डियन नैशनल लोक दल के सभी उपस्थित सदस्य हाऊस की वैल में आकर नारे लगाने लगे)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : डॉ० इन्दौरा, आप क्या कहना चाहते हैं ? (शोर एवं व्यवधान) आप अपनी सीट पर जाकर बोलें। I will allow you. मैं आपको अलाऊ करता हूं। (शोर एवं व्यवधान) जो कुछ भी आप बोलना चाहते हैं वह आप अपनी सीट पर जाकर बोलें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, आप इनकी बात मान लीजिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : ज्ञान चन्द ओढ, आप तो प्रिविलेज कमेटी के मैम्बर हो आप अपने साथियों को समझाईए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे अनुरोध है कि आप इनकी बात स्वीकार कर लें और यह रिपोर्ट कल तक डैफर कर दी जाये। (शोर एवं व्यवधान) मेरा आपसे

पुन: अनरोध है कि इनकी बात मान ली जाये और प्रिविजेल कमेटी की रिपोर्ट को कल के एजेंडा में रख लिया जाये। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Dr. Sita Ram, I will allow you. आप अपनी सीट पर जाकर बोलें। (शोर एवं व्यवधान) चिड़ाना साहब, मैं आपको अलाऊ करता हूं। आपको जो बोलना है वह आप अपनी सीट पर जाकर बोलें। (शोर एवं व्यवधान) डॉ० इन्दौरा, आप क्या कहना चाहते हैं, यह तो बताओ। (शोर एवं व्यवधान) मैं आपको भी अलाऊ करता हूं, आप अपनी सीट पर जाकर बोलें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, यह रिपोर्ट आज न पेश की जाये। इसे कल के एजेण्डा में रख लिया जाये। (शोर एवं व्यवधान) The report may be deferred uptil tomorrow. Let the Chairperson of Privilege Committee present the report tomorrow.

Mr. Speaker : Is it the sense of the House that the presentation of the special Report of the Committee of Privileges be deferred for tomorrow's Sitting i.e. on 2nd September, 2008.

Voices : Yes, yes.

Mr. Speaker : The presentation of the special Report of the Committee of Privileges is deferred for tomorrow's Sitting i.e. on 2nd September, 2008.

वर्ष 1999-2000 से 2004-2005 तक की अवधि के दौरान सार्वजनिक सम्पत्तियों के हस्तांतरण/नीलामी/आबंटन की विस्तृत जांच करने के लिए सदन की समिति का प्रारंभिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना

Mr. Speaker : Now, Shri Phool Chand Mullana, Chairperson, Committee of Haryana Vidhan Sabha to inquire into the details of Public Properties transferred/ auctioned/allotted during the year 1999-2000 to 2004-2005 will prsent the First Preliminary Report of the Committee and will also move that the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the First Sitting of the next Session.

Chairperson, Committee of Haryana Vidhan Sabha to inquire into the details of Public Properties transferred/auctioned/allotted during the year 1999-2000 to 2004-2005 (Shri Phool Chand Mullana) : Sir, I beg to present the First Preliminary Report of the Committee of Haryana Vidhan Sabha to inquire into the details of Public Properties transferred/auctioned/allotted during the year 1999-2000 to 2004-2005.

Sir, I also beg to move—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the First Sitting of the next Session.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the First Sitting of the next Session.

Mr. Speaker : Question is—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the First Sitting of the next Session.

The motion was carried

वर्ष 2008-2009 के लिए अनुपूरक अनुमान (प्रथम किस्त) प्रस्तुत करना

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now the Finance Minister will present the Supplementary Estimates (First Installment) for the year 2008-09.

Finance Minister (Shri Birender Singh) : Sir, I beg to present the Supplementary Estimates (First Installment) for the year 2008-09.

प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now, Shri Udai Bhan, Chairperson, Committee on Estimates will present the Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates (First Instalment) 2008-09.

Chairperson, Committee on Estimates (Shri Udai Bhan) : Sir, I beg to present the Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates (First Instalment) 2008-09.

Mr. Speaker : Now, the House is adjourned till 11.00 A.M. tomorrow the 2nd September, 2008.

*18.16 Hrs. (The Sabha then *adjourned till 11.00 A.M. Tuesday, the 2nd September, 2008).

45036—H.V.S.—H.G.P., Chd.